www.epaper.azadsipahi.in

23 अक्टूबर, 2025
कार्तिक, शुक्ल पक्ष, द्वितीया
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
गुरुवार, वर्ष 11, अंक 05

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

'जे नाची से बांची' जो संस्कृति से जुड़ा रहेगा, वही समृद्धि से भरा रहेगा

SACRED CHILD ACADEMY
PLAY SCHOOL
Pre Nursery | KG - I
Nursery | KG - II
ADMISSION OPEN
Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of : Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nurshing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHARM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

बिहार चुनाव: अभी तक नहीं सुलझा 'महागांठबंधन'

■ महागठबंधन में सीटों पर तनातनी जारी

● गुरुवार को संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में सब साफ हो जायेगा : गहलोत

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में 'महागांठबंधन' अभी तक नहीं सुलझ पाया है। महागठबंधन में सीट और साझा घोषणा पत्र पर खींचतान जारी है। इस मामले को सुलझाने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने अशोक गहलोत को पटना भेजा है। गहलोत बुधवार सुबह पटना पहुंचे। उन्होंने राजद प्रमुख लालू यादव और तेजस्वी से उनके आवास पर मुलाकात की। मुलाकात के बाद गहलोत ने कहा कि हमारी लालू जी और तेजस्वी यादव से अच्छी बातचीत हुई है। गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस होगी और सब कुछ स्पष्ट हो जायेगा। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने भी तेजस्वी से बात की है।

5-7 सीटों पर दोस्ताना मुकाबला हो सकता है: गहलोत ने कहा कि हम एनडीए के खिलाफ मजबूती से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव मिलकर चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे। बिहार में कुल 243 सीटें हैं। 5-7 सीटों पर दोस्ताना मुकाबला हो सकता है। हम साथ मिलकर प्रचार करेंगे और चुनाव जीतेंगे।

■ लालू-तेजस्वी से मिले अशोक गहलोत

गहलोत-तेजस्वी के बीच एक घंटे चली बैठक

अशोक गहलोत और कृष्णा अल्लावरु की तेजस्वी के साथ एक घंटे से ज्यादा देर तक बैठक चली। मैराथन बैठक के बाद बाहर आये गहलोत ने दावा किया कि महागठबंधन में कोई रार नहीं है। कुछ सीटों पर दोस्ताना मुकाबला कोई इश्यू नहीं है। कई राज्यों में ऐसी स्थिति देखने को मिली है। सीटों की घोषणा में देरी भी कोई नयी बात नहीं है।

तेजस्वी की चुनावी घोषणा

पटना (आजाद सिपाही)। महागठबंधन के साझा घोषणा पत्र से पहले ही राजद नेता तेजस्वी यादव ने तीन चुनावी घोषणा कर दी। उन्होंने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बिहार के लोगों ने बदलाव का मन बना लिया है। लोग गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी से परेशान हैं। हमलोगों ने जो संकल्प लिया था, जो घोषणाएं की, नीतीश सरकार ने उसकी भी नकल की। आज हमलोग बिहारवासियों को लिए तीन बड़ी घोषणा करने जा रहे हैं। महागठबंधन की सरकार बनते ही इसे लागू करेंगे। तेजस्वी यादव जो कहता है, वह करता है। क्योंकि पिछले चुनाव के वक्त हमने जो बातें कहीं, उसे 17 महीने के कार्यकाल के दौरान पूरा कर दिया। पहला, सीएम जीविका दीदियों को सरकारी कर्मचारी दर्जा दिया जायेगा। इनका वेतन 10 हजार से बढ़ाकर 30 हजार रुपये महीने की जायेगी। दूसरा, सभी संविदा कर्मियों को स्थायी किया जायेगा। तीसरा हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जायेगी। उधर, तेजस्वी ने प्रेस कांफ्रेंस में महागठबंधन में सीटों और साझा घोषणा पत्र को लेकर खींचतान पर कुछ भी नहीं कहा।

तेजस्वी जनता के साथ मजाक करना बंद करें: सुधांशु त्रिवेदी

पटना (आजाद सिपाही)। भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि तेजस्वी को बिहार की जनता के साथ मजाक करना बंद करना चाहिए। नीतीश कुमार की सरकार के सत्ता में आने के बाद, बिहार में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चल रही हैं। हर घर शौचालय, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मुद्रा योजना, लाखपति दीदी और ड्रोन दीदी जैसी योजनाएं पिछले 10 सालों की हमारी सोच का प्रमाण हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए, एनडीए और नीतीश जी का दृष्टिकोण व्यवस्थित, निरंतर और व्यावहारिक है। तेजस्वी जी ने कहा कि वे 10 लाख नौकरियां देंगे, लेकिन इसका असली मतलब है कि वे 10 लाख रुपये में एक नौकरी देंगे। इसका मतलब है कि अब वे नौकरी के लिए घर और संपत्ति लेंगे, जैसे पहले वे नौकरी के लिए जमीन लेते थे।

घाटशिला उपचुनाव : 14 प्रत्याशी मैदान में, तीन का नामांकन रद्द

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। जिले के 45-घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के तहत बुधवार को नामांकन पत्रों की संवीक्षा प्रक्रिया पूरी कर ली गयी। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुल 17 अभ्यर्थियों ने नामांकन दाखिल किया था, जिनमें से 14 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र वैध पाये गये हैं। वहीं, तीन उम्मीदवारों के नामांकन पत्र विभिन्न कारणों से रद्द कर दिया गया। जिन अभ्यर्थियों के नामांकन स्वीकृत हुए हैं, उनमें प्रमुख दलों के उम्मीदवारों के साथ कई निर्दलीय प्रत्याशी भी शामिल हैं। भाजपा से बाबूलाल सोरेन और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) से सोमेश चंद्र सोरेन के बीच मुख्य मुकाबला होने की संभावना जतायी जा रही है। इनके अलावा पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) की पार्वती हांसदा, भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के पंचानन सोरेन और जेएलकेएम के रामदास मुर्मू भी मैदान में हैं।

निर्दलीय प्रत्याशियों में परमेश्वर टुडू, श्रीलाल किस्कू, मनसा राम हांसदा, नारायण सिंह, विकास हेंब्रम, बसंत कुमार तोपनो, मनोज कुमार सिंह, विक्रम किस्कु और रामकृष्ण कांति महली शामिल हैं।

वहीं, जिन अभ्यर्थियों के नामांकन पत्र रद्द किये गये हैं, उनमें निर्दलीय मालती टुडू, आपकी विकास पार्टी के दुखिराम मांडी और राष्ट्रीय सनातन पार्टी के मंगल मुर्मू के नाम शामिल हैं। निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, इनके नामांकन पत्र अधूरे दस्तावेजों और प्रक्रिया संबंधी त्रुटियों के कारण अस्वीकृत किये गये हैं। अब अभ्यर्थियों के नाम वापस लेने की अंतिम तिथि तय की गयी है, जिसके बाद निर्वाचन आयोग अंतिम प्रत्याशी सूची जारी करेगा। उल्लेखनीय है कि घाटशिला सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है, जहां उपचुनाव को लेकर सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं।

सैफ प्रतियोगिता की मेजबानी झारखंड के लिए गर्व की बात : हेमंत सोरेन

मंत्री सुदिव्य कुमार, मनोज कुमार, शेखर जमुआर और मधुकांत पाठक ने मुख्यमंत्री को उद्घाटन समारोह के लिए आमंत्रित किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से बुधवार को आवासीय कार्यालय में पर्यटन, कला, संस्कृति, खेल और युवा मामले विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार, सचिव मनोज कुमार, खेल निदेशक शेखर जमुआर और झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव मधुकांत पाठक ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री को 24 से 26 अक्टूबर तक राजधानी रांची के मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित होने वाली चौथी साउथ एशियन एथलेटिक्स फेडरेशन (सैफ) सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रण पत्र सौंपा। उद्घाटन समारोह 24 अक्टूबर को संध्या 6 बजे से आयोजित होगा। खेल मंत्री ने रांची में आयोजित हो रहे सैफ सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता की तैयारियों से संबंधित जानकारी से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी करता आ रहा है। इसी कड़ी में एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का रांची में आयोजित होना पूरे झारखंड के लिए गर्व की बात है। इसका भव्य, शानदार और सफल आयोजन हो ताकि खेलों के क्षेत्र में हमारे राज्य की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान स्थापित हो।

ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा लेफ्टिनेंट कर्नल बने

पानीपत। ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल (मानद) बन गये हैं। बुधवार को दिल्ली में अलंकरण समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने उन्हें उपाधि दी। इस दौरान उनकी मां सरोज देवी, पिता सतीश चोपड़ा, चाचा भीम चोपड़ा और पत्नी हिमानी मोर भी मौजूद रहीं। बताते चलें कि हरियाणा में पानीपत के रहने वाले नीरज चोपड़ा 26 अगस्त 2016 को सेना में नायब सूबेदार के पद पर भर्ती हुए थे।

प्रसव के नाम पर अवैध वसूली

एंबुलेंसकर्मी और नर्स पर पैसे ऐंठने का गंभीर आरोप

बच्चों को खिलाने के लिए भी पैसे नहीं थे, फिर मांगा गया पैसा

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला/चैनपुर। चैनपुर अनुमंडल अस्पताल में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एक बार फिर विवादों का केंद्र बन गया है। सरकारी दावों के विपरीत केंद्र पर प्रसव के लिए आने-वाली गरीब गर्भवती महिलाओं से अवैध वसूली किये जाने का मामला सामने आया है। पीड़ितों का आरोप है कि 108 एंबुलेंस सेवा से लेकर अस्पताल में मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों तक, प्रसव के नाम पर उनसे खुलेआम पैसे ऐंठ रहे हैं।

एंबुलेंसकर्मी और नर्स दोनों ने वसूले 500-500 रुपये : ताजा मामला दत्तरा गांव निवासी अनीता कुजूर से जुड़ा है। मिली जानकारी के मुताबिक अनीता को प्रसव पीड़ा होने पर चैनपुर 108 एंबुलेंस (गाड़ी संख्या जेएच-01-सीजी-8653) से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। पीड़िता का आरोप है कि एंबुलेंस के चालक और उपचालक ने उन्हें अस्पताल पहुंचाने के एवज में 500 रुपये की वसूली की। वहीं, अस्पताल में

प्रसव के बाद वहां मौजूद एक नर्स द्वारा उनसे अतिरिक्त 500 रुपये वसूलने का आरोप लगाया। अनीता ने अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा कि वह अपने छोटे-छोटे बच्चों को साथ लेकर आयीं थीं। उनके पास बच्चों को कुछ खिलाने तक के लिए पैसे नहीं थे। महिला की इस दयनीय स्थिति को देखकर चैनपुर के एक स्थानीय युवक शिवम कुमार ने मानवता दिखाते हुए उन्हें 500 रुपये की आर्थिक मदद की।

'मिठाई खाने' के नाम पर भी मांगे पैसे: ऐसा ही एक अन्य मामला कुरूमगाड़ निवासी आशा देवी के साथ भी हुआ। आशा देवी ने बताया कि प्रसव होने के बाद अस्पताल की नर्सों द्वारा 'मिठाई खाने' के नाम पर उनसे 200 रुपये की मांग की गयी और पैसे लिये गये।

संलिप्त अधिकारियों पर कार्रवाई हो: मेरी लकड़ा

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने कहा कि चैनपुर क्षेत्र में इस तरह का रवैया बहुत ही निंदनीय है। यह बिल्कुल नहीं होना चाहिए। संबंधित अधिकारियों और संलिप्त कर्मियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिये।

मामले की जांच कर होगी कार्रवाई : एसीएमओ

मामले की जानकारी मिलने पर एसीएमओ सह चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. धनुराज सुब्रह्मरु ने कहा कि लोगों के द्वारा इस तरह की शिकायत मिली है। मामले की जांच की जा रही है। जो भी व्यक्ति इसमें संलिप्त पाया जायेगा, उसके ऊपर निश्चित रूप से कार्रवाई होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रसव या एंबुलेंस के लिए किसी भी प्रकार का पैसा नहीं लगता है। ग्रामीणों से अपील की कि वे इस तरह का कोई पैसा किसी को न दें।

जमशेदपुर में नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोप में जेल वार्डर गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के घनी आबादी वाले भालूबासा इलाके में मंगलवार देर रात एक 50 वर्षीय व्यक्ति को नौ साल की बच्ची से छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान संजय कुमार सिंह के रूप में हुई है और वह घाघीडीह सेंट्रल जेल में वार्डर है। आरोपी ने नाबालिग लड़की को अपने साथ चलने का लालच दिया था। जब कुछ स्थानीय निवासियों ने उस व्यक्ति को लड़की के साथ इमारत परिसर में प्रवेश करते देखा, तो उन्हें गड़बड़ी का संदेह हुआ, क्योंकि वह व्यक्ति इलाके में एक अजनबी था। इसके तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने इमारत में रहने वालों से आवश्यक पूछताछ की और इमारत की छत पर चढ़ गये।

छत पर पहुंचने पर उन्होंने उस व्यक्ति को लड़की से छेड़छाड़ करते हुए पाया। लोगों को देखते ही उस व्यक्ति ने भागने की कोशिश की, लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। घटना की सूचना पाकर पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचा, लेकिन लोग इतने उत्तेजित थे कि उन्होंने पथराव करके पुलिस को रोक दिया। बाद में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी फिर से वहां पहुंचे और आरोपी को लोगों के चंगुल से छुड़ाने में कामयाब रहे। लोग बार-बार यह पूछ रहे थे कि आरोपी को गिरफ्तार किया गया है या नहीं। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बजाय उसके घर छोड़ दिया था। उसकी पहचान घाघीडीह जेल के वार्डर संजय कुमार सिंह के रूप में हुई।

पूर्व सीएम रघुवर के हस्तक्षेप से गिरफ्तारी

यह पता चलने पर कि आरोपी फरार है, लोग घटनास्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर स्थित पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के आवास पर पहुंचे। रघुवर दास के हस्तक्षेप के बाद सिटी एसपी कुमार शिवाशीष समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पीड़िता के माता-पिता का बयान लिया और आरोपी की गिरफ्तारी का आदेश दिया। सीतारामडेरा थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी संजय कुमार सिंह को बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और लड़की को मेडिकल जांच के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमजीएमएमसीएच) भेज दिया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सुरक्षा में चूक, हेलीकॉप्टर गड्ढे में फंसा

पुलिस और अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने धक्का मारकर निकाला

आजाद सिपाही संवाददाता

तिरुवनंतपुरम। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की सुरक्षा में लापरवाही का मामला सामने आया है। राष्ट्रपति को सबरीमाला यात्रा पर ले जा रहा वायुसेना का हेलीकॉप्टर बुधवार सुबह प्रमदम स्थित राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में नये कंक्रीट वाले हेलीपैड पर उतरते समय एक गड्ढे में फंस गया। राष्ट्रपति की सुरक्षा में चूक की यह घटना तब हुई, जब राष्ट्रपति मुर्मू के हेलीकॉप्टर की केरल के प्रमदम में लैंडिंग हुई।

सूख नहीं पाया था कंक्रीट का बना हेलीपैड: हेलीकॉप्टर से उतरने के बाद राष्ट्रपति का काफिला सड़क मार्ग से पंबा के लिए रवाना हो गया। राष्ट्रपति के रवाना होने के बाद कई पुलिसकर्मी और अग्निशमन बल के जवान राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर के पहियों को हैलीपैड पर बने गड्ढों से निकालते दिखायी दिये। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पहले राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग पंबा के पास निलक्कल में होनी थी, लेकिन खराब मौसम के कारण, राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग प्रमदम में हुई। आखिरी समय पर राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर को उतारने के लिए जगह तय की गयी थी, जिसके चलते मंगलवार देर रात ही हेलीपैड बनाया गया। हेलीपैड सूख नहीं पाया और जैसे ही राष्ट्रपति का हेलीकॉप्टर लैंड हुआ तो भारी वजन के चलते वह हेलीपैड में ही धंस गया। गनीमत रही कि इस वजह से कोई गड़बड़ी नहीं हुई।

दक्षिणी राज्यों के दौरे पर हैं राष्ट्रपति

बताते चलें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दक्षिणी राज्य के चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर मंगलवार शाम तिरुवनंतपुरम पहुंचीं। राष्ट्रपति मुर्मू ने बिना किसी देरी के सड़क मार्ग से अपनी यात्रा जारी रखी। राष्ट्रपति ने बुधवार को सबरीमाला मंदिर में दर्शन किये। वे भगवान अय्यप्पा मंदिर में दर्शन करने वाली पहली महिला राष्ट्रपति हैं। 1970 के दशक में पूर्व राष्ट्रपति वीवी गिरी ने इस मंदिर का दौरा किया था। राष्ट्रपति मुर्मू गुरुवार को राज भवन में पूर्व राष्ट्रपति केआर नारायणन की प्रतिमा का अनावरण करेंगी। इसके बाद वर्कला में शिवगिरी मठ में श्री नारायण गुरु की महा-समाधि शताब्दी समारोह का उद्घाटन करेंगी।

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 23 अक्टूबर, 2025
www.azadsipahi.in

बिहार के चुनावी मैदान में 'ग्लैमर का तड़का'

■ मैथिली ठाकुर से लेकर खेसारी लाल यादव तक आजमा रहे किस्मत

■ सियासी दांव-पेंच के खेल में कौन होगा हिट और कौन फ्लॉप

■ दशकों से झंडा ढोने वाला कार्यकर्ता मायूसी का घूंट पीकर अब इन कलाकारों के पीछे-पीछे चलेंगे

बिहार विधानसभा चुनाव का माहौल दिलचस्प हो गया है। सियासी दांव-पेंच के बीच अब इस मुकाबले में 'ग्लैमर का तड़का' भी लगने लगा है। दूसरे शब्दों में कहा जाये, तो बिहार चुनाव में इस बार कई ऐसे चेहरे भी किस्मत आजमाने उतरे हैं, जिनकी पहचान गैर-राजनीतिक या मुख्य रूप से मनोरंजन के क्षेत्र में रही है। लोक गायिका मैथिली ठाकुर, गायक खेसारी लाल यादव, रितेश पांडेय, अभिनेत्री सीमा सिंह और कई अन्य कलाकार चुनावी मैदान में ताल ठोंक रहे हैं। बिहार की सत्ता पर काबिज होने के लिए प्रयासरत दोनों ही गठबंधनों, एनडीए और महागठबंधन ने इन कलाकारों को मैदान में उतारा है और उनकी लोकप्रियता के सहारे सीट फतह करने की रणनीति बनायी है। राजनीतिक दलों को भरोसा है कि सितारों के मैदान में उतरने से भीड़ भी बढ़ेगी और वोट भी मिलेगा। वैसे देश के सियासी फलक पर यह पहली बार नहीं है कि ग्लैमर को सियासत की पथरीली राह पर उतारा गया है, लेकिन बिहार में यह शायद पहली बार हो रहा है कि इतनी बड़ी तादाद में लोकप्रिय कलाकार चुनाव मैदान में उतरे हैं। अब यह मतदाताओं पर निर्भर है कि वे इसे किस रूप में लेते हैं, क्योंकि उन्हें पहली बार ग्लैमर और राजनीति का संगम देखने को मिल रहा है। इन सितारों के चुनाव मैदान में उतरने के बाद अब प्रचार अभियान में भी ग्लैमर की झलक दिखेगी। माना जा रहा है कि इन कलाकारों के समर्थन में कई नामचीन कलाकार प्रचार करने आयेंगे। क्या है इन कलाकारों को चुनावी मैदान में उतारने का कारण और इसके कारण कैसे बदलेगा बिहार का चुनावी परिदृश्य चलिए समझते हैं।

आजाद सिपाही खास

बिहार विधानसभा का चुनाव इस बार कई मायनों में ऐतिहासिक ही नहीं, दिलचस्प होनेवाला है। इसके पीछे राजनीतिक दलों के बीच जारी दांव-पेंच तो है ही, दिलचस्प यह है कि राजनीतिक रूप से संवेदनशील माने जानेवाले इस राज्य में पहली बार बड़ी संख्या में गैर-राजनीतिक या यूं कहें कि ग्लैमर की दुनिया से जुड़े सितारे मैदान में उतरे हैं। इसे लेकर जनता के बीच भी मिली-जुली प्रतिक्रिया देखी जा रही है।

दोनों गठबंधनों ने उतारा है कलाकारों को

कलाकारों को चुनावी मैदान में उतारने में कोई भी गठबंधन पीछे नहीं है। सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्षी महागठबंधन ने अपने कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर कलाकारों को चुनाव मैदान में उतारा है। राजनीतिक दलों की इस रणनीति का विरोध भी हुआ है और हो रहा है। कई विधानसभा सीटों पर बागी प्रत्याशी उतर गये हैं, तो कई जगहों पर कलाकार प्रत्याशी का खुला विरोध किया जा रहा है।

मैथिली ठाकुर का विरोध

भाजपा ने 25 साल की लोक गायिका मैथिली ठाकुर को दरभंगा जिले के अलीनगर विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया है। मैथिली ने खुद बेनीपट्टी से चुनाव लड़ने की इच्छा जतायी थी। उनका विरोध करने वालों का पहला और सबसे बड़ा तर्क यह है कि मैथिली ठाकुर अब बिहार की जमीन से कट चुकी हैं। उनका परिवार लंबे समय से दिल्ली में रहता है। वहीं से उन्होंने अपनी शिक्षा और करियर दोनों बनाये हैं। उनका मधुबनी या दरभंगा से सीधा जुड़ाव अब सिर्फ सरकारी या सांस्कृतिक आयोजनों तक सीमित रह गया है। कई लोगों का तर्क है कि लोकप्रियता को संस्कृति के लिए योगदान से ऊपर नहीं रखा जा सकता है। उनकी पहचान मैथिली गायिका के रूप में जरूर है, पर उन्होंने स्थानीय स्तर पर कलाकारों के लिए कोई संस्थागत काम नहीं किया है। लोगों का कहना है कि अगर बात मैथिली संस्कृति को सम्मान देने की है, तो ऐसे कलाकारों को मौका देना चाहिए, जिन्होंने अपनी पूरी जिंदगी मैथिली के लिए समर्पित की है। इस क्षेत्र में ऐसे कई कलाकार हैं जिन्होंने अपना जीवन मैथिली संस्कृति को बचाने में लगा दिया। पूनम मिश्रा, माधव राय, विजय विकास, रचना झा जैसे लोग गांव-गांव घूमकर कार्यक्रम करते हैं। इन कलाकारों की पहचान भले ही राष्ट्रीय स्तर पर न हो, लेकिन वे आज भी अपने लोगों के बीच रहते हैं, उन्हीं के दुख-दर्द में शामिल होते हैं। मैथिली ठाकुर के नाम के साथ जो विरोध जुड़ा है, उसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि लोग इसे लोकप्रियता की राजनीति मान रहे हैं। कई लोगों को लगता है कि राजनीतिक दल उनके नाम को सिर्फ वोट बटोरने के लिए इस्तेमाल करना चाहता है।

चुनाव जीतने के लिए फैन बेस से ज्यादा जमीनी कार्यकर्ताओं की जरूरत

मैथिली ठाकुर कोई अकेला नाम नहीं है। भोजपुरी स्टार रितेश पांडेय को करगहर से भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा भोजपुरी सिनेमा के चमकते सितारे पवन सिंह, अक्षरा सिंह, सीमा सिंह, रचना झा और खेसारी लाल यादव भी इस सियासी जंग में उतर गये हैं। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि इन कलाकारों ने अपने क्षेत्र की भाषा और कला को पहचान दिलायी है। भोजपुरी सिनेमा में पवन सिंह, खेसारी लाल यादव जैसे कलाकारों का योगदान भी कम नहीं रहा। उनकी लोकप्रियता अपार है। उनका फैन बेस जबरदस्त है। पर चुनाव जीतने के लिए फैन बेस से ज्यादा जमीनी कार्यकर्ताओं की जरूरत होती है। पवन सिंह पहले भाजपा से आसनसोल से उम्मीदवार बने, लेकिन वहां से उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा। इसके बाद वह बिहार के काराकाट से चुनाव लड़े, लेकिन खूब लोकप्रिय होने के बाद भी चुनाव नहीं जीत सके, बल्कि उन्होंने भाजपा के उम्मीदवार को हराने का काम ही किया।

अच्छा नहीं है सितारों का सियासी ट्रैक रिकॉर्ड

याद कीजिए, जब मनोज तिवारी ने राजनीति में कदम रखा था। ससुरा बड़ा पइसावाला' के हिट होने के बाद वह भोजपुरी सिनेमा के बड़े सुपरस्टार बन गये थे। उनके कैसेट ब्लैक में बिकने लगे थे। इस बीच जब 2009 में मनोज तिवारी सपा के टिकट पर गोरखपुर से चुनाव लड़े, तो उनकी हार हुई। भोजपुरी सिनेमा के ही एक और बड़े सुपर स्टार हैं रवि किशन। उनकी गिनती उन अभिनेताओं में होती है, जिन्होंने भोजपुरी सिनेमा को फिर से खड़ा करने में अहम भूमिका निभायी है। अपनी लोकप्रियता के वाबजूद जव वह चुनावी मैदान में उतरे, तो हालत खस्ता हो गयी। 2014 में उन्होंने जौनपुर से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें केवल 4.25% वोट ही मिल सके। रवि किशन फिलहाल गोरखपुर से भाजपा के सांसद हैं। ऐसे सितारों की सूची लंबी है, जो राजनीति में आये, लेकिन फ्लॉप हो गये। कुछ ऐसे भी हैं, जो आये, चुनाव जीते और फिर क्षेत्र से गायब हो गये। हर दल में ऐसे सितारे दिख जायेंगे। अमिताभ बच्चन से लेकर जयाप्रदा और धर्मेंद्र से लेकर सनी देओल तक राजनीति में कदम रखने वाले सितारों की लंबी फेहरिस्त है।

सितारों के सियासत में आने पर सवाल

राजनीति हमेशा से जनसेवा का मंच कही जाती रही है और मंच के सितारों का राजनीति में आना कोई नयी घटना भी नहीं है। इसके साथ-साथ एक सवाल जो उठता है, वो ये कि क्या ऐसे समय में जो कार्यकर्ता वर्षों से पार्टी का झंडा ढो रहा है, दरी-चादर बिछा रहा है, जो हर चुनाव में पोस्टर चिपकाता, भीड़ जुटाता और गलियों में नारे लगाता है, क्या उसका कोई हक नहीं बचा है? राजनीति में विचार और वैचारिक प्रतिबद्धता हमेशा से एक ताकत रही है। जब कलाकारों और सेलेब्रिटीज को सिर्फ उनकी लोकप्रियता के दम पर टिकट दिये जाते हैं, तो वो विचारधारा के प्रति समर्पित नहीं होते हैं। कई बार वे खुद नहीं जानते कि जिस दल से लड़ रहे हैं, उसकी विचारधारा क्या है, उसकी नीतियां क्या हैं या उस क्षेत्र की वास्तविक समस्याएं क्या हैं।

अब दशकों से झंडा ढोने वाला कार्यकर्ता क्या करे

अब जब ये सितारे चुनाव में उतरते हैं, तो इन चेहरों के आने का सीधा असर पड़ता है जमीनी कार्यकर्ता पर, खासतौर पर यूपी या बिहार जैसे राज्यों में, जिन्हें राजनीतिक तौर पर ज्यादा सक्रिय माना जाता है। ऐसी जगहों पर जब कार्यकर्ता अपने खून-पसीने से पार्टी की पहचान बनाते हैं, वहां जब कोई स्टार अचानक टिकट लेकर आ जाता है, तो कार्यकर्ता का मन टूट जाता है। उसे लगता है कि उसका संघर्ष, उसकी मेहनत सब बेकार गयी। वह जो बरसों तक अपने इलाके में पार्टी का चेहरा रहा, जनता के सुख-दुख में साथ रहा, अब उसे कोई पूछने वाला नहीं। राजनीति की ताकत हमेशा कार्यकर्ता से आती है, सितारों से नहीं। पार्टी का ढांचा उसी नींव पर टिका होता है, जो गांव-गांव जाकर जनसंपर्क करते हैं, पोस्टर लगाते हैं, बूथ संभालते हैं। अगर उस नींव को ही कमजोर कर दिया गया, तो उसके ऊपर बना महल भर-भराकर गिर ही जायेगा।

वास्तविकता समझनी होगी

राजनेताओं और राजनीतिक दलों को यह सच्चाई भी समझनी चाहिए कि भले ही ऐसे उम्मीदवारों की संख्या एक-दो हो, लेकिन यही लोकप्रियता इनके लिए इस मामले में मुसीबत बन जाती है। यह चर्चा लोगों तक पहुंचने लगती है कि पार्टी में हवा-हवाई उम्मीदवारों को टिकट दिया जा रहा है। ऐसे में राजनीतिक दलों को कार्यकर्ताओं की अपेक्षाओं को समझ, जमीनी लोगों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। राजनीति का उद्देश्य हमेशा सेवा और जनहित रहा है, न कि लोकप्रियता और चमक। लेकिन जब कलाकारों और गायकों को सिर्फ इसलिए उतारा जाता है, क्योंकि उनके लाखों फॉलोअर हैं या वे वोटों को आकर्षित कर सकते हैं, तो राजनीति विचार और मूल्यों से खाली हो जाती है।

अब धीरे-धीरे जनता को यह महसूस होने लगा है कि राजनीति अब जनता की आवाज नहीं, बल्कि चुनावी ब्रांडिंग की मशीन बन चुकी है। जो लोग राजनीति के लिए पूरी तरह समर्पित होकर इस क्षेत्र में काम करना भी चाहते होंगे, उन्हें भी लगने लगेगा कि स्टार बन जाया जाये, तो राजनेता बनने का रास्ता साफ हो जायेगा।

इन्हीं कारणों के चलते राजनीति से वही शुचिता कम हो रही है और लोगों के प्रति जवाबदेही में भी कमी आ रही है। राजनीति की शुचिता को बचाने के लिए जरूरी है कि पूर्णकालिक लोग राजनीति में आयें, जो इसे साइड बिजनेस ना मानकर पूर्णकालिक काम मानें।

घाटशिला उपचुनाव : जो जितना 'पसीना' बहायेगा, उतना असरदार होगा

त्योहारों में भी एक्टिव है झामुमो

घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तारीख मंगलवार को ही समाप्त हो चुकी है। दिवाली, सोहराय, गोटपूजा और गोवर्धन पूजा के कारण चुनाव प्रचार अभियान अभी कमजोर दिखायी दे रहा है। वहीं इन त्योहारों के बीच झामुमो के कई मंत्री, विधायक और चुनावी रणनीति से जुड़े दर्जनों नेता, विधानसभा क्षेत्र के चारों प्रखंड के गांवों में काफी सक्रिय पाये गये। झामुमो के नेता त्योहारों में भी गांव-गांव जाकर मतदाताओं के साथ मिले-जुले, बैठक किये और पार्टी प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन की जीत सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय नजर आये।

भाजपा भी तैयार

वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, भानु प्रताप शाही और अन्य नेता, 23 अक्टूबर गुरुवार से पुन : घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय दिखने लगेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा के घोड़ाबांधा स्थित आवास पर बुधवार को काली पूजा का प्रसाद ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। यहां सांसद आदित्य साहू और पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही रांची से पहुंचे। भाजपा नेताओं की धमक गुरुवार से घाटशिला में दिखेगी। भाजपा ने अपने कुछ सक्रिय कार्यकर्ताओं को बूथ वार वोटर लिस्ट का अध्ययन करके कास्ट वाइज लिस्ट तैयार करने का काम सौंप रखा है। झामुमो और भाजपा के नेता अपने वोट बैंक को सुरक्षित रखते हुए, वैसे वोटरों के बीच भी जाना शुरू कर चुके हैं, जिनका समर्थन उन्हें पिछले चुनावों में नहीं मिला था। कुल, मिलाकर, दोनों प्रमुख पार्टियां अपना प्रचार-प्रसार जितना प्रत्यक्ष तरीके से कर रही हैं, उतनी ही

आजाद सिपाही खास

राजनीति-कूटनीति और मतदाताओं को लुभाने का प्रयास अंदरखाने ढंग से भी कर रही हैं। कौन किस पर कितना भारी पड़ेगा, यह तो वोटों की गिनती के बाद ही पता चलेगा, लेकिन अपनी चाल चलने में कोई किसी से कम नहीं दिख रहा। मजबूत और कमजोर फिलहाल किसी को आंकना इसलिए भी मुश्किल है, क्योंकि झारखंड में चुनाव मात्र घाटशिला सीट के लिए होना है और दोनों प्रमुख पार्टियां अपने दर्जनों बड़े नेताओं को यहां स्थायी तौर पर ड्यूटी पर लगा चुकी हैं। कई होटल चुनाव तक के लिए स्थाई तौर पर बुक कर लिये गये हैं।

विधायक का बेटा ही विधायक बनेगा? रामदास मुर्मू जैसा पढ़ा-लिखा, सामान्य परिवार का युवा क्यों नहीं: जेएलकेएम

नामांकन के आखिरी दिन झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) ने अपना उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारकर झामुमो और भाजपा दोनों के माथे पर बल ला दिया है। अब दोनों ही दलों के कर्ताधर्ता, इस गुणा भाग में लग चुके हैं कि जेएलकेएम प्रत्याशी को किस इलाके से कितने वोट मिल सकते हैं और वह झामुमो-भाजपा के वोटों में से अपने हिस्से में कितने वित्त झटक सकता है? वैसे बातचीत के क्रम में भाजपा और झामुमो नेता बस इतना कहकर पल्ला झाड़ ले रहे हैं कि पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में काफी कम वोट मिलेंगे जेएलकेएम प्रत्याशी रामदास मुर्मू को लेकिन आखिरी दिन पर्चा भरवाने के बाद चुनावी सभा को दाहीगोड़ा सर्कस मैदान में संबोधित करते हुए पार्टी नेता विधायक जयराम महतो ने स्पष्ट कहा कि घाटशिला के प्रत्येक गांव-टोला तक उनके कार्यकर्ता जायेंगे और अपनी बात पहुंचाकर मतदाताओं का समर्थन मांगेंगे। जयराम को अपने दल के युवा कार्यकाताओं पर पूरा भरोसा है। उनके दल के उम्मीदवार रामदास मुर्मू ने नामांकन के बाद कहा कि विकास तो उनका प्रमुख चुनावी मुद्दा है ही, लेकिन वे वोटरों को यह भी बतायेंगे कि घाटशिला का विधायक हर दफा आखिर बाहर से ही क्यों होना चाहिए। वर्ष 1995 से 2009 तक कांग्रेस के प्रदीप बलमुचू थे, जो जमशेदपुर के निवासी हैं। उनके बाद झामुमो के रामदास सोरेन 2009, 2019 और 2024 में जीते जो जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के घोड़ाबांधा के निवासी रहे। 2014 में लक्ष्मण टुडू भाजपा के विधायक बने जो सरायकेला- खरसावां के रहने वाले हैं। जेएलकेएम प्रत्याशी और पार्टी सुप्रीमो ने युवाओं को एकजुट करना शुरू कर दिया है कह रहे हैं कि आखिर विधायक का बेटा को ही विधायक बनाना क्यों चाहती हैं ज्यादातर राजनीतिक पार्टियां। रामदास मुर्मू जैसा पढ़ा-लिखा सामान्य परिवार का युवा क्यों नहीं विधायक बन सकता? कुल मिलाकर, झामुमो और भाजपा भले ही जेएलकेएम को कमतर आंक रही हो, किंतु टाइगर जयराम महतो ने मंगलवार को अपने पहले चुनावी गरजदार भाषण से माहौल तो बना ही दिया है। बता दें कि पिछले विधानसभा चुनाव में पहली बार मैदान में उतरी इस पार्टी को आठ हजार से अधिक मत हासिल हुए थे।

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	30.7 °C	19.6 °C
सूर्यास्त (आज)	:	17.18 बजे
सूर्योदय (कल)	:	05.49 बजे

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 23 अक्टूबर, 2025
www.azadsipahi.in
03

कुख्यात प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा गिरोह ने हाथ मिलाया, पाकिस्तान से भी लिंक का खुलासा

सरगना सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया सिन्हा सहित पांच अपराधी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कुख्यात प्रिंस खान और गैंगस्टर सुजीत सिन्हा के गैंग एक साथ मिलकर झारखंड में अपराध की दुनिया में काम कर रहे हैं। रांची पुलिस ने मंगलवार को यह सनसनीखेज खुलासा किया गया है। मामले में कार्रवाई करते हुए रांची पुलिस के द्वारा सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया सिन्हा सहित पांच कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। बताया गया कि जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा और विदेश से अपने गैंग को हैंडल कर रहे प्रिंस खान ने एक दूसरे से हाथ मिला लिया है। जेल के बाहर सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया सिन्हा इस खतरनाक गठजोड़ वाले गैंग को संभाल रही थी। राजधानी रांची में हाल के दिनों में जो भी रंगदारी के कॉल प्रिंस खान के नाम पर किये गये थे वह इस गठजोड़ का ही परिणाम था। यहां तक कि कोयलांचल शांति सेना को भी रिया सिन्हा के द्वारा संचालित किया जा रहा था।

रांची के सीनियर एसपी राकेश रंजन और उनकी टीम के द्वारा यह खुलासा किया गया है। मामले में कार्रवाई करते हुए रांची पुलिस के द्वारा सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया सिन्हा को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं चार अन्य अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों में इनामुल हक उर्फ बबलू खान, रवि आनंद उर्फ सिंघा, मो शाहिद उर्फ अफरीदी खान, मो सेराज उर्फ मदन और सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया सिन्हा शामिल हैं। इनके पास से तीन पिस्टल, सात मैगजीन, 13 जिंदा गोली, एक टाटा सफारी कार, एक आईफोन और पांच एंड्रॉएड मोबाईल फोन बरामद किये गये हैं।

पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से पंजाब आता है हथियार

रांची के सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि सख्ती से पूछताछ करने पर गिरफ्तार व्यक्तियों के द्वारा बताया गया कि सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान गैंग के पास हथियार और गोली पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से मोगा (पंजाब) के रास्ते आता है। इसी हथियार से रांची सहित देश के विभिन्न स्थानों पर बड़े-बड़े कारोबारियों, पूंजीपतियों एवं व्यवसायियों में दहशत फैलाकर रंगदारी की वसूली करते हैं। रांची में इनामुल हक उर्फ बबलू खान अपने गुर्गों के साथ मिलकर सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान के लिए लेवी वसूली का काम करते हैं। इन लोगों के द्वारा वसूली गयी राशि को सुजीत सिन्हा के गुर्गों की मदद से प्रिंस खान तक पहुंचाया जाता था। जिसे प्रिंस खान द्वारा यूएइ के रास्ते पाकिस्तान भेज दिया जाता था। जिसका उपयोग अवैध हथियार की खरीदारी और अन्य अवैध कार्यों में पाकिस्तान में मौजूद उनके गुर्गों के द्वारा किया जाता है। इस संबंध में सदर थाना (बीआइटी मेसरा ओपी) कांड संख्या 512/2025, दिनांक-22.10.2025, धारा 111(3)/111 (4)/61 (2) भारतीय न्याय संहिता, 25(1-ए)/25(1-बी)ए/ 25(6)/ 25(7)/26/35 आर्म्स एक्ट और 17/ 18/18(बी)/20/21 यूए (पी) एक्ट दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि डोरंडा थाना अंतर्गत सत्यभामा अपार्टमेंट के बाहर हुई हवाई फायरिंग के लिए हथियार इन लोगों के द्वारा ही दिया गया था।

छात्रवृत्ति नहीं मिल रही, छात्रों का भविष्य हो रहा बर्बाद : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रतिपक्ष के नेता सह प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि झारखंड में विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लिए सरकार से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन सरकार बेपरवाह है। उन्होंने कहा कि यह युवा पीढ़ी के सपनों, आकांक्षाओं एवं भविष्य से खिलवाड़ नहीं, तो क्या है? स्कॉलरशिप के अभाव में कई छात्रों का एडमिशन नहीं हो पा रहा है, तो कुछ को कक्षा में शामिल होने एवं परीक्षा देने से रोका जा रहा है। इस परिस्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है?

बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में आगे लिखा है कि अपनी शिक्षा को जारी रखने के लिए कई छात्र कर्ज लेने के लिए मजबूर हैं। यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। अगर आप छात्रवृत्ति देने में सक्षम नहीं हो, तो फिर फॉर्म भरवा कर उम्मीद क्यों जगायी? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि झारखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पेयजल जैसे बुनियादी मुद्दों पर जनता को आंदोलन करना पड़ता है। कई लोकलुभावन वादे कर के सत्ता में आयी यह सरकार एक भी योजना ढंग से नहीं चला पा रही है।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष काम की गति बढ़ेगी, सुख-संसाधनों की वृद्धि, व्यापारिक विस्तार की योजना।

वृष समसामयिक प्रयास सफल, विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास होगा, महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे।

मिथुन आमदनी के नये स्रोत बनेंगे, मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा, धन-ऐश्वर्य की वृद्धि।

कर्क आत्मविश्वास की वृद्धि, नये कार्ययोजनाओं के प्रति रुचि बढ़ेगी।

सिंह कामकाज का विस्तार, आप उन्नति के मार्ग की ओर प्रशस्त होंगे, संकल्पित कार्य पूरा होगा।

कन्या बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।

तुला कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।

वृश्चिक चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।

धनु आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।

मकर नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।

कुंभ रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।

मीन किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

अर्जुन मुंडा के आवास पर महाप्रसाद का वितरण

कार्यक्रम में भाजपा के कई सांसद, विधायक हुए शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। काली पूजा के पावन अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा के घोड़ाबांधा (जमशेदपुर) स्थित आवास पर बुधवार को महाप्रसाद का वितरण किया गया।

श्री मुंडा द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी काली पूजा के उपलक्ष्य में महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें प्रदेशभर से हजारों श्रद्धालु, कार्यकर्ता एवं गणमान्य अतिथि शामिल हुए।

कार्यक्रम में झारखंड भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, जमशेदपुर सांसद विद्युत वरण महतो, पलामू सांसद बीडी राम, चतरा सांसद कालीचरण सिंह, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, डालटनगंज विधायक आलोक चौरसिया, जमशेदपुर पूर्वी विधायक पूर्णिमा साहू, पूर्व सांसद पीएन सिंह, झारखंड भाजपा के प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, प्रदेश मंत्री नंद जी प्रसाद व गणेश मिश्रा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष यदुनाथ पांडेय एवं दिनेशानंद गोस्वामी, बलरामपुर विधायक (पश्चिम बंगाल) मनेश्वर महतो, जिला अध्यक्ष सुधांशु ओझा, चंडीचरण साव, उदय सिंहदेव, सहित भारतीय जनता पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। साथ ही टाटा स्टील के कॉरपोरेट वीपी डी बी. सुंदररमन, टाटा मोटर्स के प्लांट हेड सुनील कुमार तिवारी, जुस्को एमडी ऋतुराज सिन्हा, मजदूर नेता राकेश्वर पांडेय समेत अनेक गणमान्य नागरिकों ने भी इस आयोजन में भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में व्यवस्था में लगे जितेंद्र राय, गणेश सोलंकी, रतन महतो, काली शर्मा, नीरज शर्मा, संजय गोराई ने अपनी अहम भूमिका निभाई।

इस अवसर पर अर्जुन मुंडा ने सभी उपस्थित जनों को काली पूजा, गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज की हार्दिक शुभकामनाएं दीं, साथ ही आने वाले छठ महापर्व के लिए भी मंगलकामनाएं व्यक्त की।

दिव्यांग नाबालिग आदिवासी लड़की से पड़ोसी ने किया दुष्कर्म

पुलिस ने आरोपी युवक को किया गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

दुमका। जिले में एक 20 वर्षीय युवक ने गांव की ही नाबालिग दिव्यांग लड़की के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह पूरा मामला दुमका जिले का है, जहां 13-14 साल की एक दिव्यांग आदिवासी किशोरी के साथ उसके गांव के ही एक 20 वर्षीय युवक ने दुष्कर्म जैसी शर्मनाक घटना को अंजाम दिया है। पीड़िता के पिता ने मुफस्सिल थाना में जो आवेदन दिया है उनके अनुसार उसकी पुत्री बोल-सुन नहीं सकती है और न ही ठीक ढंग से चल सकती है। उन्होंने आवेदन में लिखा है कि जब वह और उनकी पत्नी अपने-अपने काम से घर से बाहर गये थे और उनकी बेटी घर में अकेली थी। उस वक्त गांव का ही एक युवक बाबूराम मुर्मू उसके घर में घुस गया। इधर, अचानक जब वे घर में प्रवेश किये तो बेटी के चीखने की आवाज सुनी और देखा कि बाबूराम मुर्मू कपड़े पहन कर भाग रहा है। यह देख पिता चिल्लाने लगे तो आसपास के कुछ ग्रामीण जुट गये। उन्होंने बाबूराम को पकड़ लिया और पिटाई भी की। साथ ही पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस : इधर, जैसे ही नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना की जानकारी मुफस्सिल थाना पुलिस को हुई। उन्होंने गांव पहुंच कर आरोपी को कब्जे में लेकर थाने ले आयी। साथ ही पीड़िता को जांच के लिए दुमका स्थित फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा। पीड़िता के पिता के आवेदन के आधार पर बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

क्या कहते हैं थाना प्रभारी : इस पूरे मामले पर दुमका मुफस्सिल थाना के प्रभारी सत्यम कुमार ने बताया कि पीड़िता के पिता के बयान पर एफआइआर दर्ज की गयी है। पीड़िता का मेडिकल टेस्ट कराया गया है। साथ ही आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। मामले का अनुसंधान जारी है।

सोमेश चंद्र सोरेन के समर्थन में संजीव सरदार ने चलाया जनसंपर्क अभियान

अबुआ सरकार ने जनकल्याण को प्राथमिकता दी : संजीव सरदार

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। घाटशिला विधानसभा उप-चुनाव को लेकर बुधवार को पोटका विधायक संजीव सरदार पूरे दिन क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान में जुटे रहे। उन्होंने पूर्व शिक्षा मंत्री स्व. रामदास सोरेन के पुत्र, झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के समर्थन में लोगों से मुलाकात की और पार्टी की नीतियों एवं सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाया।

विधायक संजीव सरदार ने इस दौरान उत्तरी इचरा, बड़शोल, महुलडूबा, गंगाडीह सहित कई गांवों का भ्रमण किया। उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि झामुमो सरकार के नेतृत्व में राज्य में हर वर्ग के उत्थान के लिए ठोस कार्य हुए हैं।

विधायक संजीव सरदार ने ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, फसल राहत योजना, ग्राम सड़क योजना, और आदिवासी छात्रवृत्ति योजना जैसी योजनाओं ने ग्रामीण और आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य में विकास की नयी राह तैयार हुई है और अबुआ सरकार ने लोगों के विश्वास को मजबूत किया है।

जनसंपर्क अभियान के दौरान क्षेत्रवासियों ने विधायक संजीव सरदार के विकास कार्यों की सराहना की । ग्रामीणों ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य में गरीब, किसान, मजदूर और युवाओं के लिए जो कार्य हुए हैं, वे जनविश्वास के प्रतीक हैं। इस मौके पर पूर्व जिला परिषद बाघराय मार्डी, मुखिया मंजीत सिंह, रूपक मंडल, सुभाष सिंह, तुलसी भकत, समेत ग्राम विकास समिति, इचरा के सभी सदस्य और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

फर्जी दस्तावेजों से बनाया वोटर कार्ड तो होगी जेल : के रवि कुमार

फर्जी कागजात के आधार पर वोटर आइडी बनवाने वालों के खिलाफ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने सभी जिलों को निर्देश जारी किये

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। यदि आप फर्जी डॉक्यूमेंट के आधार पर वोटर आइडी बनाते हैं तो आप जेल भी जा सकते हैं। कुछ दिनों से झारखंड के विभिन्न जिलों में मिल रही शिकायत के बाद चुनाव आयोग ने इसे गंभीर बताते हुए सभी जिलों को कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार के अनुसार, डॉक्यूमेंट में दाखिल उम्र में छेड़छाड़ की शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसके सत्यापन के वक्त यह गड़बड़ी पायी गयी है। साहिबगंज में फर्जी आधार कार्ड बनाने का रैकेट पिछले दिनों पाया गया, जिसके बाद वहां कार्रवाई की गयी है। उन्होंने कहा कि डॉक्यूमेंट में

छेड़छाड़ करने के पीछे विभिन्न सरकारी योजना का लाभ लेना माना जा रहा है। जाहिर तौर पर ऐसे केस में उनके विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी, जिसके लिए पिछले दिनों निर्देश दिये गये हैं।

साहिबगंज, लोहरदगा सहित कई जिलों से आ चुकी हैं शिकायत : साहिबगंज, लोहरदगा सहित राज्य के कई जिलों से शिकायत मिलने के बाद आयोग ने जिला स्तर पर टीम बनाकर गहन जांच के निर्देश दिये हैं। इन जिलों में मतदाता बनने के लिए किये गये विधिवत आवेदन में संलग्न आधार कार्ड में जन्म तारीख में छेड़छाड़ का मामला पाया गया। आयोग के द्वारा उस आधार नंबर को वेरिफाई किया गया तो वह फर्जी पाया गया। यह भी देखा गया है कि मंईयां योजना सहित अन्य सरकारी योजना का लाभ लेने के लिए कुछ लाभार्थियों ने उम्र को फर्जी रूप से आधार पेपर में इंट्री कराकर इसका लाभ लेने की कोशिश की। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय तक जब इसकी शिकायत पहुंची तो आयोग ने इसे गंभीरता से लेते हुए सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त को पत्र भेजा है।

गौरतलब है कि साहिबगंज में मिली शिकायत के बाद फर्जी दस्तावेजों के आधार पर फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह पर शिकंजा कसने की प्रशासनिक कवायद तेज हो गयी है। डीसी मनीष कुमार के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी साइमन मरांडी ने जिले के सभी 6 प्रखंडों में फर्जी आधार बनाने वाले गिरोह पर शिकंजा कसने और उन्हें कानून के दायरे में लाने के लिए आठ टीमों का गठन किया है। गठित टीमों में संबंधित थानों के थानेदार के अलावा सीओ, बीडीओ और यूआइडी के डीपीओ को भी शामिल किया गया है।

स्कॉर्पियो पर बैठकर प्रचार करना जयराम महतो को पड़ा महंगा, डीसी ने थमाया नोटिस

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। विधानसभा उपचुनाव में प्रचार के दौरान जयराम महतो का एक वीडियो तेजी से वायरल हो गया, जिसमें वे स्कार्पियो के ऊपर बैठकर रोड शो करते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह घटना चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी है। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला उपायुक्त (डीसी) ने जयराम महतो को नोटिस जारी किया है और उनसे स्पष्टीकरण मांगा है। प्रशासन का कहना है कि प्रचार के दौरान सुरक्षा मानकों और नियमों का पालन अनिवार्य है। अगर नियमों का उल्लंघन पाया गया तो आगे की कार्रवाई की जायेगी।

असली-नकली शराब की खपत बढ़ी, मुर्गों की आयी शामत

घाटशिला उपचुनाव

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। यूं तो झारखंड में नकली शराब बनाने और बिक्री का खेल काफी पहले से अनवरत जारी है लेकिन घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव को देखते हुए इस अवैध कारोबार में लगा कॉकस कुछ ज्यादा ही सक्रिय हो चला है। कुछ सरकारी लाइसेंसी काउंटर के अलावे अलग से भी इसकी सप्लाई में तेजी आयी है क्योंकि यहां चुनावी सीजन चल रहा है और शराब की खपत में

इजाफा हुआ है। कालिकापुर (पोटका) के सरकारी शराब काउंटर पर तीन-चार दिनों पहले अवैध शराब की खेप उतारे जाने पर स्थानीय कुछ लोगों ने विरोध भी दर्ज कराया था। आरोप था कि शराब की बोतल जिन पेटियों में लायी गयी थी वे सब सील नहीं थीं। बहरहाल, एक्साइज डिपार्टमेंट की ज्यादा सक्रियता देसी दारु भट्ठी पर है और शहर से लेकर देहाती क्षेत्र में कुछ लोग इस अवैध कारोबार में वर्षों से लगे हुए हैं। पहले भी चुनावों में शराब की खपत में बढ़ोतरी देखने को मिलती रही है लेकिन चूंकि इकलौता घाटशिला में उपचुनाव होना है और दलीय-निर्दलीय नेताओं ने एक-डेढ़ महीने पहले से ही खूब जोर लगाया हुआ है इसलिए वोट के लिए शराब की खपत में इजाफा होना भी लाजिमी है। इसी तरह से उपचुनाव को देखते हुए मुर्गों की भी शामत आ गयी है। चिकन की बिक्री तो हमेशा होती है लेकिन चुनाव के कारण मुर्गों के कटने की रफ्तार बढ़ गयी है। रोजाना कई-कई गांवों में चिकन और शराब पार्टी स्पोंसर किये जाने की खबरें मिल रही हैं। वोट पर्व है और येन-केन-प्रकारेण अपने पाले में वोट पड़ने चाहिए। इस जुगाड़ में नेता-कार्यकर्ता दिमाग खपाने में भिड़े हुए हैं।

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 23 अक्टूबर, 2025
www.azadsipahi.in
04

कांग्रेस ने वोट चोर, गद्दी छोड़ हस्ताक्षर कार्यक्रम का किया आयोजन

सतगावां(आजाद सिपाही)। कांग्रेस ने प्रखंड स्थित नासरगंज पार्टी कार्यालय में बुधवार को वोट चोर, गद्दी छोड़ कार्यक्रम के तहत हस्ताक्षर कार्यक्रम का आयोजन किया। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह और संचालन सचिव लालदेव यादव ने किया। कार्यक्रम में नये जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक को प्रखंड के कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक ने कहा कि पार्टी ने जो दायित्व हमें दिया है, मैं जाति, धर्म से उपर उठकर उसका निर्वहन करुंगा। प्रदेश सचिव मनोज सहाय पिंकू ने कहा कि बेरोजगारी दर में लगातार वृद्धि हो रही है। कार्यक्रम में हस्ताक्षर कराया जा रहा है। आम जनता का वोट चोरी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों का किया गया हस्ताक्षर रांची से दिल्ली तक जायेगी, जिसे सुप्रीम कोर्ट और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के पास भेजा जाएगा। मौके पर प्रखंड प्रभारी सोनू वारसी, नगर अध्यक्ष संजय सेठ,लालदेव यादव, गणेश दत्त , महेश चंद्रवंशी, सलाउद्दीन, फिरोज खान, सुनील राम, सहोदर राम, मो शाकिर खान, जितेंद्र कुमार, सच्चिदानंद सिंह, अर्जुन सिंह, सुनैना देवी, रामदेव यादव, जितेंद्र कुमार आदिऐजुद थे।

हजारीबाग गोशाला में भव्य गोपाष्टमी मेला का आयोजन 30 को

जुलजुल पहाड़ी के तलहटी में बसे गौशाला में 500 से अधिक गोवंश हैं सुरक्षित

गोरक्षा आंदोलन की लहर के बाद स्थापित की गयी थी हजारीबाग गौशाला

दीपक सिंह

हजारीबाग। प्राकृतिक वादियों के बीच जुलजुल पहाड़ की तलहटी में बसा है हजारीबाग गौशाला। यहां अभी 500 से अधिक मवेशी है जो तस्करों से बचाकर लायी गयी है। तिरस्कार कर घर से निकाल दी गयी और सड़क पर मरने और भटकने के लिए छोड़ दिया गया। जुलजुल पहाड़ी के तलहटी में बसा यह गौशाला शिमला का अहसास बरसात और ठंड के मौसम में यहां आने वाले लोगों को कराता है। 1857 के स्वतंत्रता आंदोलन के बाद ब्रिटिश काल में पशु चर्बी वाले कारतूसों के विरोध और गोरक्षा आंदोलन की लहर के बाद देश में गौरक्षा आंदोलन की शुरुआत हुई थी। आंदोलन का हीं परिणाम था कि 1885 में रायबहादुर बद्रीदास मुकीम, सूरजमल झुनझुनवाला, जुगलकिशोर रुइया और रामचंद्र गोयनका जैसे समाजसेवियों ने मिलकर कोलकता पिंजरापोल सोसाइटी की स्थापना की। सोसाईटी का उद्देश्य गायों की रक्षा करना था, जिन्हें वे केवल पशु नहीं बल्कि मां मानते थे। जानकार बताते है कि ब्रिटिश काल में पशु चर्बी वाले कारतूसों के विरोध और गोरक्षा आंदोलन की लहर ने पूरे पूर्वी भारत में धार्मिक चेतना जगायी थी और फिर इसी श्रृंखला में 1905 में हजारीबाग गोशाला की स्थापना की गयी। यह गोशाला आज 82 एकड़ में फैली हुई है और लगभग 800 गायों के पालन-पोषण की क्षमता रखती है। यहां 500 से अधिक गोवंश वर्तमान में सुरक्षित जीवन बिता रहे हैं। गौशाला की कुल 82 एकड़ भूमि में लगभग 70 एकड़ क्षेत्र प्राकृतिक गतिविधियों हेतु उपयोग में है।

यहां दो हजार से अधिक आम के पेड़ हैं। आम्रपाली, मालदा, दुधिया जैसी प्रजातियों के। 16 एकड़ में नेपियर घास उगायी जाती है और लगभग 30 एकड़ में प्राकृतिक सब्जी खेती होती है। साथ ही, यहां वर्मी कंपोस्ट (केचुआ खाद) का भी उत्पादन किया जाता है, जिससे जैविक खेती को बढ़ावा मिल रहा है। न्यूनतम मूल्य पर देशी दूध की आपूर्ति हजारीबाग गोशाला अपने सदस्यों को देशी नस्ल की गायें न्यूनतम मूल्य पर उपलब्ध कराती है। यहां अनेक गायें ऐसी हैं जिन्हें कसाईखानों से बचाकर लाया गया है। वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 220 लीटर देशी दूध का उत्पादन होता है, जो न्यूनतम शुल्क पर सदस्यों के बीच वितरित किया जाता है। गौशाला अपने खेतों में हरा चारा स्वयं उगाती है, जिससे प्रति माह लगभग 12 लाख रुपये के खर्च के बावजूद संस्था आत्मनिर्भर बनी हुई है। इतना हीं नहीं गौशाला जैविक खाद का भी उत्पाद करती है। सचिव श्रद्धानंद सिंह के अनुसार, प्रतिदिन लगभग 40 क्विंटल हरा चारा और हर माह दो टन मक्का व सत्तू चोकर गायों को खिलाया जाता है। गौशाला का वार्षिक बजट करीब 1.5 करोड़ रुपये है।

मवेशियों का छात्रावास भी संचालित

यहां मवेशी छात्रावास की अनूठी सुविधा उपलब्ध है। कोई भी व्यक्ति अपने गोवंश को अस्थायी रूप से गौशाला में छोड़ सकता है। निर्धारित शुल्क पर उन्हें भोजन और देखभाल की व्यवस्था दी जाती है। शहर में रहने वाले वे गोपालक, जिन्हें यात्रा या काम से बाहर जाना होता है, इस सुविधा का लाभ उठाते हैं।

120 वर्षों से निरंतर गोपाष्टमी मेला का आयोजन

1905 में स्थापना के बाद से हजारीबाग गोशाला 120 वर्षों से लगातार गोपाष्टमी मेला का आयोजन करती आ रही है। इस वर्ष 30 अक्टूबर 2025 को भव्य मेला आयोजित होगा।आयोजन की शुरूआत श्रीकृष्ण मंदिर में पूजन से होगी। उद्घाटनकर्ता के रूप में सांसद मनीष जायसवाल, उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह, अध्यक्ष एसडीओ बैजनाथ कमाती, उपाध्यक्ष धीरेन सेठी और सचिव श्रद्धानंद सिंह उपस्थित रहेंगे। सांस्कृतिक रंगों से सजेगा मेला परिसर।

गोसेवा से आत्मनिर्भरता की मिसाल

हजारीबाग गोशाला अब केवल सेवा का केंद्र नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन चुकी है। यहां गोबर से दीपक, धूपबत्ती और जैविक उत्पाद बनाये जाने की शुरूआत की एकल विद्यालय के साथ की गयी है।

डाडी घाघर पंचायत के पूर्व मुखिया रामेश्वर सिंह का निधन, शोक

इचाक (आजाद सिपाही)। प्रखंड के डाडी घाघर पंचायत के पूर्व मुखिया रामेश्वर सिंह का निधन बुधवार सुबह हो गया। निधन की सूचना मिलते ही पंचायत भर में इनके चाहने वालों में शोक की लहर दौड़ गयी। उनके अंतिम दर्शन के लिए लोगों का तांता लग गया। स्व सिंह 1978 के चुनाव में मुखिया बने थे। उन्होंने अपने कार्यकाल में पंचायत के अलावा प्रखंड में भी लोकप्रिय थे। मृदु भाषी और मिलनसार कुशल समाजसेवी के रूप में जाने जाते थे। वह 90 वर्ष की उम्र में अपने पैतृक आवास गरड़ीह में अंतिम सांस ली। स्व सिंह के दो पत्नियां बलिया देवी और सुमा देवी, तीन पुत्र महेंद्र सिंह, छोटन सिंह और सुरेन्द्र सिंह जबकि 9 पुत्रियां हैं। इनके निधन से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। वहीं गरड़ीह गांव में मायूसी छा गयी। शव यात्रा में स्थानीय मुखिया नंदकिशोर कुमार, उप मुखिया मालों देवी, माले नेता लोकनाथ महतो, अनुज कुमार, उत्क्रमित मध्य विद्यालय गरड़ीह के शिक्षक दिनेश्वर रविदास, लक्ष्मी नारायण प्रसाद, उमेश रविदास, जयशंकर प्रजापति के अलावा सुखदेव मेहता, बीरेंद्र मेहता, दशरथ मेहता, रंजीत कुमार, मो अब्बास, हुसैनी मियां, मोहन सोरेन, लालजी मांझी समेत दर्जनों लोग शामिल थे।

श्रीमद् भागवत कथा और विष्णु महायज्ञ का भव्य आयोजन 28 से

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल, हजारीबाग जिला इकाई के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा सप्त ज्ञान और विष्णु महायज्ञ का भव्य आयोजन 28 अक्टूबर से 3 नवंबर 2025 तक संकट मोचन मंदिर के समीप मैदान, हजारीबाग में किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ 28 अक्टूबर को कलश यात्रा, मंडप प्रवेश और संध्या में श्रीमद् भागवत कथा प्रवचन के साथ होगा। इसके पश्चात 29 अक्टूबर को प्रातः विधि पूजन, मंडप पूजन और संध्या 5 बजे से संगीतमय कथा प्रवचन का आयोजन किया जायेगा। 30 अक्टूबर से 3 नवंबर तक प्रतिदिन संध्या 5 बजे से संगीतमय कथा प्रवचन होगा। कार्यक्रम का समापन 4 नवंबर को भव्य विशाल भंडारा के साथ किया जायेगा, जिसमें क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे। इस भव्य आयोजन में महंत विद्यानंद दास महाराज के मार्गदर्शन में कथा व्यास के रूप में विश्वविख्यात परम पूज्य श्री भानु कृष्ण शास्त्री जी महाराज (वृंदावन) के श्रीमुख से संगीतमय कथा प्रवचन का दिव्य आनंद भक्तों को प्राप्त होगा। कार्यक्रम की व्यवस्था अध्यक्ष दीपक शंकर, सचिव पंकज सिंह और कोषाध्यक्ष अशोक कुमार साह के नेतृत्व में की जा रही है। इस आयोजन को लेकर हजारीबाग में एक भक्ति और सांस्कृतिक माहौल बनने जा रहा है। सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु यह आयोजन एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है। समाजसेवी विजय कुमार सिंह ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह समाज में एकता, सद्भाव और भक्ति का संदेश देने वाला उत्सव है। इस कथा के माध्यम से हजारीबाग की धरती पर फिर से अध्यात्म की गंगा प्रवाहित होगी, यह हम सबके लिए गौरव की बात है।

मरकच्चो में धूमधाम से मनाया गया गोवर्धन पूजा

मरकच्चो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के यदुवंशी परिवार के द्वारा प्रखंड के नावाडीह 1 पंचायत स्थित नावाडीह रेलवे स्टेशन के समीप गुरहा मैदान में बुधवार को गोवर्धन पूजा बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। मरकच्चो प्रखंड के यदुवंशी परिवार के बैनर तले पूजा का आयोजन किया गया। गौ पालकों ने गायों को नहला कर उसके सींग में घी लगाये। रोली का तिलक भी लगाया व पूजा अर्चना की। प्रखंड क्षेत्र के कई गांवों के घरों में भी गोवर्धन पूजा किया गया। नावाडीह 1 स्थित रेलवे मैदान में भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति स्थापित कर बुधवार को पूजा की गयी। इस अवसर पर जिप अध्यक्ष कोडरमा रामधन यादव, पूर्व प्रमुख मरकच्चो सावित्री देवी, प्रमुख मरकच्चो बिजय कुमार सिंह, संजय यादव, महाबीर यादव, राजकुमार यादव, कैलाश यादव, मुखिया संघ के अध्यक्ष बेदु साव, समाजसेवी उप प्रमुख मरकच्चो प्रतिनिधि जनार्दन यादव, सांसद प्रतिनिधि शम्भु सिंह, मुखिया जामु नीता कुमारी, रवींद्र कुमार उपस्थित हुए। इस मौके पर अध्यक्ष सुभाष यादव, सचिव अर्जुन यादव, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र यादव, हीरालाल यादव, भोला यादव, राजकुमार यादव, कैलाश यादव, पंसस धानेश्वर यादव, सुरेंद्र यादव, मंटू यादव, विजय यादव, रामलाल यादव, बुलाकी यादव, रामचंद्र यादव, बबुनी यादव, बबलु यादव, गोविंद यादव, पवन यादव, अर्जुन यादव, विकास यादव, श्याम बिहारी यादव उर्फ लालु यादव, अमित यादव, मोहन यादव, रणजीत यादव, यमुना यादव, अजीत यादव, अकेला यादव, रोहित यादव, रामचन्द्र यादव, मंजीत यादव, पंकज यादव, तुलसी यादव सहित कई अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

छठ को लेकर जिला प्रशासन ने चलाया सफाई अभियान

डीसी-एसपी खुद उतरे सफाई अभियान में, छठ तालाब की सफाई की

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। छठ पर्व के मद्देनजर जिला प्रशासन हजारीबाग ने व्यापक सफाई अभियान चलाया। डीसी शशि प्रकाश सिंह और एसपी अंजनी अंजन के नेतृत्व में इंद्रपुरी चौक स्थित छठ तालाब परिसर में अधिकारियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, पत्रकारों और आम नागरिकों की उपस्थिति में यह अभियान चलाया। अभियान के दौरान डीसी एसपी ने स्वयं छठ घाट और तालाब परिसर का भ्रमण कर सफाई कार्य में सक्रिय भागीदारी निभायी। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जलाशयों की स्वच्छता केवल पर्व-त्योहारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह एक निरंतर जन आंदोलन के रूप में जारी रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर के बीचों-बीच स्थित झील और तालाब हजारीबाग की धरोहर हैं और इनका संरक्षण और स्वच्छता बनाये रखना हम सभी का कर्तव्य है। डीसी ने जिलेवासियों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के जलाशयों की सफाई और संरक्षण में सक्रिय योगदान दें। मौके पर उपस्थित नागरिकों ने जिला प्रशासन के इस जनहितकारी पहल की सराहना की तथा स्थानीय समस्याओं से डीसी को अवगत कराया। डीसी ने नगर आयुक्त को निर्देश दिया कि तालाबों के आसपास अवैध रूप से लगाये गये दुकानों को हटाया जाये, ताकि गंदगी की समस्या दूर हो सके। उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने तथा घरों से निकलने वाले गंदे पानी के प्रवाह को तालाबों में जाने से रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश भी दिये। इस सफाई अभियान में नगर आयुक्त, जिला योजना पदाधिकारी, सदर एसडीओ, सहायक नगर आयुक्त और नगर निगम कर्मियों के साथ-साथ अनेक स्वयंसेवी संस्थाएं, स्थानीय नागरिक और मीडिया प्रतिनिधि भी शामिल हुए। प्रशासन ने छठ पूजा के अवसर पर सभी छठ घाटों की सफाई, सुरक्षा और स्वच्छता सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस तैयारी की जानकारी दी।

लोकाई में सोनू साव की हत्या मामले में पीड़ित परिवार से मिले कांग्रेस नेता

कोडरमा (आजाद सिपाही)। जिले के लोकाई में हुई सोनू साव हत्या मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। इसी क्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक बुधवार को मृतक सोनू साव के परिजनों से मिलने उनके आवास पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि पार्टी पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाने तक संघर्ष जारी रहेगा। जिला अध्यक्ष ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि सरकार मृतक के परिजनों को 20 लाख रु का मुआवजा दे, ताकि परिवार को आर्थिक सहारा मिल सके। उन्होंने एसपी से मुलाकात कर जिले में जुआ अड्डा और शराब अड्डा को तुरंत बंद कराने की भी बात कही है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। श्री रजक ने भरोसा जताया कि एसपी के नेतृत्व में निष्पक्ष जांच होगी और दोषियों को शीघ्र सजा मिलेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा गरीब, पीड़ित और शोषित वर्ग की आवाज बनकर न्याय की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी लड़ती रहेगी। मौके पर प्रदेश सचिव मनोज सहाय पिंकू, नगर अध्यक्ष झुमरीतिलैया संजय सेठ, सोनू वारसी आदि मौजूद थे।

आपका योगदान कई चेहरों पर मुस्कान ला सकता है : मुख्य अभियंता

जयनगर (आजाद सिपाही)। प्रखंड में डीवीसी केटीपीएस के मुख्य महाप्रबंधक और परियोजना प्रमुख मनोज कुमार ठाकुर ने डीवीसी केटीपीएस की दुर्गा पूजा समिति ने आसपास के क्षेत्रों में वंचित परिवारों की सहायता के लिए आंशिक रूप से प्रयुक्त या नये कपड़े, खिलौने, जूते, बर्तन और अन्य आवश्यक घरेलू वस्तुओं के संग्रह का अभियान शुरू किया। मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रमुख मनोज कुमार ठाकुर ने बताया कि केटीपीएस डीवीसी के सदस्यों ग्रामीणों द्वारा उदारतापूर्वक दान देकर इस नेक पहल का समर्थन करने के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि एकत्रित वस्तुओं को अलग किया जा रहा है और जरूरतमंद और वंचित बच्चों और परिवारों तक सुचारू और त्वरित वितरण के लिए व्यवस्थित रूप से पैक किया जा रहा है। आप भी आइए, हम करुणा और दयालुता के अपने हाथ बढ़ाते रहें। आपका छोटा सा योगदान कई चेहरों पर मुस्कान ला सकता है। हम एक बार फिर सभी से अपील करते हैं कि वे आगे आएं और मिलकर उदारतापूर्वक दान करें, हम दूसरों के जीवन में सार्थक बदलाव ला सकते हैं। इस कार्यक्रम को नवीन कुमार, नीरज कुमार, आनंद राज, नवल किशोर और दुर्गापूजा समिति के सदस्यों का अच्छा समर्थन प्राप्त हुआ।

तिलैया पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा

कोडरमा (**आजाद सिपाही**)। तिलैया पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा है जिनसे चोरी का सामान बरामद किया गया है। कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि तिलैया थाना काण्ड सं 327/25 जो वादनी के द्वारा अपने पुत्र सूरज कुमार के विरुद्ध घर से सोने चाँदी के जेवरात चोरी कर अन्यत्र बेचने का आरोप लगाया गया था। उससे संबंधित आरोपी ईन्दरवा चौक के आस-पास संदिग्ध अवस्था में देखा गया है। उक्त सूचना का सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई हेतु पुनि सह थाना प्रभारी तिलैया के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। उक्त टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के अंदर आरोपी सूरज कुमार और दूसरे आरोपी जो काण्ड में चोरी गये आभूषण की खरीद किये थे, दोनों को गिरफ्तार किया गया और इसके निशानदेही के आधार पर चोरी गये आभूषणों की बरामदी की गयी। तिलैया थाना पुलिस द्वारा अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने शुभम कुमार वर्मा (25 वर्ष, पिता संजय कुमार वर्मा, पता आजाद मुहल्ला, थाना तिलैया) और सूरज कुमार सहनी (उम्र 25 वर्ष, पिता स्व सियाराम सहानी, पता आजाद मुहल्ला, थाना तिलैया) को गिरफ्तार किया। वहीं पुलिस ने उसके पास से चोरी के जितिया, 1 सोने का रंग जैसा 2 पीस जितिया, चांदी का रंग जसा 1पीस सिक्का बरामद किया। अभियान में थाना प्रभारी विनय कुमार, पुअनि सच्चिदानन्द सिंह व सशस्त्र बल तिलैया थाना की भूमिका रही।

आर्केस्ट्रा के कार्यक्रम में रात भर झूमते रहे लोग

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव। दीपावली, काली पूजा और सोहराय पूजा को लेकर काली पूजा समिति द्वारा बड़कागांव में म्यूजिक मस्ती नाइट शो आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष रघुनाथ राम और संचालन संरक्षक चेतलाल राम और संजय सागर ने किया। आर्केस्ट्रा की शुरुआत संगीत के 7 सुरों के साथ दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, पूजा समिति के अध्यक्ष रघुनाथ राम, मनोरंजन मंत्री रवि राम, विनोद राम, सचिव नारेंद्र राम, कोषाध्यक्ष राजू राम के द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश स्तुति कर की गयी। आर्केस्ट्रा में सोनिया कुमारी, अराधना कुमारी, दीपक कुमार आरुषि कुमारी के गीतों और नृत्य पर पूरा महफिल गूंज उठा। पैड वादक अजय कुमार और उनकी टीम द्वारा म्यूजिक प्रस्तुति कर लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। आर्केस्ट्रा देखने के लिए रात भर स्त्री पुरुष और युवक युवतियां की भीड़ जमी रही। आर्केस्ट्रा अहले सुबह 6:00 बजे तक चलता रहा। नृत्यांगना सोनिया के नृत्य पर युवक रात भर थीरकते रहे। आर्केस्ट्रा कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से अध्यक्ष रघुनाथ राम, सचिव नारेंद्र राम, कोषाध्यक्ष राजू कुमार, संरक्षक चेतलाल राम, राजीव रंजन, सिकंदर राम, अशोक कुमार राम सुकेश कुमार, संयोजक रामेश्वर राम, महेश राम, अजीत कुमार रवि, उपाध्यक्ष जयप्रकाश राम, देवनारायण राम, संजय निगम, आशीष आर्य, अविनाश आहूजा उप कोषाध्यक्ष आकाशदीप, उप सचिव संतोष राम, संतोष रविदास, सुनील कुमार, मनोरंजन मंत्री रवि राम, विनोद राम, पूजा प्रभारी रामवृक्ष राम, सूरज कुमार, संगठन मंत्री सुरेंद्र राम, सरयू राम, धीरंजन राम और कार्यकारी सदस्य के रूप में नवज्योति क्लब और अंबेडकर युवा क्लब और गणमान्य लोगों ने मुख्य भूमिका निभायी।

एसबीआइ एटीएम से 50 हजार रुपये उड़ाये

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। लोहसिंघना थाना क्षेत्र के गोला रोड स्थित एसबीआइ एटीएम से 50 हजार रुपये के फ्रॉड होने का मामला प्रकाश में आया है। भुक्तभोगी कानी बाजार निवासी शशिकांत सिन्हा ने इस संबंध में साइबर थाना में लिखित आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है। आवेदन के अनुसार धनतेरस पर्व के समय शशिकांत एटीएम से पैसा निकालने के लिए गये थे। उन्होंने 3000 रुपये निकालने के बाद जब एटीएम बाहर आने का इंतजार कर रहे थे तो पता चला कि उनका कार्ड अंदर मशीन में फंस गया है। एटीएम अंदर फंसा हुआ देखकर वह घबरा गये और वही दीवार पर कस्टमर केयर लिखा हुआ नंबर पर कॉल कर दिए। कॉल करते ही फोन पर बात कर रहा व्यक्ति एटीएम से एक फीट दूर होकर पिन कोड डालने की सलाह दी। पिन कोड डालते समय एटीएम के बाहर खड़ा एक संदिग्ध व्यक्ति पिन नंबर देख रहा था। इसके बाद फोन पर उसे व्यक्ति ने एसबीआई में ब्रांच जाने की सलाह दी जिसके बाद ठगने एटीएम कार्ड मशीन से निकाल लिया। एटीएम कार्ड से ठग ने 10 हजार रुपए कैश निकाला और नेट बैंकिंग के माध्यम से 40 हजार रुपए को दूसरे अकाउंट में ट्रांसफर कर लिया।

छठ घाट का निरीक्षण, दिये गये दिशा-निर्देश

दारू /हजारीबाग (आजाद सिपाही)। छठ त्योहार जैसे-जैसे नजदीक आता जा रहा है पुलिस भी पुरी मुस्तैदी से घाटों का निरीक्षण करने में लगी हुई है। बुधवार को बक्शीडीह स्थित छठ घाट का निरीक्षण विष्णुगढ़ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बैजनाथ प्रसाद और दारू थाना प्रभारी इकबाल हुसैन ने किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने घाट परिसर की तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया और समिति के सदस्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। निरीक्षण के क्रम में छठ घाट समिति के सदस्यों ने बताया कि यहां प्रतिवर्ष छठ महापर्व के अवसर पर भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित की जाती है और पूजा-अर्चना के बाद विसर्जन किया जाता है। इस दौरान एसडीपीओ बैजनाथ प्रसाद ने घाट पर जल की गहराई, सुरक्षा की दृष्टि से गोताखोरों की उपलब्धता, सफाई व्यवस्था और घाट तक पहुंचने वाले मार्गों की स्थिति का भी बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित कर्मियों को सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिये। एसडीपीओ ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल, प्रकाश व्यवस्था और बैरिकेडिंग सुनिश्चित की जायेगी ताकि भीड़ के दौरान कोई असुविधा न हो। थाना प्रभारी इकबाल हुसैन ने अनोखी पहल करते हुए स्थानीय ग्रामीणों और स्वयंसेवकों के साथ मिलकर घाट की सफाई में श्रमदान किया और स्वच्छता बनाये रखने की अपील की, उन्होंने कहा कि छठ महापर्व लोक आस्था का सबसे बड़ा पर्व है, इसे स्वच्छ और शांतिपूर्ण माहौल में मनाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

25 अक्टूबर को नहाय-खाय के साथ शुरू होगा छठ महापर्व

दीपों का पर्व दीपावली संपन्न होते ही वर्ती छठ की तैयारी में जुटे

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ 25 अक्टूबर से नहाय - खाय के साथ शुरू हो रहा है। दूसरे दिन 26 अक्टूबर को महाप्रसाद खरना, तीसरे दिन 27 अक्टूबर को अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को पहला अर्घ्य और चौथे दिन 28 अक्टूबर को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के बाद यह पर्व संपन्न हो जायेगा। दीपों का पर्व दीपावली संपन्न होते ही छठ वर्ती छठ की तैयारी में जुट गये हैं। इसके लिए गेहूं की खरीदारी के बाद उसे साफ और धो कर घर के आंगन, छतों में सूखा रहे हैं। इसके सूखने के बाद मीलों में पीसाकर प्रसाद ठेकुआ के लिए तैयार करेंगे। इसके अलावा बाजार में वर्ती के लिए नयी साड़ी की भी खरीदारी की जा रही है। शहर झुमरीतिलैया के बाजार में खरीदारी को लेकर गहमागहमी जारी है। लोग सूप, दउरा, मिट्टी के दीए, कलश और पूजन सामग्री की भी खरीदारी में तेजी आई है।

क्या कहते हैं नप के सफाई निरीक्षक ? : नगर परिषद के सफाई निरीक्षक राजू राम से पूछे जाने पर बताते हैं कि अधिकांश छठ घाटों की सफाई कर ली गयी है। दिवाली के बाद पूजन सामग्री से तालाबों में गंदगी हो गयी है, जिसे तेजी से सफाई की जा रही है,ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं हो।

अब भी कई छठ तालाबों में पसरी है गंदगी

छठ पर्व नजदीक है, लेकिन अब भी कई छठ तालाबों में गंदगी पसरी हुई है। कहीं - कहीं लोग श्रमदान कर छठ घाटों की साफ - सफाई में जुटे हुए हैं। हालांकि कई तालाबों की नगर परिषद ने सफाई की है। पर दीपावली का पूजन सामग्री तालाबों में डाल देने से फिर से गंदगी भर गया है। महतो अहरा, गुमो घाट में गंदगी देखने को मिली। पर बुधवार को स्थानीय लोग सफाई कार्य में लगे हुए थे।

श्री चित्रगुप्त पूजा आज, तैयारी पूरी

मरकच्चो (आजाद सिपाही)। श्री चित्रगुप्त पूजा समिति लाल नगर मरकच्चो के द्वारा इस वर्ष भी श्री चित्रगुप्त पूजा धूमधाम से गुरुवार को मनाया जायेगा, जिसकी तैयारी कर ली गयी है। उक्त बातों की जानकारी श्री चित्रगुप्त पूजा समिति लालनगर के सदस्यों ने संयुक्त रूप से दी। उनलोगों ने बताया कि लालनगर मरकच्चो स्थित राधा कृष्ण मंदिर के पीछे चित्रगुप्त मंदिर के समीप श्री चित्रगुप्त पूजा 23 नवंबर को मनाया जायगा। उनलोगों ने बताया कि सुबह 11 बजे पूजा अर्चना किया जायगा। ततपश्चात प्रसाद का वितरण किया जायेगा। वहीं 23 नवम्बर को ही 2 बजे से स्वजाति प्रीतिभोज का आयोजन किया जायेगा। वहीं 24 नवम्बर को 10 बजे दिन खिचड़ी का भोग लगाया जायेगा और संध्या 5 बजे मूर्ति का विसर्जन हेतु शोभा यात्रा निकाली जायेगी।

सांप के डसने से युवक की मौत

लावालौंग / चतरा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र अंतर्गत नावाडीह (साजिबार) गांव में जहरीले सांप के काटने से एक 16 वर्षीय युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान रुपेश कुमार, पिता प्रमोद ठाकुर के रूप में की गयी है। जानकारी के अनुसार, रुपेश 11 अक्टूबर को रोज की तरह मवेशी चराने के लिए घर से निकला था। इसी दौरान घर से कुछ ही दूरी पर उसे जहरीले सांप ने डस लिया। परिवारवालों ने तत्काल रुपेश को इलाज के लिए चतरा सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने हजारीबाग रेफरल अस्पताल भेज दिया। हजारीबाग में भी उसकी हालत में सुधार नहीं होने पर उसे रिम्स, रांची रेफर कर दिया गया। एक सप्ताह तक मौत से जूझने के बाद 18 अक्टूबर को रुपेश ने रिम्स में अंतिम सांस ली।इस दुखद घटना से पूरे गांव में शोक की लहर फैल गयी है। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पीड़ित परिवार ने अंचल पदाधिकारी से सरकारी योजना के तहत उचित मुआवजे की मांग की है।

जानलेवा प्रदूषण की चपेट में है रामगढ़, लोग परेशान

बीरू कुमार

रामगढ़(आजाद सिपाही)। एक समय हरियाली की धरती कहा जाने वाला रामगढ़ आज प्रदूषण की गिरफ्त में है। तेजी से बढ़ते औद्योगिक क्षेत्र, कोयला खदानें, सीमेंट फैक्ट्री, और बेतरतीब ट्रैफिक ने जिले की हवा और पानी दोनों को दूषित कर दिया है। अब स्थिति यह है कि रामगढ़ के लोगों को हर सांस के साथ प्रदूषण निगलना पड़ रहा है।

खदानों का धुआं और धूल-शहर की पहचान बन गयी है धुंध : रामगढ़ और इसके आसपास स्थित एनटीपीसी, सीसीएल की खदानें और कई निजी उद्योग लगातार प्रदूषण फैला रहे हैं। इन क्षेत्रों से निकलने वाला कोयले का धुआं और राख वातावरण में फैलकर पूरे इलाके को ढक लेता है। इसके अलावा रोजाना हजारों ट्रक और हाइवा धूल उड़ाते हुए शहर से गुजरते हैं। बरसात के दिनों में यह धूल कीचड़ बन जाती है, और गर्मी में सांसों में उतर जाती है।

नदियां भी नहीं रहीं अछूती, प्रदूषण के जद में झारखंड का लाइफलाइन दामोदर नदी : रामगढ़ से बहने वाली दामोदर नदी और आसपास की छोटी नदियां भी प्रदूषण की मार झेल रही हैं। उद्योगों से निकलने वाला अपशिष्ट बिना उपचार के सीधे नदियों में डाला जा रहा है। जिसके कारण झारखंड का लाइफलाइन कहा जाने वाला दामोदर नदी भी पूरी तरीके से प्रदूषित हो चुकी है। जिसके कारण आसपास के क्षेत्र में निवास करने वाले लोग भी प्रदूषण से काफी परेशान हैं। जिसके करण लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है और कभी भी लोगों का गुस्सा आंदोलन का रूप ले सकता है।

प्रशासन से कार्रवाई की उम्मीद, कई पहल भी धरातल पर दिखायी दे रही है : उम्मीद और हकीकत के बीच फंसी पहल जिला प्रशासन ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से कई कदम उठाए हैं। सड़कों पर जल छिड़काव की व्यवस्था कई इलाकों में की है। साथ ही खदानों और फैक्ट्रियों को धूल नियंत्रण उपकरण लगाने के निर्देश दिया गया है। साथ ही वाहनों की फिटनेस जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अधिकतर निर्देश सिर्फ. फाइलों तक सीमित हैं। निगरानी की कमी और नियमों का पालन न होने से स्थिति जस की तस बनी हुई है।

5 सालों में रामगढ़ का औसत अदक -अत्यंत खराब श्रेणी में पहुंच सकता है : पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि यदि तत्काल कदम नहीं उठाये गये, तो अगले 5 सालों में रामगढ़ का औसत अदक -अत्यंत खराब श्रेणी में पहुंच सकता है। समाधान के तौर पर विशेषज्ञ ये सुझाव दे रहे हैं। जिसमें ग्रीन बेल्ट का विस्तार, खदानों और फैक्ट्रियों में आधुनिक प्रदूषण नियंत्रण उपकरण लगाने, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने, प्लास्टिक पर सख्त प्रतिबंध लगाने, नागरिक सहभागिता से जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।

रामगढ़ का विकास जरूरी है, लेकिन सांसों की कीमत पर नहीं : रामगढ़ का विकास जरूरी है, लेकिन सांसों की कीमत पर नहीं। अब वक्त है कि सरकार, उद्योग और नागरिक-तीनों मिलकर एक हरित और स्वस्थ रामगढ़ के लिए कदम उठायें। क्योंकि अगर हवा ही जहर बन जाये, तो विकास की कोई भी दौड़ बेकार है।

सुबह उठते ही छत पर दिखती है कोयले की राख की परत

रामगढ़ निवासी सह अधिवक्ता द्वारिका प्रसाद कहते है कि सुबह उठते ही घर की छत पर कोयले की राख की परत दिखती है। खिड़की खोलते ही आंखों में जलन होती है। बच्चों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है।

सांस के साथ जहर - स्वास्थ्य पर भारी असर

रामगढ़ जिला अस्पताल के रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक वर्ष में सांस से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। डॉक्टरों के मुताबिक लगातार खराब होती वायु गुणवत्ता अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और एलर्जी जैसी बीमारियों को बढ़ा रही है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पतरातू (आजाद सिपाही)। पतरातू थाना अंतर्गत पतरातू बाजार स्थित एक किराये के मकान में सत्यदेव साव उम्र लगभग 24 वर्ष ने अपने कमरे के पंखे से फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। बताया जाता है सत्यदेव साव उम्र लगभग 24 वर्ष पिता - चंद्रदेव साव, ललपनिया जिला बोकारो का रहने वाला था। वह पीवीयूएनएल अंतर्गत आरबीपीआर कंपनी में बोलेरो चलाता था। घटना की जानकारी मिलने के बाद पतरातू पुलिस मामले की छानबीन करते हुए शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है की आत्महत्या करने से पहले उसने खिड़की और कमरे के दरवाजे अंदर से लॉक कर दिये थे पुलिस जब मौके पर पहुंची, तो दरवाजा तोड़कर बॉडी देखी गयी मृतक के सामने मोबाइल और सिगरेट रखी हुई थी। फिलाल पुलिस को आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सकी है पुलिस हर पहलू पर छानबीन में जुटी हुई है।

मांडू सीओ ने कुजू छठ घाट का किया निरीक्षण

कुजू (आजाद सिपाही)। मांडू सीओ तृप्ति विजया कुजूर ने मंगलवार की देर शाम कुजू चौक बड़ा तालाब स्थित छठ घाट का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह भी शामिल रहे। वहीं, सीओ और ओपी प्रभारी ने तालाब के पास बने छठ घाट का जायजा लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी जानकारी स्थानीय लोगों से ली। साथ ही, तालाब में भारी जलजमाव और गहराई, आवागमन मार्ग पर साफ- सफाई, विद्युत व्यवस्था, गोताखोर की उपलब्धता समेत विभिन्न बिन्दुओं पर स्थानीय लोगों से चर्चा की। वहीं, मौके पर मौजूद भाजपा नेता रतन प्रसाद साहू ने बताया कि सीसीएल प्रबंधन द्वारा हर वर्ष तालाब की साफ - सफाई कराया जाता है। इधर, सीसीएल कुजू जीएम आरके सिन्हा को दूरभाष के माध्यम छठ घाट की साफ - सफाई कराने समेत अन्य सुविधाएं उपलब्ध करने का सहयोग की मांग की। वहीं, छठ पूजा समिति, कुजू के अध्यक्ष शिव प्रसाद साहू को तालाब की गहराई को देखते हुए बैरिकेडिंग लगाने का निर्देश दी। सीओ ने कहा कि गोताखोर की उपलब्धता के लिए जिला प्रशासन को अवगत करायेंगे।

रोटरी रामगढ़ सिटी ने किया रोटरी सहेली सेंटर का शुभारंभ

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। रोटरी रामगढ़ सिटी द्वारा महिलाओं के आत्मनिर्भरता अभियान को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कोयरी टोला, रामगढ़ में दूसरा रोटरी सहेली सेंटर प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर क्लब की ओर से तीन निःशुल्क सिलाई मशीनें सेंटर की संचालिका सोनी दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एजी धीरज सिंह थे। मुख्य अतिथि ने कहा कि रोटरी क्लब रामगढ़ सिटी का यह प्रयास समाज में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। अध्यक्ष आदर्श चौधरी ने कहा कि महिलाओं सशक्त बनाने के लिए आगे भी हम लोग और भी रोटरी सहेली सेंटर खोलते रहेंगे। इस परियोजना का सफल संचालन प्रोजेक्ट चेयरमैन रूपेश गुप्ता एवं प्रियंका अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया। इस रोटरी सहेली सेंटर का संचालन को देख रेख करने का जिम्मेवारी इन्ही दोनों को दिया गया। कार्यक्रम में क्लब की ओर से उमेश राजगड़िया, प्रकाश अग्रवाल, दीपक खंडेलवाल, विनीता गुप्ता थे। इसके अलावा कार्यक्रम का संचालन सचिव रोहित कुमार पंसारी ने किया।

झारखंड सेवा समिति ने छठ घाटों में चलाया सफाई अभियान

छठ व्रतियों की सुविधा के लिए छठ घाटों की सफाई की गयी हैः अमित

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। छठ महापर्व को लेकर झारखंड सेवा समिति द्वारा अध्यक्ष अमित कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बुधवार को दामोदर नदी छठ घाट और बिजुलिया तालाब छठ घाट में सफाई अभियान चलाया गया। ताकि छठ व्रतियों को छठ महापर्व में परेशानी नही हो। इस संबंध में समिति के अध्यक्ष अमित कुमार सिन्हा ने कहा कि शनवार को चार दिवसीय छठ महापर्व आरंभ हो रहा है। जिसको ध्यान में रखते हुए समिति ने निर्णय लिया की दामोदर नदी छठ घाट और बिजुलिया तालाब छठ घाट की साफ सफाई होनी चाहिए। ताकि महापर्व में व्रतियों को परेशानी नही हो। उसी को ध्यान में रखकर समिति के सदस्यों ने छावनी परिषद के सफाई कर्मियों के सहयोग से दामोदर नदी छठ घाट और बिजुलिया तालाब छठ घाट में सफाई अभियान चलाया। तकि व्रती बिना किसी परेशानी के छठ महापर्व में छठ घाटों पर अर्घ्य अर्पित कर सकें। उपाध्यक्ष नंदकिशोर गुप्ता ने कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था का प्रतीक है। इसलिए छठ घाटों की सफाई जरूरी थी। सचिव रंजन फौजी ने कहा पावन छठ महापर्व को देखते हुए हमारी समिति ने निर्णय लिया की घाटों की सफाई की जाए। जिसके बाद घाटों की सफाई की गयी। सह सचिव मनोज मंडल ने कहा की छठ महापर्व पवित्रता का प्रतीक है। इसलिए हमने छठ घाटों की सफाई किया। इस दौरान रानी डिटर्जेंट पाउडर और समाज सेवी सोनी कुमारी के सौजन्य से छावनी परिषद के सफाई कर्मियों के बीच टी शर्ट का वितरण किया गया। अभियान में उपाध्यक्ष नंदकिशोर गुप्ता, सचिव रंजन फौजी, सह सचिव मनोज मंडल, विनोद साहू, राजेश प्रसाद, जितेंद्र प्रसाद डब्लू, किशोर कुमार, गया प्रसाद, शीतल सिंह, संजय कोयला, सोनी कुमारी, रोहित कुमार गुप्ता, रूपेश गुप्ता, गौतम कुमार, सतीश साह, चुनचुन सिंह, लाल बाबु, अनिल कुमार, मोजन ठाकुर आदि शामिल हुए।

प्लास्टिक बैग का बहिष्कार करने की अपील

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के द्वारा चेंबर अध्यक्ष मनजीत साहनी के नेतृत्व में शहर के चट्टी बाजार, लोहार टोला के व्यापारियों के बीच स्टीकर वितरित कर अपने प्रतिष्ठान में प्लास्टिक बैग का पूर्णता उपयोग बंद करने का अनुरोध किया गया। मौके पर चेंबर अध्यक्ष मनजीत साहनी और सह सचिव इंद्रपाल सिंह सैनी ने संयुक्त रूप से व्यापारियों से आवाहन किया कि व्यापारी शतः प्रतिशत अपने प्रतिष्ठानों में प्लास्टिक बैग का उपयोग करना बंद करें। सरकार द्वारा भी इसके उपयोग पर पूर्णता बंदिश लगायी गयी है। फिर भी व्यापारी द्वारा इसका उपयोग किया जा रहा है। जिससे प्रदूषण को बढ़ावा मिलता है। साथ ही पशु वगैरह को भी जानमाल का नुकसान होता है। चेंबर अध्यक्ष ने बताया कि प्लास्टिक बैग के विकल्प के रूप में बाजार में कपड़े का, जूट का आदि बहुत ही किफायती दाम में बैग उपलब्ध है। जिनका उपयोग व्यापारियों को करना चाहिए। जिला प्रशासन द्वारा भी इस संबंध में चैंबर से अनुरोध किया गया था कि वह व्यापारियों के बीच प्लास्टिक बैग उपयोग नहीं करने के संबंध में जागरूकता अभियान चलाए कि व्यापारी अपने प्रतिष्ठान में प्लास्टिक बैग का उपयोग करना पूर्ण रूप बंद करें। जिसके आलोक में आज चेंबर के सदस्य दुकानो में घूम कर दुकानों पर स्टिकर लगाकर व्यापारियों से अनुरोध किया कि अपने दुकान में प्लास्टिक बैग का पूर्णत बंद करें। इस अवसर पर चेंबर के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह, पूर्व अध्यक्ष आनंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष दिनेश पोद्दार, बालकृष्ण जालान, महेश अग्रवाल सहित अन्य सदस्य की उपस्थित थे।

बाइक रिलीज कराने रामगढ़ थाने पहुंचा युवक, लेकिन बाइक ही हो गयी गायब

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। थाना परिसर में पिछले डेढ़ वर्षो में ऐसी ऐसी घटनाएं घटी हैं, जिसका खामियाजा पुलिस पदाधिकारियों को झेलना पड़ा है। इस बार भी एक ऐसा वाक्या हुआ है, जो थाने को ही असुरक्षित स्थान साबित कर रहा है। रामगढ़ थाने में जप्त एक बाइक अचानक ही गायब हो गयी है। जिस बाइक को पुलिस ने जब्त किया था, उसे रिलीज करने का आर्डर रामगढ़ कोर्ट ने दे दिया है। अब रिलीज ऑर्डर लेकर युवक पिछले दो महीने से थाने का चक्कर लगा रहा है। लेकिन उसे कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल पा रहा है। बाइक के मालिक ने बताया कि उसके पास एक तस्वीर है, जिसमें उसकी बाइक रामगढ़ थाना प्रभारी के चेंबर के सामने ही खड़ी दिखाई दे रही है। लातेहार जिले के चंदवा निवासी विशाल नायक का परिवार समय में भुरकुंडा क्लास फैक्ट्री के पास महुआ टोला में रहता है। पिछले 22 मई को विशाल अपने एक दोस्त के साथ शादी समारोह में भाग लेने बाइक जेएच 24 सी 4105 से चितरपुर गया था। वापसी में 23 मई को छतरमांडू के समीप हुई सड़क दुर्घटना में विशाल नायक की मौत हो गई थी। जिसको लेकर रामगढ़ थाना में केस नंबर 135/ 2025 दर्ज किया गया था। मामले में जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर संतोष गुप्ता को बनाया गया था। दुर्घटना के बाद मृतक के परिजन दुर्घटनाग्रस्त बाइक को अपने साथ ले गए थे और बाइक की मरम्मत भी करवा कर इसका इस्तेमाल कर रहे थे। इसी बीच सब इंस्पेक्टर संतोष गुप्ता ने मृतक के परिजनों से बाइक को रामगढ़ थाना पुलिस को सुपुर्द करने और कोर्ट से रिलीज करवाने की बात कही?। इसके बाद मृतक के घर वाले बाइक को रामगढ़ थाने में लाकर सब इंस्पेक्टर संतोष गुप्ता को सौंप दिया था। 21 अगस्त को कोर्ट ने जारी किया रिलीज ऑर्डर। रामगढ़ पुलिस लगभग दो माह से यह पता नहीं लगा पा रही है कि आखिर रामगढ़ थाना परिसर से बाइक कहां चली गई। थाना प्रभारी के कार्यालय के सामने थाना के मुख्य द्वार पर खड़ी बाइक को आखिर गायब किया किसने? सबसे बड़ी बात यह है कि रामगढ़ थाना परिसर में सीसीटीवी कैमरा भी लगा हुआ है। लेकिन बाइक गायब होने का कारण पुलिस स्पष्ट नहीं कर पा रही है। पूरे मामले को लेकर रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। किस समय बाइक जप्त हुई थी और उसे किस स्थान पर लगाया गया है इसका भी पता लगाया जा रहा है। इस मामले में जो भी दोषी होंगे उस पर कार्रवाई निश्चित होगी। कोर्ट ने बाइक को रिलीज करने का ऑर्डर पारित कर दिया है तो पीड़ित परिवार को हर हाल में बाइक उपलब्ध कार्रवाई जायेगी।

जीएसटी रिफॉर्म का भारत के बाजार पर दिखा ऐतिहासिक असरः अमित साहू

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। भारत के व्यापारिक इतिहास में अब तक का सबसे अधिक त्योहारी कारोबार रहा। उक्त बातें फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के विशेष आमंत्रित सदस्य सह कैट के सम्मानित सदस्य अमित साहू ने कही। श्री साहू ने कहा कि इस बार त्योहार के सीजन में आम लोगों ने जीएसटी रिफॉर्म होने के बाद बंफर खरीदारी की है। एफएमसीजी के वस्तुओं पर हुए जीएसटी बदलाव को लेकर आम लोगों ने जमकर खरीदारी की और पूरे देश में इस त्यौहार के सीजन में व्यापार जगत को एक नया मुकाम हासिल हुआ। श्री साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर इस दीपावली में वोकल फोर लोकल और स्वदेशी वस्तुओं के खरीद से पूरे देश के खरीददारों ने भारतीय निर्मित वस्तुओं को प्राथमिकता दी। कुल मिलाकर यह त्योहारी सीजन ने साबित कर दिया कि जीएसटी रिफॉर्म आने वाले दिनों में व्यापार जगत के लिए शुभ संकेत है।

कुजू में बालू लदे दो ट्रैक्टर जब्त, चालक फरार

कुजू (आजाद सिपाही)। कुजू पुलिस ने सांडी से अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टरों को जब्त किया है। जब्त दोनों ट्रैक्टरों को मांडू थाना परिसर में रखा गया है। इस संबंध में कुजू ओपी प्रभारी ने बताया कि दोनों अवैध बालू लदे ट्रैक्टर चुंबा से होते हुए सांडी की ओर आ रहे थे। इसी बीच गुप्त सूचना मिली। जिसके बाद गस्ती कर रहे ओपी के पुअनि आशीष गौतम व राजेश कुमार को जानकारी दी। त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों अधिकारियों ने सांडी समीप टाटा शो रूम के पास से जब्त किया। जब्त ट्रैक्टर संख्या जेएच02बीएस-9652 व एक अन्य ट्रैक्टर बिना नंबर का है। वहीं, मौके से चालक फरार हो गये। वहीं, आगे की कार्रवाई को लेकर जिला खनन पदाधिकारी को इसकी सूचना दिया गया है। मालूम हो कि क्षेत्र में इन दिनों बालू तस्कर बेखौफ होकर पुलिस को चुनौती देते हुए लगातार अवैध बालू कारोबार में जुटे है। वहीं, तस्कर अवैध तरीके से बालू का उठाव कर रात के अंधेरे और अहले सुबह से ही उसको ठिकाने लगाने में जुट जाते है। साथ ही, पुलिस से बचने के लिए गली-मुहल्लों के रास्ते से होकर गुजरते है। ऐसे में लोगों को भी परेशानी होती है। ग्रामीणों ने भी इस पर भी रोक लगाने की मांग की है।

धूमधाम से की गयी गोवर्धन पूजा

हंटरगंज/चतरा (आजाद सिपाही)। जिले के हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत औरुगढ़पर गोवर्धन पूजा समिति द्वारा दीपावली के दूसरे दिन बुधवार को गोवर्धन पर्व बड़े धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान समिति द्वारा भगवान गोवर्धन की मूर्ति स्थापित की गयी। ग्रामीणों ने पूजा पंडाल में पूरी आस्था के साथ गाय के गोबर से गिरिराज गोवर्धन की आकृति बनाकर विधि-विधान से पूजा की। वहीं कुछ बच्चों ने भगवान की आकृति की रंगोली बनाकर उनकी विधि-विधान से पूजा की। इस मौके पर भक्तों ने भगवान गोवर्धन को अन्नकूट का भोग लगाया। भक्तों ने जमकर जय श्री कृष्ण जयकारा लगाया। मौके पर समिति अध्यक्ष प्रमोद यादव, सचिव राजाराम यादव, सुधीर यादव, रामदयाल यादव, भोला यादव, बालेश्वर यादव, गुड्डू यादव, सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक

बालूघाटों पर विशेष निगरानी रखने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स और जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की गयी। बैठक में उपायुक्त द्वारा अवैध खनन के विरुद्ध की गयी कार्रवाई की समीक्षा की गयी। समीक्षा के क्रम में माह सितम्बर 2025 में कुंदा और लावालौंग अंचल से अवैध खनन के विरुद्ध प्राथमिकी या कार्रवाई शून्य रहने पर उपायुक्त ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों और थाना प्रभारियों को सक्रिय मोड में रहकर अपने-अपने क्षेत्र में नियमित औचक छापामारी अभियान चलाने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने बताया कि 12 अक्टूबर को राज्य के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में अवैध बालू खनन पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि हंटरगंज, मयूरहंड और ईटखोरी अंचल से अवैध बालू खनन की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। NGT की रोक हटने के बाद कई नदी घाटों से बालू उठाव और परिवहन की संभावना बनी हुई है। संबंधित अंचल अधिकारियों और थाना प्रभारियों को इन क्षेत्रों में स्थित बालूघाटों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिया गया।

इस अवसर पर जिला खनन पदाधिकारी मनोज टोप्पो ने बताया कि जिले में कैटेगरी-01 के अंतर्गत कुल 10 बालूघाट चिन्हित किये गये हैं – टंडवा (2), गिद्धौर (2), पत्थलगड्डा (1), प्रतापपुर (2), मयूरहण्ड (1) और कान्हाचट्टी (2)। इन घाटों के संचालन और प्रबंधन हेतु संबंधित ग्राम पंचायतों के माध्यम से कार्रवाई करने के लिए जिला पंचायती राज पदाधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी को पत्र निर्गत किया गया है। उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों और अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित नियमावली के तहत कैटेगरी-01 बालूघाटों का शत-प्रतिशत नियमानुसार संचालन और प्रबंधन सुनिश्चित करें, ताकि अवैध खनन व परिवहन पर रोक लग सके। उन्होंने आगे कहा कि बालूघाटों के संचालन में पारदर्शिता लाने हेतु पंचायती राज पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, मुखिया और पंचायत सचिवों के साथ कार्यशाला आयोजित की जाये, ताकि सभी को आवश्यक तकनीकी जानकारी प्राप्त हो सके। खनन विभाग द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में सितंबर तक 83 वाहन जब्त, 44 प्राथमिकी दर्ज और 13,25,532 की दंड राशि वसूल की गयी। वहीं, वित्तीय वर्ष 2025-26 में सितंबर तक 124 वाहन जब्त, 52 प्राथमिकी दर्ज और 23,98,730 की दंड राशि वसूल की गयी है। बैठक के दूसरे सत्र में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा की गयी। उपायुक्त ने एनएच और आरसीडी को बारिश के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत करने का निर्देश दिया। साथ ही, सभी थाना प्रभारियों को हिट एंड रन मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। इसके अतिरिक्त, उपायुक्त ने सभी थाना प्रभारी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को गुड समेरिटन पॉलिसी के तहत नेक कार्य करने वाले लोगों को अधिक से अधिक लाभान्वित करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर गुड समेरिटन पॉलिसी के अंतर्गत नेक कार्य करने वाले छह व्यक्तियों को सम्मानित भी किया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल, वन प्रमंडल पदाधिकारी राहुल मीणा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा और सिमरिया, जिला परिवहन पदाधिकारी माहेश्वरी प्रसाद यादव, सभी अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी, कोल परियोजनाओं के प्रतिनिधि और अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

नकदी समेत लाखों के जेवरात की चोरी

गोला (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के सोसो कला गांव निवासी मोज्जमिल अंसारी के घर से अज्ञात चोरी ने दीनदहाड़े घर में घुसकर नकदी समेत लाखो का जेवरात चोरी कर लिया। इसकी जानकारी गोला पुलिस को लिखित रूप से दी गयी है। पुलिस द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया है। बताया गया कि मोज्जमिल अंसारी रजरप्पा प्रोजेक्ट सीसीएल में नौकरी करते है। इनके परिवार के अन्य सदस्य भी बाहर रहते है। इसी का फायदा चोरी ने उठाया।

अवैध बालू के उठाव पर रोक

कुंदा/चतरा(आजाद सिपाही)। कुंदा थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह ने थाना क्षेत्र के सभी वाहन मालिकों से अपील किया है कि वे किसी भी परिस्थिति में अवैध बालू का उठाव नहीं करेंगे। उन्होंने बताया कि पकड़े जाने पर वाहन मालिक के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।वही अंचलाधिकारी दीपक मिश्रा ने सभी आवास योजना कै लाभुकों को आश्वस्त किया है कि बहुत जल्द प्रखंड स्तर पर चलान युक्त बालू उपलब्ध कराने के लिए डीएमओ को प्रस्ताव भेजा गया है। फिलहाल अवैध बालू नहीं उठाने की अपील की गयी है। बालू उठाव करते पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी गयी।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना सं. 4591-जीआरसी-सीई-सी-एसओ-22-2025, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मुख्य अभियंता (निर्माण)/एस/गार्डन रीच द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निम्नलिखित निविदा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गई है। निविदा नियत तिथि को 12.00 बजे बंद की जाएगी। **कार्यों का संक्षिप्त विवरण:** उप मुख्य अभियंता/निर्माण/II/खड़गपुर, निर्माण संगठन, दक्षिण पूर्व रेलवे के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न निर्माण साइटों/खंडों में परियोजना पर्यवेक्षण सेवाएँ प्रदान करने के लिए परियोजना पर्यवेक्षण सेवा एजेंसी (पीएसएसए) की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी)। **अनुमानित मूल्य:** रु.9.66 करोड़। **बोली प्रतिभूति:** रु. 6,33,100/-, **समापन अवधि:** 24 माह। **अंतिम तिथि:** दिनांक 18.11.2025, इच्छुक निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। किसी भी परिस्थिति में इन मदों के लिए मैनुअल निविदाएँ स्वीकार नहीं की जाएंगी। **द्रष्टव्य:** "प्रत्याशित बोलीदाता सभी अन्य निविदाओं में भाग लेने के लिए, **www.ireps.gov.in** नियमित रूप से देख सकते हैं।" **(PR-751)**

पूर्व तट रेलवे

संक्षिप्त निविदा सूचना सं. 44/ET/SBP/ENGG/2025-26, दिनांक 21.10.2025

(1) ई-निविदा सं.: 54-eT-DENC-SBP-25

कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/बरगढ़ रोड (BRGA) के अधिकार क्षेत्र के अधीन ट्रैक, स्टेशन यार्ड, कर्वो, लेवल क्रॉसिंग (LC) इत्यादि की विविध मरम्मत।

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 1,44,35,922.39, बिड सिक्योरिटी: रु. 2,22,200.00।

(2) ई-निविदा सं.: 53-eT-DENC-SBP-25

कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/बलांगीर (BLGR) के अधिकार क्षेत्र के अधीन ट्रैक, स्टेशन यार्ड, कर्वो, लेवल क्रॉसिंग (LC) इत्यादि की विविध मरम्मत।

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 1,48,25,797.70 बिड सिक्योरिटी: रु. 2,24,200.00।

कार्य समापन की अवधि: 03 (तीन) महीने (सभी क्रम सं. के लिए)।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 06.11.2025 को 1500 बजे (सभी क्रम सं. के लिए)।

ऐसी ई-निविदाओं के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मंडल रेल प्रबंधक (Engg.), सम्बलपुर

PR-710/Q/25-26

नक्सलियों का नया सवेरा

पुलिस बैरक में यह उनकी पहली रात थी। वे पूरी रात आंख नहीं मूंद पाये अथवा नींद ही नहीं आयी। वे खुले जंगल में, नीले आसमान को निहारते हुए, सोने के अभ्यस्त थे। उनकी समझ, संवेदनाएं और तंत्रिकाएं इतनी सचेत और तीव्र थीं कि वे हर आहट पर चौंक उठते थे और वहीं मोर्चा बांध लेते थे। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के बैरकों में उन 210 नक्सलवादियों को एक साथ रखा गया है, जिन्होंने इसी सप्ताह आत्मसमर्पण किया था। शनिवार की सुबह उनके लिए बिलकुल अलग एहसास की थी। उन्हें अखबार पढने को दिये गये। नक्सलियों ने टीवी भी देखा। उन्होंने अफसरों से राशन आदि मांगा, ताकि वे अपना साधारण-सा भोजन बना सकें और इस तरह किसी काम में व्यस्त रह सकें। नक्सली माओवादियों ने सरकार के सामने हथियार डाल दिये हैं। अंततः उन्होंने मुख्यधारा में लौटना तय किया है। सरकार ने उनकी सहायता करने का आश्वासन भी दिया है। शायद कोई योजना बनाकर नक्सलियों का पुनर्वास तय किया जाये! वे मोर्चे पर तैनात, हथियारबंद, मरने-मारने को तैयार नहीं हैं, लेकिन वे फिलहाल एक साथ रहना चाहते हैं। हमें लगता है कि यह संभव नहीं है। सरकार प्रत्येक नक्सली की योग्यता, रुचि, क्षमता के मुताबिक ही मुख्यधारा में शामिल करेगी। नक्सलियों पर जो आपराधिक मामले दर्ज हैं और अदालत के विचाराधीन हैं, पहले वे निष्कर्ष तक पहुंचेंगे और सरकार उन्हें सामूहिक माफी कैसे दे सकती है, उस कानूनी प्रक्रिया से गुजरना लाजिमी है, लेकिन दो निष्कर्ष देश के सामने हैं-लाल आतंकवाद अस्तित्वहीन होने की ओर है। दूसरा, नक्सली भी मुख्यधारा में लौट कर एक नये सवेरे का एहसास कर सकेंगे। वे जन-प्रतिनिधि बन सकते हैं और सरकारी कर्मचारी भी बन सकेंगे। इस लिहाज से मोदी सरकार का यह मिशन बेहद महत्त्वपूर्ण और मानवाधिकार वाला है। सरकार मार्च, 2026 तक अपना लक्ष्य हासिल कर सकती है। नक्सली देश के 11 जिलों तक सिमट गये हैं। उनमें से तीन जिले ही ऐसे हैं, जहां नक्सली पूरी तरह सक्रिय हैं। उन जिलों की लालबंदी तोडना बहुत मुश्किल नहीं है, क्योंकि सुरक्षा बलों को नक्सलियों की मोचेबंदी का पूरा ज्ञान हो चुका है। इससे यह भी साबित हो गया है कि नक्सलवाद को खत्म करना असंभव नहीं था, जैसा कि पहले की कांग्रेस नेतृत्व की यूपी, सरकार नाटक करती रही। कभी सोचा गया कि नक्सलियों के खिलाफ सेना को उतार दिया जाये। कभी कोबरा कमांडो की रणनीति बनाई गई, तो कभी किसी और रणनीति पर पैसा बहाया गया, लेकिन मौजूदा सरकार ने बहुत ही सीमित समय के दौरान देश को दिखा दिया कि नक्सली माओवाद अभेद्य और अजेय नहीं था। जिन शीर्ष नक्सलियों पर इनाम घोषित किये गये थे, उन्हें भी या तो मार दिया गया अथवा उन्होंने भी आत्मसमर्पण कर दिया।

छत्तीसगढ़ के जगदलपुर पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के बैरकों में उन 210 नक्सलवादियों को एक साथ रखा गया है, जिन्होंने इसी सप्ताह आत्मसमर्पण किया था।

अभिमत
आजाद सिपाही

विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और भारत सरकार के साथ रोटरी ने मिलकर ग्लोबल पोलियो उन्मूलन पहल (जीपीइआइ) को सशक्त आधार दिया। वित्तीय सहयोग, जनजागरूकता अभियानों और स्वास्थ्यकर्मियों के प्रशिक्षण में रोटरी ने जो संसाधन लगाये, वह किसी सरकारी सहायता से कम नहीं थे। रोटरी इंटरनेशनल ने न केवल फंड जुटाये, बल्कि अपने लाखों सदस्यों को 'पोलियो फाइटर्स की भूमिका में सक्रिय किया। उनके समर्पण ने समाज के हर वर्ग–गांव के शिक्षक से लेकर शहरी डॉक्टर तक–को एक साझा उद्देश्य से जोड़ा।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म की परिणति है पोलियो मुक्त भारत

प्रवीण राजगढ़िया

भारत ने जब पोलियो-मुक्त देश का दर्जा हासिल किया, तो यह केवल चिकित्सा विज्ञान की जीत नहीं थी, बल्कि सामूहिक इच्छाशक्ति, जनभागीदारी और सेवा के उस भाव की भी विजय थी, जो रोटरी के सिद्धांतों में निहित है। पोलियो उन्मूलन की इस अद्भुत यात्रा में रोटरी इंटरनेशनल की भूमिका इतिहास के स्वर्णाक्षरों में दर्ज है। यह निस्वार्थ सेवा, संगठनात्मक प्रतिबद्धता और वैश्विक एकजुटता का एक अनोखा उदाहरण है।

साल 1979 में जब फिलीपींस के एक छोटे से गांव में रोटरी ने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों को पोलियो वैक्सीन की खुराक दी, तब शायद किसी ने नहीं सोचा था कि यह पहल आने वाले दशकों में एक विश्वव्यापी आंदोलन बन जायेगी। उसी वर्ष से 'पोलियोप्लस' अभियान की शुरूआत हुई 'प्लस' यानी सिर्फ टीका नहीं, बल्कि स्वच्छता, जागरूकता, और जनसहभागिता का समग्र प्रयास।

भारत जैसे विशाल जनसंख्या-घनत्व वाले और सामाजिक-आर्थिक विविधता से भरे देश में पोलियो उन्मूलन एक असंभव-सा कार्य प्रतीत होता था। गांव-गांव तक पहुंचना, स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षित करना, और जनता में विश्वास पैदा करना, यह एक लंबा और कठिन संघर्ष होनेवाला था। इन्हीं परिस्थितियों में रोटरी क्लबों ने आगे बढ़कर एक ऐसी संरचना तैयार की, जो प्रशासनिक तंत्र के साथ कदम-से-कदम मिलाकर काम करे। हर राष्ट्रीय पोलियो इम्यूनाइजेशन डे पर रोटरी सदस्य टीकाकरण बूथों पर स्वयंसेवक के रूप में डटे रहते थे। 'दो बूंद ज़िंदगी की' के अभियान को जनआंदोलन में बदलने में उनका योगदान निर्णायक था और ये निरंतर अब भी जारी है ।

'दो बूंद ज़िंदगी की' के अभियान को जनआंदोलन में बदलने में रोटरी का योगदान निर्णायक था और ये निरंतर जारी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और भारत सरकार के साथ रोटरी ने मिलकर ग्लोबल पोलियो उन्मूलन पहल (जीपीइआइ) को सशक्त आधार दिया। वित्तीय सहयोग, जनजागरूकता अभियानों और स्वास्थ्यकर्मियों के प्रशिक्षण में रोटरी ने जो संसाधन लगाये, वह किसी सरकारी सहायता से कम नहीं थे। रोटरी इंटरनेशनल ने न केवल फंड जुटाये, बल्कि अपने लाखों सदस्यों को 'पोलियो फाइटर्स की भूमिका में सक्रिय किया। उनके समर्पण ने समाज के हर वर्ग–गांव के शिक्षक से लेकर शहरी डॉक्टर तक–को एक साझा उद्देश्य से जोड़ा।

रोटरी क्लबों ने न केवल शहरी क्षेत्रों में बल्कि दूरस्थ और जनजातीय इलाकों में भी पोलियो ड्राइव को पहुंचाने का बीड़ा उठाया। झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में जहां पोलियो की चुनौती सबसे बड़ी थी, वहीं रोटेरियन दिन-रात जागकर बूथ प्रबंधन, टीकाकरण जागरूकता रैली और घर-घर सर्वे में जुटे रहे। कई बार उन्हें सामाजिक प्रतिरोध, अफवाहों और अविश्वास का सामना करना पड़ा, परंतु उनका धैर्य और संवाद की क्षमता इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत बनी।

रोटरी इंटरनेशनल की इस सेवा भावना ने उसे न केवल भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में एक मिसाल के रूप में स्थापित किया। संयुक्त राष्ट्र ने रोटरी को 'ग्लोबल हेल्थ पार्टनर' के रूप में सराहा। जब 2014 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को 'पोलियो-मुक्त देश' घोषित किया, तो उस जश्न में सबसे उंचा तिरंगा रोटेरियनों के हाथों में था। यह वह क्षण था जब स्वयंसेवा, जनसहयोग और संगठनात्मक समर्पण की शक्ति ने इतिहास लिखा।

हालांकि भारत अब पोलियो-मुक्त है, लेकिन यह जीत स्थायी तभी रह सकती है जब निगरानी और सतर्कता बनी रहे। सीमावर्ती क्षेत्रों, माइग्रेंट जनसंख्या और नवजात शिशुओं के बीच टीकाकरण की निरंतरता बनाए रखना आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है। रोटरी अब 'पोस्ट-पोलियो सर्विलांस' के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि पोलियो फिर कभी इस धरती पर लौट न आये।

रोटरी का यह अभियान केवल स्वास्थ्य से जुड़ा नहीं था। बल्कि यह मानवता को जोड़ने का माध्यम भी बना। इससे यह विश्वास मजबूत हुआ कि समाज के हर वर्ग की भागीदारी से असंभव भी संभव हो सकता है।

रोटरी के सदस्यों ने जो एकता और सामूहिक जिम्मेदारी का उदाहरण पेश किया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।

झारखंड और बिहार के रोटरी क्लबों ने इस अभियान में उल्लेखनीय भूमिका निभायी। उन्होंने पोलियो बूस्टर डोज के लिए विशेष शिविर लगाये। नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिता और स्कूलों में जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इन प्रयासों ने न केवल अभिभावकों की सोच बदली बल्कि बच्चों में भी स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण पैदा किया।

'दो बूंद ज़िंदगी की' का नारा केवल एक स्वास्थ्य संदेश नहीं था। बल्कि यह उस विश्वास का प्रतीक था कि छोटी-सी कोशिश भी बड़े बदलाव ला सकती है। हर रोटेरियन ने इस नारे को अपने जीवन का मिशन बना लिया। उनकी सक्रियता, अनुशासन और मानवता के प्रति समर्पण ने यह सिद्ध कर दिया कि सेवा का कोई धर्म, जाति या सीमा नहीं होती।

रोटरी की पोलियो यात्रा हमें यह सिखाती है कि जब सेवा, सहयोग और समर्पण साथ चलते हैं, तो असंभव लक्ष्य भी संभव बन जाते हैं। भारत का पोलियो-मुक्त दर्जा केवल रोटरी की सफलता नहीं, बल्कि 'सेवा ही सबसे बड़ा धर्म' की परिणति है। आज जब नई चुनौतियाँ हमारे सामने हैं। नई बीमारियाँ, जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य असमानता, तो ऐसे में रोटरी का यह मॉडल हमें फिर से प्रेरित करता है कि मिल-जुलकर काम करने से ही एक स्वस्थ और सुरक्षित दुनिया बनायी जा सकती है।

क्यों मनाया जाता है पोलियो डे : कई सालों से हम सुनते आ रहे हैं, 'दो बुंद जिंदगी की' और ये पूरी दुनिया में साबित हो गया है कि मानव स्वास्थ को खतरनाक बीमारियों से बचाने के लिए पोलियो की दवा कितनी महत्वपूर्ण है। 24 अक्तूबर को हर साल वर्ल्ड पोलियो डे मनाने के पीछे का उद्देश्य इस खतरनाक बीमारी के खिलाफ लोगों को जागरूक करना है। करीब एक दशक पूर्व हमारा देश पोलियो मुक्त घोषित हुआ। जिसके लिए लंबी लड़ाई लड़ी गयी। यह दिन पोलियो टीका की खोज करने वाले महान वैज्ञानिक जोनास साल्क को समर्पित है। उनका जन्म 24 अक्तूबर को हुआ था। उन्होंने 1955 में पोलियो टीका की खोज की थी। इस दिन का मुख्य उद्देश्य लोगों को पोलियो के प्रति जागरुक करना है। साथ ही लोगों को अपने बच्चों को टीका दिलाने के लिए भी प्रोत्साहित करना है।

कोल्हान की खबरें

काली पूजा उत्सव में शामिल हुए कुणाल षाड़ंगी

घाटशिला (आजाद सिपाही)। बाड़जूडी में आयोजित भव्य काली पूजा कार्यक्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता कुणाल षाड़ंगी शामिल हुए। पूजा पंडाल और व्यवस्था को देखकर उन्होंने आयोजकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इतने खूबसूरत और अनुशासनात्मक तरीके से पूजा का आयोजन किया जाना अपने आप में सराहनीय कार्य है। ग्रामीणों ने कुणाल षड़ंगी को अपने बीच पाकर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने पूजा स्थल पर उपस्थित ग्रामीणों से चुनावी माहौल पर चर्चा की और हालचाल जाना। इस दौरान ग्रामीणों ने स्व. रामदास सोरेन के कार्यकाल में किये गये विकास कार्यों को याद करते हुए झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन के प्रति अपना समर्थन जताया। कार्यक्रम में संदीप दास, मनोज रवानी, अमर पूर्ति, सुनील सामद सहित बाड़जूडी सार्वजनिन काली पूजा समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कदमा रंकिणी मंदिर में अन्नकूट महोत्सव सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किया भोग ग्रहण

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। कदमा मेन रोड स्थित श्री श्री रंकिणी मंदिर में बुधवार को पारंपरिक श्रद्धा के साथ अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। मंदिर कमिटी के अध्यक्ष दिलीप दास एवं महासचिव जनार्दन पांडेय ने बताया मां अन्नपूर्णा देवी की पूजा में छप्पन भोग अर्पित किये गये। यह आयोजन बीते 35 वर्षों से हो रहा। इस वर्ष भी सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भोग ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। ज्ञात हो रंकिणी मंदिर कदमा का सबसे प्राचीन मंदिर है। यहां दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन हेतु आते हैं। आयोजन को सफल बनाने में मंदिर कमिटी के केजी गोविन्द, एआर डे, सतीश वर्मा, संजय कुमार, हरभजन सिंह, एस रमेश, सुभाष, कार्तिक, मनोज कुमार और नवीन कुमार सक्रिय रहे।

बोड़ाम के दो युवक सड़क दुर्घटना में घायल

बोड़ाम (आजाद सिपाही)। जुगसलाई विधानसभा स्थित बोड़ाम थाना क्षेत्र के रामकृष्ण उर्फ प्रकाश महतो (23) और ललित महतो (24) सोमवार शाम पश्चिम बंगाल के हांसपुर में सड़क दुर्घटना के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गये। दोनों युवक यामाहा आर15 बाइक से बलरामपुर से लौट रहे थे।रात करीब 8 बजे बराबाजार-बलरामपुर मुख्य सड़क पर बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। रामकृष्ण महिला चौकीदार नियति महतो का पुत्र है, जबकि ललित, महिला सिपाही सुभद्रा महतो का बेटा है। जमशेदपुर में अपनी मां के साथ पुलिस क्वार्टर में रहता है। हादसे में रामकृष्ण को सिर, पैर और अंदरूनी चोटें आयी वह बेहोश है। वहीं ललित के पैर की हड्डियां टूट गयी हैं, जिसका ऑपरेशन होना है। फिलहाल रामकृष्ण की स्थिति गंभीर बतायी जा रही है।

टाटा स्टील ने किया 'दिल से दौड़ फॉर जमशेदपुर' के 10वें संस्करण का ऐलान

जमशेदपुर हाफ मैराथन शहर की उर्जा, एकजुटता और फिटनेस के प्रति जुनून का प्रतीक : डीबी सुन्दररमन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। टाटा स्टील ने लौहनगरी में होने वाले हाफ मैराथन 2025 के 10वें संस्करण का आधिकारिक घोषणा कर दी। बुधवार को जीआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में टाटा स्टील कॉर्पोरेट सर्विसेज के वाइस प्रेसिडेंट डीबी सुन्दररमन और मुकुल चौधरी ने कार्यक्रम की जानकारी दी। यह बहुप्रतीक्षित आयोजन आगामी 30 नवंबर को आयोजित होगा। मौके पर उन्होंने इस वर्ष की थीम, तिथि और पंजीकरण के शुरूआत की घोषणा की। टाटा स्टील के कॉर्पोरेट सर्विसेज के वाइस प्रेसिडेंट डीबी सुन्दररमन ने बताया इस वर्ष की थीम 'दिल से दौड़ फॉर जमशेदपुर' रखी गयी है, जो केवल फिटनेस ही नहीं, बल्कि उत्साह, गर्व और एकजुटता की भावना को भी दर्शाती है। यह आयोजन बीते दस वर्षों में न केवल जमशेदपुर बल्कि पूरे देश में अपनी पहचान बना चुकी है। वर्ष 2024 में 18 राज्यों से कुल 4,821 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इस बार 5,500 से अधिक धावकों के भाग लेने की संभावना है। 2024 में पहली बार शुरू हुई हाफ मैराथन (21.097 किमी) श्रेणी को जबरदस्त प्रतिसाद मिला था, जिसमें करीब 500 धावकों ने हिस्सा लिया था। इस साल इस चुनौतीपूर्ण श्रेणी में और भी अधिक भागीदारी की उम्मीद है। उन्होंने बताया इस वर्ष कुल 9.18 लाख की पुरस्कार राशि रखी गयी है, जिससे प्रतिभागियों में प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति उत्साह भी बढ़ेगा। मैराथन का रूट इस बार भी पूर्ववत रहेगा ताकि धावकों को एक सुरक्षित और सुव्यवस्थित अनुभव मिल सके। खेल और फिटनेस को सदैव अपनी कार्यसंस्कृति का हिस्सा मानने वाली टाटा स्टील, देशभर में खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए टाटा स्टील कोलकाता 25के, जोड़ा रन-अ-थॉन, कपिलाश हाफ मैराथन जैसे आयोजनों के साथ-साथ विभिन्न खेल अकादमियों के माध्यम से खेल प्रतिभाओं को निखारने का कार्य करती रही है। मौके पर डीबी सुन्दररमन ने कहा जमशेदपुर हाफ मैराथन इस शहर की ऊर्जा, एकजुटता और फिटनेस के प्रति जुनून का प्रतीक बन चुका है। 10वां संस्करण हमारे लिए गर्व का क्षण है। इस वर्ष की थीम दिल से दौड़ फॉर जमशेदपुर न केवल शहर के लिए बल्कि दिल के लिए दौड़ फॉर हेल्थ का भी संदेश देती है। टाटा स्टील ने जमशेदपुरवासियों और आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों से बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की।

सोमेश सोरेन के तूफानी जनसंपर्क में ग्रामीणों का मिला आशीर्वाद

आजाद सिपाही संवाददाता

धालभूमगढ़। झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन ने धालभूमगढ़ प्रखंड के कई गांवों का दौरा कर व्यापक जनसंपर्क किया। बुधवार को उन्होंने पुनासा, दूतचुवा, रुआसोल, राजाबेड़ा, सोरबिला और सुंदरडीह गांवों में ग्रामीणों से मुलाकात कर स्व रामदास सोरेन के अधूरे विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया और ग्रामीणों ने भी स्व. रामदास सोरेन की विकास कार्य को आगे बढ़ाने का आशीर्वाद देते हुए हर संभव समर्थन देने का भरोसा दिया। मौके पर ग्रामीणों ने सोमेश सोरेन को सरल, जनप्रिय और समर्पित नेता बताया। बुजुर्गों से आशीर्वाद लेकर सोमेश सोरेन ने आने वाले दिनों में जनता की समस्याओं के समाधान और विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही। सोमेश सोरेन का यह तूफानी दौरा में चुनावी माहौल और अधिक गर्माता नजर आ रहा है।

रघुवर दास ने सपरिवार की गोवर्धन पूजा लोगों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड के पूर्व सीएम रघुवर दास ने बुधवार को जमशेदपुर स्थित एग्रिको आवास में पारंपरिक श्रद्धा और विधि-विधान के साथ गोवर्धन पूजा संपन्न की। पूजा में उनके साथ धर्मपत्नी रुक्मिणी देवी, पुत्र ललित दास एवं पुत्रवधु और भाजपा विधायक पूर्णिमा साहू भी शामिल रहीं। मौके पर पूरे परिवार ने भक्ति भाव से गौरा-गौरी और गोवर्धन की पूजा अर्चना की। गौमाता को खिचड़ी और गुड़ का भोग अर्पित कर आरोग्य, समृद्धि एवं प्रदेश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। पूजा स्थल पर गायों की सेवा कर उन्होंने लोक परंपरा एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश दिया। रघुवर दास ने झारखंडवासियों को सोहराय, बांदना पर्व और गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा ये पर्व हमारी आदिवासी सभ्यता, जनजातीय संस्कृति और प्रकृति-पूजन की महान परंपरा को दर्शाते हैं। समाज में सामूहिकता, लोक आस्था और पर्यावरण के प्रति दायित्वबोध का संदेश देने वाले ये पर्व हमारी सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं। पूर्व सीएम ने सभी नागरिकों से अपील की वे इन पारंपरिक पर्वों के माध्यम से सामाजिक समरसता और प्राकृतिक संतुलन के संरक्षण में अपनी भागीदारी निभाये।

गम्हरिया के जन वितरण प्रणाली में धांधली का आरोप

गम्हरिया (आजाद सिपाही)। बड़ा गम्हरिया स्थित राधा रानी महिला समिति पर सरकारी राशन में भारी धांधली के आरोप लगे हैं। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया राशन डीलर अंगूठा लगवाकर अनाज देने में टालमटोल करते हैं और राशन बाजार में बेच दिया जाता है। ग्रामीणों के अनुसार दुकान अक्सर बंद रहती है। निरीक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया डीलर का गम्हरिया बाजार में निजी दुकान है, जहां वह गरीबों के लिए तय राशन को बेचता है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग की। ताकि गरीबों को उनका अधिकार मिल सके और भ्रष्टाचार पर लगाम लग सके।

'हो' भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग, सौंपा मांग पत्र

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर/ जमशेदपुर। ऑल इंडिया हो लैंग्वेज एक्शन कमिटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुरा बिरुली के नेतृत्व में ओडिशा सरकार के राज्य मंत्री गणेश राम सिंह कुंटिया से मुलाकात कर 'हो' भाषा को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने हेतु समर्थन मांगा। मंत्री ने जनजातीय भाषा को मान्यता दिलाने में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। मालूम हो की आगामी 31 अक्टूबर 2025 को दिल्ली के जंतर मंतर पर दोलाबु दिल्ली 5.0 नामक विशाल धरना-प्रदर्शन व सेमिनार का आयोजन किया गया था। सुरा बिरुली ने कहा 'हो' भाषा की मान्यता को लेकर राज्य व केंद्र सरकारों से वर्षों से अनुरोध किया जा रहा है। अब यह आंदोलन लोकतांत्रिक तरीके से निर्णायक मोड़ पर है। इस अवसर पर गिरीश चंद्र हेम्ब्रोम, बाजू चंद्रा सिरका, खिरोद हेम्ब्रोम, रानी तिरिया, पदमुनि हाईबुरु, प्रतिमा गुइया समेत कई प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एसडीएम ने छठघट की तैयारियों का जायजा लिया, दिये जरूरी निर्देश

गढ़वा (आजाद सिपाही)। सदर एसडीएम संजय कुमार ने बुधवार को शहर के सहीजना छठ घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाट पर चल रही तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों, पूजा समिति और निजी एजेंसियों को समय पर सभी कार्य पूरे करने के निर्देश दिए। बताया गया कि इस वर्ष छठ पूजा के लिए सहीजना छठ घाट, स्टूडेंट क्लब, फ्रेंड्स क्लब, जय देवी संघ आदि को निजी एजेंसियों की सहायता से और अधिक विस्तृत एवं आकर्षक रूप दिया गया है। पहले से मौजूद मैदान का समतलीकरण एवं सौंदर्यीकरण कर इन्हें बड़ा आकार दिया गया है, ताकि एक साथ हजारों श्रद्धालु यहां छठ पूजा कर सकें। सहीजना छठ घाट परिसर में पर्याप्त वाहन पार्किंग की व्यवस्था भी की गई है। पहले वाहनों की भीड़ के कारण स्थल पर अव्यवस्था की स्थिति बन जाती थी, लेकिन इस बार पार्किंग का क्षेत्र निर्धारित कर दिया गया है जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा होगी। नदी किनारे एवं जल क्षेत्र में भी सफाई अभियान चलाया गया है, जिससे घाट का स्वरूप अब और अधिक स्वच्छ, सुरक्षित एवं आकर्षक बन गया है। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने कहा कि गढ़वा में छठ पर्व बड़े उत्साह, आस्था और अनुशासन के साथ मनाया जाता है। अतः प्रशासन की तैयारी भी उसी स्तर पर होनी चाहिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया जा रहा है कि साफ सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, जल प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। इस निरीक्षण के समय स्थानीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

'कॉफी विद एसडीएम' में सीएससी और प्रज्ञा केंद्र संचालकों के साथ होगा संवाद

गढ़वा (आजाद सिपाही)। सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार की नियमित साप्ताहिक संवाद कार्यक्रम 'कॉफी विद एसडीएम' का इस सप्ताह गुरुवार को सुबह 11 बजे से आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम गढ़वा एसडीएम कार्यालय में आयोजित होगा। इसके तहत इस बार कॉमन सर्विस सेंटर (सीएसआर) एवं प्रज्ञा केंद्र संचालकों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशासन और इन सेवा केंद्रों के बीच समन्वय एवं संवाद को सुदृढ़ करना है, ताकि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ आम नागरिकों तक अधिक प्रभावी ढंग से ससमय पहुंच सके। एसडीएम ने बताया कि संवाद के दौरान प्रज्ञा केंद्र संचालकों से उनकी कार्यप्रणाली, समस्याओं एवं सुधार के सुझावों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि सीएससी और प्रज्ञा केंद्र सरकारी योजनाओं को जनता तक ई-गवर्नेंस के माध्यम से पहुंचाने की सबसे अहम कड़ी हैं। इन केंद्रों के माध्यम से प्रशासनिक सेवाएँ गाँव-गाँव तक पहुँच रही हैं, इसलिए इनकी कार्यक्षमता और पारदर्शिता बढ़ाना हमारी प्राथमिकता है। कार्यक्रम में आधार, पेंशन, प्रमाणपत्र निर्गमन, सरकारी योजनाओं की ऑनलाइन सेवाएं और डिजिटल भुगतान प्रणाली जैसे विषयों पर विमर्श होगा। साथ ही, उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीएससी संचालकों की खोज कर उन्हें प्रोत्साहित भी किये जाने की योजना है। एसडीएम ने सभी प्रज्ञा केंद्र-सीएससी संचालकों से अपील की कि वे निर्धारित समय पर स्वैच्छिक रूप से उपस्थित रह सकते हैं। इससे इस संवाद, विमर्श और फीडबैक में उनकी सहभागिता सुनिश्चित होगी। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम सामान्यतया बुधवार को होता है लेकिन अपरिहार्य कारण से इस बार यह गुरुवार को हो रहा है।

जरही में समाजसेवी अशोक कुमार ने निजी खर्च से करायी जर्जर सड़क की मरम्मति

डंडई (आजाद सिपाही)। प्रखंड के जरही गांव में समाजसेवी सह युवा कांग्रेस अध्यक्ष अशोक कुमार ने बुधवार को अपने निजी खर्चे से संतन चौधरी के घर से कुशमाहा टोला तक करीब एक किलोमीटर सड़क का मरम्मत कार्य कराया। लंबे समय से उपेक्षित इस सड़क के कारण टोले के ग्रामीणों को विशेषकर बरसात के दिनों में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। युवा कांग्रेस अध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि प्रशासनिक पदाधिकारियों के उदासीन रवैये के कारण आज तक इस सड़क का निर्माण नहीं हो पाया। बरसात में सड़क कीचड़ और दलदल में तब्दील हो जाती है, जिससे लोगों का आवागमन बेहद कठिन हो जाता है। छठ महापर्व को देखते हुए ग्रामीणों की सुविधा के लिए सड़क की मरम्मत तत्काल करायी गयी है। उन्होंने कहा कि जब तक प्रशासन अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाएगा, तब तक समाज के जिम्मेदार लोगों को आगे आकर जनहित के कार्यों में सहयोग करना चाहिए। ग्रामीण विजय कुमार, चंद्रदेव कुमार, अखिलेश कुमार, अनिल राम, संतोष कुमार, राकेश कुमार, विवेक कुमार, सुभाष कुमार और मनोज कुमार सहित अन्य लोगों ने बताया कि जरही के संतन चौधरी के घर से कुशमाहा टोला तक सड़क की दुर्दशा के कारण उन्हें लंबे समय से भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों ने कहा कि बरसात में सड़क इतनी दलदली हो जाती थी कि मोटरसाइकिल तक नहीं जा सकती थी। चार पहिया वाहन ले जाना तो नामुमकिन था। सड़क निर्माण को लेकर कई बार मांग की गई, लेकिन किसी ने पहल नहीं की। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी इस दिशा में कभी गंभीरता नहीं दिखाई। यह भी बताया कि अचानक किसी की तबीयत खराब होने पर मरीज को अस्पताल पहुंचाना अत्यंत मुश्किल हो जाता था। उन्होंने कहा कि यदि इस सड़क को जरही मुख्य मार्ग से जोड़ दिया जाए, तो पूरे टोले को भारी राहत मिलेगी।

पेंशनर बैंकों को अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करें : केके यादव

गढ़वा (आजाद सिपाही)। झारखंड पेंशनर्स कल्याण समाज गढ़वा के अध्यक्ष केके यादव ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि यदि किसी भी पेंशनर को अपने विभाग से पेंशन संबंधी समस्या हो रही हो, उन्हें समय पर पेंशन नहीं दिया जा रहा हो, तो वे अपनी समस्याओं को संगठन से मुलाकात कर अवगत करा सकते हैं। कहा कि अक्टूबर एवं नवंबर महीने में जीवंत प्रमाण पत्र, लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना है। वैसे पेंशनर जिनकी उम्र 80 वर्ष एवं उससे अधिक है उन्हें अक्टूबर महीने में ही अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करना है। जबकि जिन पेंशनर की उम्र 60- 80 के बीच है, उन्हें नवंबर महीने में अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करना है। वे चाहें तो अपने-अपने बैंको की शाखा में प्रमाण पत्र समय पर जमा कर दें। यदि किसी को कोई दिक्कत हो तो इस संगठन के कार्यालय में आकर अपनी समस्या बता सकते हैं।

सेहत से खिलवाड़ : डालडा-रिफाइंड तेल मिलाकर बनाया जा रहा 'नकली घी'

बिहार के डेहरी से आयी आधा दर्जन महिलाएं मिलकर कर रही यह गोरखधंधा

विमलेश कुमार

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। त्योहारी मौसम (दीपावली और छठ पूजा) में मिठाइयों और लजीज पकवान में जायका बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य वर्धक 'घी' का धड़ल्ले से इस्तेमाल होता है। लेकिन इसी त्योहार की आड़ में कुछ लोग चंद पैसे के लालच में लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने से भी गुरेज नहीं करते हैं। ऐसा ही मामला भवनाथपुर बाजार और ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है, जहां दीपावली से लेकर छठ पूजा तक में डालडा (वनस्पति घी) और रिफाइंड तेल को मिलाकर 'नकली घी' बेचा जा रहा है। यह कार्य बिहार के डेहरी से आयी आधा दर्जन महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। बढ़ती महंगाई और असली देसी घी के ऊंचे दामों के बीच यह मिश्रण लोगों को सस्ता विकल्प तो दे रहा, लेकिन उनके स्वास्थ्य को गहरा नुकसान भी पहुंचा रहा है।

डालडा-रिफाइंड का मिश्रण

डालडा एक प्रकार का वनस्पति घी होता है, जिसे वनस्पति तेलों से हाइड्रोजनेशन प्रक्रिया की मदद से आग पर गर्म कर तैयार किया जाता है। वहीं रिफाइंड तेल वनस्पति तेल को रासायनिक प्रक्रिया से साफ कर तैयार किया जाता है। दोनों को मिलाने से एक ऐसा पदार्थ बनता है जो दिखने में देसी घी जैसा लगता है और सस्ता भी पड़ता है। यही वजह है कि कई जगह दुकानदार इसे 'शुद्ध घी' के नाम से भी बेच रहे हैं।

फायदा और बचत

डालडा और रिफाइंड तेल के मिश्रण से तैयार यह नकली घी बाजार में असली घी की तुलना में लगभग 40 से 60 प्रतिशत तक सस्ता होता है। आम उपभोक्ता के लिए यह तुरंत उपलब्ध और जेब पर हल्का विकल्प बन जाता है। मिठाई दुकानों और छोटे रेस्टोरेंट में भी इसका इस्तेमाल बढ़ा है क्योंकि इससे उत्पादन लागत कम होती है और मुनाफा अधिक। पर भवनाथपुर सीएचसी डॉ दिनेश सिंह की मानें तो डालडा में मौजूद ट्रांस फैट और रिफाइंड तेल में मौजूद रासायनिक अवशेष शरीर में धीरे-धीरे जमा होकर दिल की बीमारियों, मोटापा, ब्लड प्रेशर और मधुमेह जैसी समस्याओं का कारण बनते हैं। लंबे समय तक इसका सेवन लिवर और पाचन तंत्र को भी प्रभावित कर सकता है। वहीं, विशेषज्ञ बताते हैं कि असली देसी घी की खुशबू प्राकृतिक होती है और यह हल्के ताप पर तुरंत पिघल जाता है। वहीं नकली या मिलावटी घी परतदार जमता है और फ्रिज में रखने पर उसमें धब्बे दिखाई देते हैं। उपभोक्ताओं को खरीदारी करते समय लेबल, ब्रांड और एफएसएसएआई मार्क की जांच अवश्य करनी चाहिए।

एसडीएम ने आधी रात को गढ़वा जेल में की छापामारी

मंडल कारा में सुरक्षा को लेकर की गयी सघन जांच-तलाशी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा जेल में छापामारी करते एसडीएम सह जेल सुपरिटेंडेंट संजय कुमार।

गढ़वा। सदर एसडीएम सह जेल सुपरिटेंडेंट संजय कुमार के नेतृत्व में मंगलवार की देर रात गढ़वा जिला जेल में औचक छापामारी कर सघन तलाशी अभियान चलाया गया। प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त टीम ने रात करीब 11 बजे जेल परिसर में प्रवेश कर सभी वार्डों, बैरकों, कक्षों एवं अन्य हिस्सों की बारीकी से जांच की। इस दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नीरज कुमार, प्रशिक्षु डीएसपी चिरंजीव मंडल, विभिन्न थानों के थाना प्रभारी एवं पुलिस बल (महिला एवं पुरुष) बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। टीमों को अलग-अलग हिस्सों में तैनात कर व्यापक तलाशी ली गई। हालांकि जांच के क्रम में कोई आपत्तिजनक या संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। सभी वार्डों में कैदियों की रजिस्टर अनुसार उपस्थिति एवं हर वार्ड की आंतरिक विधि व्यवस्था की भी जांच की गई। एसडीएम संजय कुमार ने बताया कि जेल की सुरक्षा एवं अनुशासन को बनाए रखने के लिए नियमित अंतराल पर ऐसे औचक निरीक्षण किए जाते हैं। उसी क्रम में यह छापामारी डीसी एवं एसपी के निर्देश पर की गई थी। छापामारी लगभग 45 मिनट तक चली। उन्होंने कहा कि जेल में अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता वाला विषय होता है। इसलिए ऐसे निरीक्षणों का उद्देश्य न केवल संभावित अनियमितताओं पर रोक लगाना है, बल्कि कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार और जेल की मूलभूत व्यवस्थाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना भी है। उन्होंने जेल के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जेल मैनुअल के अनुसार कारागार की समस्त गतिविधियों को संचालित करने, सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच, प्रकाश व्यवस्था की दुरुस्ती और सीसीटीवी निगरानी, जेल के अंदर प्रवेश करने वाली वस्तुओं की सघन स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेताते हुए कहा कि जेल से जुड़े किसी विषय में छोटी सी भी लापरवाही को क्षमा नहीं किया जायेगा। अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि भविष्य में इस प्रकार की औचक छापामारियों का सिलसिला जारी रहेगा, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, प्रतिबंधित वस्तु या अनुशासनहीनता की किसी भी संभावना को रोका जा सके।

सगमा में छठ घाटों पर पुलिस की नजर, थाना प्रभारी ने किया निरीक्षण

सगमा/गढ़वा (आजाद सिपाही)। धुरकी थाना प्रभारी जनार्दन राऊत के नेतृत्व में बुधवार को सगमा प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने घाटों की साफ-सफाई में जुटी पूजा समितियों से संवाद कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। थाना प्रभारी ने कहा कि छठ महापर्व न सिर्फ धार्मिक आस्था से जुड़ा पर्व है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी है। ऐसे में घाटों की स्वच्छता और व्रतधारियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखना जरूरी है, ताकि किसी को कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि छठ घाटों पर उमड़ने वाली भीड़ को नियंत्रित रखने के लिए पूजा समिति को विशेष निगरानी व्यवस्था करनी चाहिए। साथ ही असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखते हुए किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए पुलिस तंत्र को मजबूत बनाया गया है। इस दौरान थाना प्रभारी ने प्रखंड क्षेत्र के मुखिया, प्रमुख और पंचायत प्रतिनिधियों से अपील की कि वे छठ महापर्व को शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न कराने में प्रशासन का सहयोग करें। इसी क्रम में बीरबल गांव में पूजा समिति के सदस्यों ने थाना प्रभारी जनार्दन राऊत का स्वागत किया। इस मौके पर मुखिया इंद्रजीत कुशवाहा, प्रमुख अजय साह, समिति अध्यक्ष बालेश्वर यादव, सुरेंद्र कुमार, श्रीकांत यादव और रामोड प्रसाद सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

एक साल से लापता संजय कोरवा का वीडियो वायरल, दीपावली में घर में लौटी खुशियां

मानसिक रूप से हो चुका है विक्षिप्त, घर लाने की चल रही तैयारी

संजय कोरवा के जीवित होने की खबर सुनकर भावुक होती मां लक्ष्मी देवी।

राजू सिंह

विशुनपुरा/गढ़वा (आजाद सिपाही)। दीपावली की रोशनी इस बार विशुनपुरा प्रखंड के सुदूरवर्ती सारो गांव के लिए उम्मीद की नई किरण लेकर आई है। एक साल से लापता आदिम जनजाति समुदाय के युवक संजय कोरवा (27) का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उसके घर में फिर से खुशियां लौट आई है। रामचंद्र कोरवा और लक्ष्मी देवी का परिवार, पिछले एक वर्ष से बेटे की तलाश में भटक रहा था। बतातें चलें कि संजय अपने चचेरे भाई महेंद्र कोरवा के साथ श्री बंशीधर नगर क्षेत्र के कोईदी गांव के ठेकेदार की मदद से राजस्थान मजदूरी करने गया था। कुछ महीनों बाद दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद संजय बिना किसी को बताए वहां से गायब हो गया। परिजनों ने ठेकेदार और स्थानीय लोगों की मदद से उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन कोई पता नहीं चला। इस बीच महेंद्र बीमारी के कारण घर लौटा और कुछ समय बाद उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिवार ने संजय की वापसी की सारी उम्मीदें खो दी थीं।

मानव सेवा संगठन ने कराई पहचान, जागी उम्मीदें : हाल ही में राजस्थान के एक मानव सेवा संगठन ने सड़क किनारे मिले एक विक्षिप्त युवक को नहला-धुलाकर भोजन कराते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया। वीडियो में युवक ने अपना नाम झारखंड के सारो गांव निवासी संजय कोरवा के रूप में बताया। यह वीडियो जैसे ही गांव पहुंचा, पूरे परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई।

शादी टूटने के बाद टूट गया था मनोबल

संजय की शादी वर्ष 2021 में रंका प्रखंड के कुदरुम गांव में हुई थी, लेकिन कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान उसकी पत्नी ससुराल नहीं आ सकी और उसका रिश्ता टूट गया। इस घटना से मानसिक रूप से टूट चुके संजय ने घर की खराब आर्थिक स्थिति देखते हुए मजदूरी के लिए राजस्थान का रुख किया था। दूसरी ओर, संजय के पिता रामचंद्र कोरवा और मां लक्ष्मी देवी ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है, ताकि उनका बेटा सुरक्षित घर लौट सके। दोनों दंपती मजदूरी कर किसी तरह परिवार का भरण-पोषण करते हैं। परिवार की स्थिति को देखते हुए प्रखंड उप प्रमुख प्रतिनिधि अजय पाल ने आगे आकर दो हजार रुपये की आर्थिक सहयोग की। कहा कि वे हर संभव सहायता के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने इस संबंध में सीओ सह बीडीओ खगेश कुमार से भी बातचीत की। दूसरी ओर, लेबर सुपरिटेंडेंट संजय आनंद ने फोन पर संपर्क करने पर कहा कि प्रवासी मजदूर को घर वापस लाने के लिए हमारे पास कोई कोष उपलब्ध नहीं है। फिर भी हम लगातार प्रयास में लगे हुए हैं। जल्द ही संजय को राजस्थान से लाकर उसके परिजनों को सौंप दिया जाएगा। इस मौके पर बीडीसी अजय पाल, विश्वास वियार, ब्रजेश सिंह, इमामुद्दीन अंसारी, शमशेर अंसारी, वशीर अंसारी, जवुन बीवी, तमन्ना वीची, इलादुन मियां आदि मौजूद रहे।

विधिक सेवा प्राधिकरण ने शुरू की पहल

रांची झालसा के निर्देश पर गढ़वा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने मामले में तत्परता दिखाई। पीएलवी कृष्णानंद दुबे और अरविंद तिवारी सारो गांव पहुंचे और परिजनों से पूरी जानकारी ली। उन्होंने आश्वासन दिया कि राजस्थान से संजय को जल्द रेस्क्यू कर घर लाया जाएगा।

मृतक बच्ची के परिजनों से मिला डालसा का प्रतिनिधिदल, मदद का दिया आश्वासन

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के बुका गांव में 17 अक्टूबर को नदी में डूबने से 10 वर्षीय पुष्पा कुमारी नामक बच्ची की हुए मौत की घटी घटना के आलोक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष प्रधान जिला, सत्र न्यायधीश मनोज प्रसाद एवं सचिव निभा रंजना लकड़ा के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की चार सदस्यों की पीएलवी की टीम ने मृतक पुष्पा कुमारी के घर का दौरा किया। पुष्पा की अपने ही गांव स्थित नदी में डूबने से मौत हो गई थी। उसके पिता दशरथ पासवान जो की प्रवासी मजदूर का काम करते थे उनको गांव के लोगों से घटना की जानकारी मिली। पीएलवी के सदस्यों ने परिजनों को इस दुःख की घड़ी में हर संभव मदद करने का भरोसा दिला और आपदा प्रबंधन से मिलने वाली मुआवजा राशि के विषय में जानकारी दी। साथ ही आवश्यक कागजात बनवाने का निर्देश दिया। इस मौके पर पीएलवी सुधीर कुमार चौबे,विकास कुमार पिंटू कुमार, सबिता देवी शामिल थे।

छठ पर्व में मांस-शराब की बिक्री पर रोक लगाने की मांग

कांडी (आजाद सिपाही)। भाजपा मंडल अध्यक्ष शशि रंजन दुबे एवं रामलाला दुबे ने बुधवार को थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के दौरान क्षेत्र में मांस, मछली, अंडा एवं शराब की खुलेआम बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा कि इस पवित्र पर्व के दौरान भी कई जगह बूचड़खाने और नशे के पदार्थों की दुकानें खुली हुई हैं, जिससे श्रद्धालुओं की धार्मिक भावना आहत हो रही है। पूजा-पाठ के वातावरण में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। नेताओं ने आरोप लगाया कि झामुमो सरकार का दोहरा चरित्र इससे उजागर हो रहा है, क्योंकि एक ओर लोक आस्था के पर्व की बात की जाती है, वहीं दूसरी ओर इस तरह की गतिविधियों पर रोक नहीं लगाई जा रही है। उन्होंने थाना प्रभारी से अनुरोध किया है कि अविलंब बूचड़खाने, मांस, मछली, अंडा और शराब की बिक्री पर रोक लगाई जाए और सतबहिनी झरना तीर्थ स्थल, भंडारिया से सुंडीपुर सोन नदी और सुंडीपुर से डुमासोता सोन नदी तक स्थित सभी छठ घाटों पर विशेष सुरक्षा बल की व्यवस्था की जाए, ताकि छठ पर्व शांतिपूर्ण व श्रद्धापूर्ण माहौल में संपन्न हो सके।

जंगल में लकड़ी चुनने गयी दो महिलाओं को सांप के काटा

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। केतार थाना क्षेत्र के बीजडीह निवासी धर्मेंद्र पासवान की पत्नी रीना देवी को सांप ने काट लिया, जिससे उसकी स्थिति गंभीर बतायी जा रही है। उसे ईलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सक ने उपचार के बाद बेहतर ईलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार रीना देवी बुधवार की सुबह जंगल से लकड़ी लेने जा रही थी, तभी उसे विषैले सर्प ने काट लिया। जबकि भवनाथपुर थाना क्षेत्र के सिंघीताली निवासी अरुण कुमार की पत्नी रानी कुमारी भी सांप के काटने से घायल हो गई। रानी कुमारी भी बुधवार के सुबह जंगल लकड़ी लेने गई थी, जहां झाड़ी से लकड़ी निकालने के दौरान विषैले सर्प ने काट लिया। उसका उपचार स्थानीय सीएचसी में किया जा रहा था।

पूर्व मंत्री रामचंद्र केसरी की मनायी गयी 90 वीं जयंती

गढ़वा (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार के पहले कैबिनेट मंत्री संघर्ष शील नेता रामचंद्र केसरी का 90वां जन्मदिन मनाया गया। शहर के मेन रोड स्थित, टाइटन शोरूम के पास पूर्व मंत्री केसरी असहाय एवं दिव्यांग के बीच उत्साह के साथ जन्मदिन मनाया गया। इस दौरान लोगों को अंग वस्त्र एवं भोजन का पैकेट वितरित किया गया। रामचंद्र केशरी संपूर्ण जीवन लाचार, बेबस एवं जरूरतमंद के अधिकार के लिए जन आंदोलन के माध्यम से लड़ते रहे। इस अवसर पर उनके मौसेरे भाई सरजू प्रसाद केसरी, सुशील केसरी, चंदन केसरी, रीता केसरी, अलीशा केसरी, नितेश केसरी, ओमप्रकाश केसरी, कमलेश कुमार गुप्ता, उमेश सहाय, प्रत्यूष केसरी, नंदकुमार गुप्ता, विनोद कमलापुरी, संतोष कुमार, संदीप केसरी और अजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में दो घायल

मुखिया ने चिकित्सा व्यवस्था पर जतायी नाराजगी, उपायुक्त से की शिकायत

आजाद सिपाही संवाददाता

सेन्हा/ लोहरदगा। सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार दो लोग घायल हो गये। जिसे निजी वाहन से घायल अवस्था में पशु चिकित्सक ओसिक अंसारी के मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेन्हा में इलाज के लिये भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के पश्चात एक घायल व्यक्ति को रेफर कर दिया गया। वहीं दूसरे व्यक्ति का स्वास्थ्य स्थिति ठीक बताते हुए इलाज के पश्चात घर भेजा गया। घटना सेन्हा थाना क्षेत्र के भड़गांव ईंट भट्ठा के समीप एनएच 143 ए लोहरदगा गुमला मुख्य पथ पर देर शाम की है। बताया जाता है कि अज्ञात बोलोरो के चपेट में आने से दो लोग घायल हो गये। घायल का पहचान सेन्हा थाना क्षेत्र के नौदी निवासी स्वर्गीय सोमराज उरांव का 22 वर्षीय पुत्र बालकिशुन उरांव तथा मुर्की निवासी स्वर्गीय वसुआ उरांव का 40 वर्षीय पुत्र सुकेश उरांव के रूप में किया गया है। दोनों मोटरसाइकिल से सेरेंगदाग थाना क्षेत्र के तुईमु झांपी पथल गांव से नौदी आ रहे थे। उसी दौरान भड़गांव ईंट भट्ठा के समीप अज्ञात बोलोरो के चपेट में आने से मोटसाइकिल सवार दोनों व्यक्ति गाड़ी से फेका गये जिसे शरीर के कई हिस्सों में चोटें आयी है। फिलहाल बालकिशुन उरांव को सेन्हा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उचार के बाद बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल लोहरदगा रेफर किया गया है और क्षतिग्रस्त वाहन को पुलिस अपने कब्जे में लेकर थाना में सुरक्षित रखते हुए अज्ञात बोलोरो की तलाश में जुट गयी है। वहीं सेन्हा पंचायत मुखिया धनवाज उरांव ने घटना की सूचना पर अस्पताल पहुंच जायजा लिया और चिकित्सक की लापरवाही को देखते हुए उपायुक्त से शिकायत करते हुए चिकित्सा व्यवस्था में सुधार का मांग किया है।

राहुल सिंह गिरोह के पांच शूटर गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार संगठित अपराध के खिलाफ लातेहार पुलिस ने कुख्यात अपराधी राहुल सिंह के गिरोह से जुड़े पांच शूटरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो देशी पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस और पांच मोबाइल फोन बरामद किये गये हैं। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक सभागार में प्रेस कांफ्रेंस कर पूरे मामले की जानकारी दी। एसपी ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि राहुल सिंह गिरोह के गुर्गे टोरी स्टेशन के पास कोयला लोडिंग कार्य में लगे लोगों से रंगदारी वसूलने के लिए गोलीबारी करने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर एसडीपीओ अरविन्द कुमार के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम गठित की गयी। टीम में थाना प्रभारी रणधीर कुमार, साइबर सेल के राहुल कुमार दुबे और सैट बल के जवान शामिल थे। पुलिस टीम ने देर रात ग्राम परसही, डगडगी पुल के पास घेराबंदी की और मौके से पांचों अपराधियों को दबोच लिया। गिरफ्तार किये गये अपराधियों की पहचान विश्वनाथ उरांव (कांके, रांची), संदीप यादव (घाघरा, गुमला), फुलचंद खलखो (नगड़ी, रांची), तुलसी मुंडा (बेड़ो, रांची) और तनवीर अंसारी (रातू, रांची) के रूप में हुई है। एसपी कुमार गौरव ने बताया कि ये सभी अपराधी राहुल सिंह गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं और क्षेत्र में भय का माहौल बनाकर रंगदारी वसूलने का काम करते है। पुलिस को इनके पास से मिली मोबाइल फोन की कॉल डिटेल और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गिरोह के बाकी सदस्यों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि गिरोह के खिलाफ अभियान जारी रहेगा और जल्द ही इसके मास्टरमाइंड समेत अन्य सहयोगियों को भी गिरफ्तार किया जायेगा। छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं बल अरविन्द कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी लातेहार, पुनि रणधीर कुमार, पुअनि श्रवण कुमार, पुअनि अजीत कुमार, सअनि भीम कुमार, आ 582 राहुल कुमार दूबे, साइबर सेल, लातेहार, आ 262 बिन्देश्वर राम, आ 466 शिव कुमार, आ 260 पिन्टु कुमार सैट 206 माल्हन पिकेट, आ 518 त्रिलोकी सिंह सैट 44 चन्दवा थाना, आ 342 बसंत कुमार, सैट-47, चेटर पिकेट के बल शामिल थे।

चंदवा में अपराधियों ने जेसीबी और ट्रैक्टर को फूंका

आजाद सिपाही संवाददाता

चंदवा। चंदवा लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र के बेतर गांव में निर्माणाधीन एक निजी कॉलेज में काम कर रहे एक जेसीबी और एक ट्रैक्टर में आग लगा दी गयी। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि घटना को नक्सलियों ने अंजाम दिया या अपराधियों ने पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बीती रात अज्ञात लोग अचानक कॉलेज परिसर में घुस आये और वहां खड़ी जेसीबी और ट्रैक्टर में आग लगा दी। कुछ ही देर में आग भड़क गयी और दोनों वाहन पूरी तरह से इसकी चपेट में आ गये। वाहनों में आग लगते देख पुलिस को सूचना दी गयी। बेतर गांव स्थित पुलिस पिकेट पर तैनात पुलिस अधिकारी और जवान मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक अपराधी भाग चुके थे। कॉलेज परिसर में काम कर रहे मजदूरों और अन्य लोगों ने पानी और बालू डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। सूत्रों से पता चला है कि नक्सली कुछ समय से रंगदारी मांगने की धमकियां दे रहे थे। हालांकि, घटना के बाद कोई पर्चा या पोस्टर नहीं फेंके जाने के कारण यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि घटना को किसने अंजाम दिया।

लातेहार के डीएसपी अरविंद कुमार ने बताया कि घटना को किसने अंजाम दिया, इसकी जांच की जा रही है।

सरकारी जमीन पर भूमाफियाओं का कब्जा विरोध करने वालों को जान से मारने धमकी

आजाद सिपाही संवाददाता

मनिका/ लातेहार। प्रखंड क्षेत्र में भू-माफियाओं के द्वारा सरकारी जमीन पर ही कब्जा जमा लिया जा रहा है, जब इसका नेता लोग विरोध कर रहे हैं तो उनको ही जान से मारने की धमकी दी जा रही है। ऐसा ही ताजा मामला प्रखंड मुख्यालय का है, जिस संबंध में कांग्रेसी नेता सुरेंद्र पासवान एवं लव कुमार दुबे ने मनिका थाना में आवेदन देकर भू-माफिया प्रदुमन प्रसाद पर जान से मारने की धमकी देने के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग किया है। वहीं आवेदन के माध्यम से सुरेंद्र पासवान ने बताया कि हम लोग समाज के हित में कार्य करने वाले सामाजिक व्यक्ति हैं और हाल के दिनों में मैं और मेरे साथी लव कुमार दुबे प्रखंड मुख्यालय स्थित सरकारी भूमि पर लगभग 10 एकड़ भूमि पर भूमाफियाओं के द्वारा अवैध कब्जा किये जाने के संबंध में आवाज उठाया जा रहा है जिसे लेकर लगातार कई समाचार पत्रों में भी मामला प्रकाशित हुआ है। उक्त समाचार प्रकाशित होने के बाद प्रदुमन प्रसाद नामक व्यक्ति जो की विद्यासागर आवासीय विद्यालय का संचालक है इसके द्वारा अत्यंत ही और असामाजिक एवं आपराधिक मानसिकता प्रदर्शित किया गया है उक्त व्यक्ति के द्वारा एक पत्रकार के समक्ष यह कहा गया कि आप चुप हो जाइये और जो नेता सरकारी जमीन का मामला उठा रहा है उसे हम देख लेंगे। आजकल 10 से 20 हजार में शूटर भी मिलता है अगर मेरा नुकसान होगा तो हम भी उन लोगों को नहीं छोड़ेंगे। यह बोला गया और कहा गया कि यह बात लव कुमार दुबे एवं सुरेंद्र पासवान को बोल दीजियेगा। वहीं सुरेंद्र पासवान ने कहा कि यह सीधी तौर पर हत्या की धमकी है और इस तरह की धमकी खुलेआम पत्रकार के पास दी गयी है जिससे साफ है कि उक्त व्यक्ति का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह कानून व्यवस्था को खुली चुनौती दे रहा है। वहीं इस संबंध में विद्यासागर आवासीय विद्यालय के संचालक प्रदुमण प्रसाद से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस प्रकार का वाक्या मेरे द्वारा सुरेन्द्र पासवान एवं लव कुमार दुबे के समक्ष नहीं बोला गया है। प्रशासन दिये गये आवेदन के अनुसार हर बिंदु पर जांच करें।

कई वर्षों से फरार वारंटी को कुडू पुलिस ने पकड़ा

आजाद सिपाही संवाददाता

कुडू / लोहरदगा। न्यायालय, लोहरदगा के जीआर-539/08 एवं टीआर 532/11 के तहत निर्गत स्थायी वारंट के आलोक में थाना क्षेत्र के जिंगी गांव निवासी पहलू महली को कुडू पुलिस ने गिरफ्तार कर बुधवार, 22 अक्टूबर को अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी, लोहरदगा के न्यायालय में प्रस्तुत किया। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि उक्त वारंटी लंबे समय से फरार चल रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर विशेष टीम गठित कर कार्रवाई की गयी और आरोपी को उसके घर के पास से दबोच लिया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी है।

लोहरदगा पुलिस ने चलाया स्वच्छता अभियान

हाथों में झाड़ू और कूड़ेदान लेकर एसपी स्वयं कर रहे थे सफाई

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। सूर्य उपासना के महापर्व छठ को लेकर लोहरदगा जिले में पुलिस प्रशासन की ओर से स्वच्छता और सुरक्षा दोनों मोर्चों पर विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान की शुरूआत राम मंदिर तालाब, बड़ा तालाब और ठकुराइन तालाब से की गयी। जहां स्वयं वरिष्ठ पुलिस अधिकारी झाड़ू और कूड़ेदान लेकर मैदान में उतरे। इस अवसर पर लोहरदगा एसपी सादिक अनवर रिजवी, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा और किस्को एसडीपीओ वेदांत शंकर ने पुलिस बल के जवानों के साथ मिलकर घाटों की साफ-सफाई की। सभी अधिकारियों ने तालाब किनारे जमा कचरे, प्लास्टिक और मलबे को हटाया, ताकि श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो। एसपी सादिक अनवर रिजवी ने मौके पर कहा कि 'छठ महापर्व सिर्फ आस्था और सूर्य उपासना का पर्व नहीं, बल्कि यह समाज में एकता, स्वच्छता और अनुशासन का संदेश देने वाला त्योहार है। हम सभी से आग्रह करते हैं कि छठ के दौरान घाटों की स्वच्छता बनाए रखें, प्लास्टिक और कचरा घाटों पर न फेंके। यह पर्व तभी सार्थक होगा जब हम स्वच्छ और शांतिपूर्ण वातावरण में इसे मनाएं।' उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले दिनों में सभी छठ घाटों की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जायेगा। विशेष पेट्रोलिंग दल, महिला पुलिस बल और गोताखोरों की टीम को तैनात किया जायेगा ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा ने कहा कि यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं रहेगा। पुलिस प्रशासन छठ पर्व तक लगातार घाटों की निगरानी और साफ-सफाई करवायेगा ताकि श्रद्धालुओं को हर संभव सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि इस बार प्रशासन का लक्ष्य है कि लोहरदगा जिले के सभी घाट 'स्वच्छ छठ घाट' के रूप में पहचाने जाये। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने पुलिस की इस पहल का स्वागत किया। पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे इस सफाई अभियान में सहयोग करें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

पीटीआर प्रबंधन ने वनरक्षियों के कार्यक्षेत्र में किया फेरबदल

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। पीटीआर प्रबंधन ने नॉर्थ डिविजन में कार्यरत वनरक्षियों के कार्यक्षेत्र में नियुक्ति के आठ साल बाद पहली बार व्यापक फेरबदल किया है। इस संबंध रेंजर उमेश कुमार दूबे ने प्रशासनिक व्यवस्था को दुरुस्त करने की दृष्टि से वनरक्षियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किए जाने की बात बतायी। विभागीय कार्यालय से निर्गत पत्र के अनुसार बेतला कंपार्टमेंट एक के प्रभारी वनपाल रामकुमार और कॉम्प्लेक्स प्रभारी शशांक शेखर पांडेय का स्थानांतरण छिपादोहर पूर्वी रेंज में किया गया है। जबकि छिपादोहर के वनरक्षी नंदलाल साहू को रामकुमार की जगह पर बेतला कंपार्टमेंट एक का प्रभारी वनपाल बनाया गया है। इसके अलावा 12 अन्य वनरक्षियों के सिर्फ बीट में बदलाव करते हुए इधर से उधर किया गया है। वहीं बेतला कंपार्टमेंट दो के प्रभारी वनपाल संतोष सिंह को एक कॉम्प्लेक्स' प्रभारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर में मेधावी छात्र-छात्राओं का परिचय सह सम्मान समारोह

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के तत्वाधान में भारत पतंजलि स्वाभिमान एवं पतंजलि योग समिति के बैनरतले बुधवार को सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर लोहरदगा में मेधावी छात्र-छात्राओं के परिचय सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पतंजलि योग समिति एवं वनवासी कल्याण केंद्र के कृपा प्रसाद सिंह, शांति आश्रम के आचार्य शरत चंद्र, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सच्चिदानंद प्रसाद, बार एसोसिएशन अध्यक्ष अधिवक्ता हेमंत कुमार सिन्हा, फौजी रिटायर्ड, समाजसेवलवी सह प्रसिद्ध दंत चिकित्सक डॉ टी साहू आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सच्चिदानंद प्रसाद ने बच्चों को सफल होने की मूल, गूढ़ बातें बताते हुए कहा पहले संयुक्त परिवार रहा करते थे। आज हम दो हमारे दो की जगह हमारे एक हो गये है। उन्होंने कहा आज बहुत से बच्चे डिप्रेशन में जा रहे है जिसका मुख्य कारण यह है कि हमारी भारतीय समाज में जो परिवारिक व्यवस्था थी उसमें कमियां आयी है। जिसके कारण ही बहुत ऐसे बच्चे है जो डिप्रेशन का शिकार हो रहे है। उन्हें आवश्यकता है अपने अभिभावकों के साथ खुलकर बात करने की। कृपा प्रसाद सिंह ने कहा कि शांति आश्रम और बनवासी कल्याण केंद्र जैसी संस्थाओं के सहयोग से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में छुपी प्रतिभा को निखारने एवं प्रोत्साहित करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने युवा जगत के छात्रों से अपील करते हुवे कहा छात्र पहले देश और राष्ट्रहित का कार्य करें उसके पश्चात ही अपने हितों का कार्य करें। कार्यक्रम को अन्य लोगों के अलावे राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक गणेश लाल ने भी संबोधित किया।

वहीं कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए अधिवक्ता हेमंत कुमार सिन्हा ने सभी प्रतिभावान छात्रों से परिचय प्राप्त कर उन्हें अपने लक्ष्य को प्राप्त करने एवं उनकी उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं विभिन्न क्षेत्रों में जिले का नाम रौशन करने वाले छात्रों में पुष्पांजलि कुमारी, दिव्या कुमारी, अर्चना कुमारी, सृष्टि सिंह, स्मृति सिंह, सुदीपा पाठक, आयुष कुमार, सौरभ कुमार, वैष्णवी कुमारी सोनी, आदित्य कुमुद आदि को पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। मौके पर विवेक कुमार मधुर, प्रवीण कुमार भारती समेत अन्य मौजूद थे।

दो बाइकों की टक्कर में तीन लोग घायल

भंडरा (आजाद सिपाही)। भंडरा-लोहरदगा मुख्य पथ में मसमानो मोड़ के समीप बुधवार को दो मोटर साइकिल के आमने-सामने भिड़ंत से तीन लोग गंभीर रुप से घायल हो गये। जिसे स्थानीय लोगों द्वारा भंडरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां तीनों घायल युवकों का इलाज चल रहा है। बता दें कि रांची जिले के टांगर बसली थाना क्षेत्र के प्रयागो गांव निवासी मकबूल मरहूम के पुत्र हसीब अंसारी (22 वर्ष) अपने मोटर साइकिल से टांगरबसली जा रहे थे, इसी दौरान विपरीत दिशा से मोटर साइकिल में आ रहे भंडरा निवासी स्वर्गीय रामधन महतो के पुत्र अजय महतो (40 वर्ष) और उसके दोस्त स्वर्गीय बलसु राम के पुत्र दिनेश राम (42 वर्ष) के बीच भिड़ंत हो गयी। जिसमें मोटर साइकिल सवार तीनों लोगों को गंभीर चोटें आयी है। इधर घटना की सूचना मिलते ही भंडरा थाना पुलिस जांच-पड़ताल में जुट गयी है।

सुखैर भगत का महिला कांग्रेसियों ने किया स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

सेन्हा/ लोहरदगा। जिला कांग्रेस कमिटी के जिलाध्यक्ष सुखैर भगत को पुनः जिला अध्यक्ष बनाये जाने के उपलक्ष्य में सेन्हा स्थित उनके आवास पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर पूर्व महिला जिलाध्यक्ष सीमा भगत के नेतृत्व में उर्सला कुजूर, कमला पन्ना, लालमुनी उरांव, विमला मिंज एवं उषा खाखा सहित कांग्रेस पार्टी के कई महिला कार्यकर्ताओं ने सुखैर भगत को पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं मिठाई खिलाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वही इस दरमियान जिला कांग्रेस कमिटी को और अधिक मजबूत एवं सशक्त बनाने और आगामी नगरपालिका चुनाव को लेकर रणनीति चर्चा करते हुए संगठन में सक्रिय एवं ईमानदार कार्यकताओं को जोड़ने सहित कई सकारात्मक विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। मौके पर विशेष रूप से जिला सोशल मीडिया प्रभारी प्रकाश उरांव, सेन्हा प्रखंड सांसद प्रतिनिधि नंदकिशोर शुक्ला पूर्व मंडल अध्यक्ष रुस्तम अंसारी सहित अन्य कई कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे।

दीपावली और गोवर्धन पूजा के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

उड़ीसा से आये और गुमला जिला के घाघरा प्रखंड क्षेत्र के कलाकारों ने गीत संगीत से शमा बांध दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

सेन्हा/ लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र के अलौदी पंचायत अन्तर्गत हेसवे ग्राम में दीपावली और गोवर्धन पूजा के शुभ अवसर पर नागपुरी संस्कृति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हेसवे ग्राम निवासी सह पूर्व विधान मुख्य अतिथि पार्षद प्रवीण कुमार सिंह, विशिष्ट अतिथि झारखंड प्रदेश भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य ओमप्रकाश सिंह, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष राजमोहन राम, अधिवक्ता देवाशीष कार के द्वारा सामूहिक रूप से फिता काट कर प्रारंभ किया गया। वही पूर्व विधान पार्षद प्रवीण कुमार सिंह ने दीपावली और गोवर्धन पूजा का बधाई देते हुए कहा कि गोवर्धन पूजा का मतलब है गायों का सेवा करना और पूजा करना। जिसके उपलक्ष्य में नव युवक संघ हेसवे के युवाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम सराहनीय है। ग्रामीण क्षेत्र के माताओं बहनों को अपने सांस्कृतिक से अवगत करना और अपने धरोहर को बचाये रखने के लिये प्रेरित करना। साथ ही सभी लोगों से कार्यक्रम को शांति व सौहार्द से संपन्न कराने के लिये सहयोग करने का अपील किया गया। वही उड़ीसा से उर्मिला महंतो और गुमला जिला के घाघरा प्रखंड क्षेत्र के साथिया म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों लक्ष्मी नाथ, बड़ाइक दामिनी कुमारी, सुलोचना कुमारी, सुनीता कुजूर, सरस्वती कुमारी, योगेंद्र बड़ाइक, बिनु उरांव के द्वारा एक से बढ़ कर गाना दर्शकों का मनमोह और कार्यक्रम को शमा बांध लिया। मौके पर रामजीत यादव, जोयेश कुजूर, जयप्रकाश गोस्वामी, अर्जुन मिस्त्री, सोनू गोस्वामी, तेवारी उरांव,रोहित गोस्वामी, राजेश मुंडा, शरद यादव, प्रकाश भगत, सुरेश यादव सहित नव युवक संघ हेसवे का कार्यकर्ता और ग्रामीण महिला पुरुष बच्चे बच्चियां मौजूद थे।

बालूमाथ में 'वोट चोर गद्दी छोड़' अभियान के लिए कांग्रेस की बैठक

संतोष सिन्हा

बालूमाथ (आजाद सिपाही)। बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय में प्रखंड अध्यक्ष की अध्यक्षता में कांग्रेस पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। बैठक का मुख्य उद्देश्य पूरे प्रखंड और पंचायत स्तर पर 'वोट चोर गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान को जन-जन तक पहुंचाना था। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लातेहार जिला अध्यक्ष कामेश्वर यादव थे। साथ ही साथ सेवा दल जिला अध्यक्ष बृंद बिहारी यादव, एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष रविंद्र राम, यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमित यादव, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोतिउर रहमान, वरिष्ठ कांग्रेसी मो जुबैर तथा हेरहंज प्रखंड अध्यक्ष लाडले खान रहे। बैठक की अध्यक्षता कर रहे बालूमाथ प्रखंड अध्यक्ष अमिर हयात ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सच्चाई और संविधान की रक्षा के लिए मैदान में उतरी है। जनता अब समझ चुकी है कि किस तरह उनके वोटों की चोरी कर सत्ता पर काबिज लोग लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। यह हस्ताक्षर अभियान जनता की आवाज बनेगा और सत्ता के अहंकार को जवाब देगा। जिला अध्यक्ष कामेश्वर यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र बचाने की लड़ाई लड़ रही है। हर पंचायत में जाकर जनता से हस्ताक्षर कराकर बीजेपी की तानाशाही नीतियों के खिलाफ जनमत तैयार किया जायेगा। सेवा दल जिला अध्यक्ष बृंद बिहारी यादव ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी के संदेश को लेकर घर-घर जायेंगे। एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष रविंद्र राम ने कहा कि बीजेपी सरकार ने दलित, पिछड़ों और गरीबों के अधिकारों पर कुठाराघात किया है। वहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोतिउर रहमान ने कहा कि देश में नफरत की राजनीति फैलाकर जनता को बाँटने का काम हो रहा है, लेकिन राहुल गांधी ने देश को जोड़ने का संकल्प लिया है। हेरहंज प्रखंड अध्यक्ष लाडले खान ने कहा कि अब गांव-गांव में कांग्रेस कार्यकर्ता उतरेंगे और लोगों को बताएंगे कि भाजपा सरकार ने युवाओं, किसानों और बेरोजगारों से क्या वादे किए और कौन-कौन तोड़े। यह अभियान जनता की जागृति का प्रतीक बनेगा।

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 23 अक्टूबर, 2025
www.azadsipahi.in
09

राम मंदिर ठाकुरबाड़ी में अंकुट का प्रसाद का हुआ वितरण

मधुपुर (आजाद सिपाही)। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी शहर के राम मंदिर ठाकुरबारी में बुधवार की शाम भगवान अन्नकूट की पूजा और प्रसाद वितरण किया गया। बता दें कि देवघर जिला अंतर्गत मधुपुर स्थित राममंदिर ठाकुरबाड़ी में स्थापित भगवान अन्नकूट की पूजा एक मात्र यहीं होता है। श्री राम मंदिर ठाकुरबारी ट्रस्ट द्वारा लोगों को सहयोग राशि से व्यापक पैमाने पर शुल्क और निःशुल्क प्रसाद वितरण किया जाता है। भगवान अन्नकूट का भोग सात प्रकार के पकवानों से की जाती है। जिसमें बालूशाही, बुंदिया, पुआ, पूड़ी कचोड़ी, सब्जी प्रसाद के रूप में दी जाती है. मौके पर पुरुषोत्तम बथवाल, पट्टू बथवाल, संजय डालमिया,अनिल टिबड़ेवाल, बिनोद लछिरामका, पुरुषोत्तम अग्रवाल सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। प्रसाद वितरण को सफल बनाने में कल्पना घोष, अदिति सिंह, रेणु गिनोडिया, प्रेमा गुप्ता, पुष्प कुशवाला, सुनीता जायसवाल, बबली सेन, चंद्रिका शर्मा, की भूमिका सराहनीय रही।

देवघर सीओ पर विधायक की मेहरबानी कमिश्नर ने की कार्रवाई की अनुशंसा

विधायक सुरेश पासवान ने सीओ के समर्थन में सरकार को पत्र लिखकर उनका तबादला रोकने की अनुशंसा की है

आजाद सिपाही सांवाददता

अनिल कुमार राजस्व कार्यों के लिए उपयुक्त अधिकारी नहीं हैं : कमिश्नर

गौरतलब है कि अनिल कुमार पर पूर्व में भी विभिन्न अंचलों में रहते हुए अनियमितताओं के आरोप लग चुके हैं, जिन पर विभागीय कार्रवाई भी चली है। कमिश्नर ने साफ कहा है कि अनिल कुमार राजस्व कार्यों के लिए उपयुक्त अधिकारी नहीं हैं और उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाये।

देवघर। देवघर अंचल के सीओ अनिल कुमार पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। उनकी कार्यशैली और राजस्व मामलों में लापरवाही को लेकर जहां संताल परगना के प्रमंडलीय आयुक्त लालचंद डाडेल ने कार्रवाई की सिफारिश की है, वहीं देवघर के स्थानीय विधायक सुरेश पासवान ने सीओ के समर्थन में सरकार को पत्र लिखकर उनका तबादला रोकने की अनुशंसा की है। इस पूरे मामले ने देवघर से लेकर रांची तक के प्रशासनिक गलियारों में चर्चा को जन्म दे दिया है।

दरअसल, देवघर विधायक सुरेश पासवान ने भू-राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग को पत्र लिखकर कहा है कि सीओ अनिल कुमार का अब तक का कार्यकाल संतोषजनक रहा है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि अभी सीओ की पदस्थापन अवधि सिर्फ 1 वर्ष 9 माह ही हुई है, इसलिए उनका स्थानांतरण न किया जाये।

इसके ठीक उलट, प्रमंडलीय आयुक्त लालचंद डाडेल ने अपने निरीक्षण में कई गंभीर अनियमितताओं की ओर इशारा किया है। आयुक्त के अनुसार, सीओ अनिल कुमार और अंचल निरीक्षक द्वारा कार्यालयीय कार्यों में कोई अभिरुचि नहीं ली जाती है। रोकड़ पंजी का संधारण भी नहीं किया गया है, जो वित्तीय नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। खास बात यह है कि अनिल कुमार ने 13 सितंबर 2023 को प्रभार ग्रहण किया, लेकिन उस तिथि का कोई उल्लेख रोकड़ पंजी में नहीं है।

पुरनदाहा मौजा की एक विवादित भूमि मामले में भी गंभीर गड़बड़ी उजागर हुई है। राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक ने भूमि को 'बसोड़ी' बताकर गलत रिपोर्ट सौंपी। सीओ ने बाद में पुनः जांच कराई और पत्र को विलोपित किया, परंतु दोषी कर्मियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी। इससे यह संकेत मिलता है कि सीओ की कार्यशैली में पारदर्शिता की कमी है।

अब देखना होगा कि विधायक के दबाव में विभाग सीओ को संरक्षण देता है या कमिश्नर की अनुशंसा के अनुरूप कार्रवाई की दिशा में कदम उठाता है।

मार्कंडेय जेजवाड़े को इंटरनेशनल आर्ट एक्जीविशन में मिला गोल्ड अवार्ड

मणिकर्णिका आर्ट गैलरी दिल्ली की ओर से प्रतियोगिता 10 से 20 अक्टूबर तक आयोजित की गयी थी, जिसमें देश-विदेश के 46 बड़े कलाकारों ने भाग लिया था

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। शहर के जाने-माने कलाकार और बिलासी निवासी मार्कण्डेय जेजवाड़े उर्फ पुटरूजी को 46 वें इंटरनेशनल ऑनलाइन आर्ट एक्जीविशन में गोल्ड अवार्ड मिला है। मणिकर्णिका आर्ट गैलरी दिल्ली की ओर से उक्त प्रतियोगिता 10 से 20 अक्टूबर तक आयोजित की गयी थी, जिसमें देश-विदेश के 46 बड़े कलाकारों ने भाग लिया था। पुटरूजी ने सूखे कद्दू से निर्मित मूर्तिकला को इस प्रतियोगिता में भेजा था। प्रतियोगिता में 15 कलाकारों को उनकी उत्कृष्ट कलाकृतियों के लिए गोल्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया, जिसमें पुटरूजी की कलाकृति भी शामिल हैं। सूखे कद्दू से पुटरूजी ने माता-पिता और उनके बच्चों की कलाकृति बनाई थी। पहली नजर में देखने के बाद कोई यह नहीं बता सकेगा कि उक्त कलाकृति सूखे कद्दू से बनी है। उधर, पुटरूजी को गोल्ड अवार्ड मिलने पर देवघर के कलाकारों ने उन्हें बधाई दी है।

सीजेआइ पर जूता फेंकने के विरोध में प्रदर्शन राष्ट्रपति के नाम सीओ को सौंपा गया ज्ञापन

अंबेडकर चेतना परिषद और यूनाइटेड मिल्ली फोरम के संयुक्त तत्वाधान में हुआ विरोध प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद । देश के सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायधीश पर अधिवक्ता राकेश किशोर के द्वारा जूता फेंकने और ग्वालियर के कोर्ट में अधिवक्ता अनिल मिश्रा द्वारा संविधान निर्माता डॉ बीआर अंबेडकर के खिलाफ अभद्र टिप्पणी के विरोध में बुधवार को अंबेडकर चेतना परिषद और यूनाइटेड मिल्ली फोरम के संयुक्त तत्वाधान में शहर में आक्रोश रैली निकाला गया। इसकी शुरूआत शहर के खादी ग्रामोद्योग मैदान से की गई जो जपला धरहरा होते हुए रविदास नगर, मकबरा रोड, गांधी चौक होते हुए मुख्य शहर में पैदल मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने घटना को न्यायपालिका का अपमान बताते हुए दोषियों पर सख्त कारवाई की मांग की। शहर के अंबेडकर चौक पर स्थापित बाबा साहेब के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और सभा को संबोधित किया गया, जिसकी अध्यक्षता अंबेडकर चेतना परिषद के संरक्षक रामेश्वर मेहता ने की। जबकि संचालन विजय कुशवाहा, मो जुबैर अंसारी ने संयुक्त रूप से किया। समाजसेवी सह पूर्व मुखिया अबूनशर सिद्दिकी ने कहा की अगर अगर आजादी के 78वर्ष बाद भी यदि देश के दलित मुख्य न्यायाधीश तक सुप्रीम कोर्ट में सुरक्षित नहीं है तो पूरे दलित समाज के लिए एक चिंता का विषय है। सभा के बाद आक्रोश रैली शहर के जेपी चौक होते हुए अनुमंडल कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम एक मांग पत्र अंचल पदाधिकारी पंकज कुमार को सौंपा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अंबेडकर चेतना परिषद के यूथ प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार, कृष्णा बैठा, गयासुद्दीन सिद्दीकी, इंतियाज आलम, बिनोद बौद्ध, बीके रंजन, नारायण राम, बसपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अजय भारती, अब्बास अंसारी, मुन्ना कुमार देव रामप्रवेश राम, अभिषेक कुमार, आर के सुमन, शक्ति पासवान, अली इमाम, रामाशंकर चौधरी, दिनेश पासवान, संतोष राम, समेत काफी संख्या में लोग शामिल थे।

अनिल मिश्रा हत्याकांड में एक आरोपी गिरफ्तार

पलामू (आजाद सिपाही)। पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के राजोगाड़ी गांव में मामूली विवाद को लेकर हुई मारपीट में घायल अनिल मिश्रा की मौत के मामले में पुलिस ने नामजद दो आरोपियों में एक टुनटुन मिश्रा को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया है। मुख्य आरोपी टुनटुन मिश्रा भी राजोगाड़ी गांव का ही निवासी है। मृतक अनिल मिश्रा की पत्नी मीना देवी के आवेदन के आधार पर लेस्लीगंज थाना पुलिस ने नरेश तिवारी और टुनटुन मिश्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान कर शुरू कर दी है। लेस्लीगंज के थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय ने बताया कि आरोपी टुनटुन मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के समक्ष उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

भंडार ग्राम पंचायत में भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित कर होगी पूजा अर्चना

भक्ति जागरण का भी होगा आयोजन, तैयारी जोरों पर

आजाद सिपाही संवाददाता

छठ घाट का जायजा लेते आयोजक और ग्रामीण।

विश्रामपुर (पलामू)। विश्रामपुर प्रखंड के भंडार ग्राम पंचायत स्थित गुरु मठ के पास बड़ी तालाब किनारे छठ महापर्व के अवसर पर भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की जायेगी। इसके अलावा छठ पूजा के अवसर पर भक्ति जागरण का भी आयोजन किया गया है। कार्यक्रम की सफलता के लिये भंडार नव युवक संघ जोर शोर से तैयारी में जुटा है। संघ द्वारा छठ घाट की साफ सफाई करा दी गयी है। भगवान भास्कर के प्रतिमा निर्माण का कार्य भी अंतिम चरण में है। बुधवार को नवयुवक संघ अध्यक्ष, शिक्षाविद् अशोक पांडेय, पंसस प्रेमलाल पासवान सहित कई लोगों ने ग्रामीणों के साथ तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान अशोक पांडेय ने आयोजन कमिटी को कई सुझाव देते हुये हर संभव मदद का वादा किया। उन्होंने कहा कि छठ व्रतधारियों के हर सुविधा का ख्याल रखा जाना चाहिए। प्रेमलाल पासवान ने बताया कि पिछले चार वर्षों से यहां भगवान भास्कर की प्रतिमा स्थापित की जाती है। भक्ति जागरण के लिए कौशल मधुर सूर संग्राम फैम को आमंत्रित किया गया है। मौके पर पुरोहित राजन मिश्रा, राहुल शाह, राजू कुमार, रणधीर कुमार, अभिषेक कुमार, अनिल कुमार, जैकी कुमार, सनी कुमार, कौशल कुमार, अंकित कुमार, सुभाष कुमार, ओमप्रकाश, रोशन, सोनू, छोटू, बादल, आकाश, हजारी, निरंजन, रोहित कमेटी के सभी सदस्य मौजूद थे।

दिवंगत पैक्स अध्यक्ष की तीसरी पुण्यतिथि पर दी गयी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

दिवंगत पैक्स अध्यक्ष की श्रद्धांजलि अर्पित करते परिजन ।

हरिहरगंज/पलामू। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत कुलहिय में दिवंगत पैक्स अध्यक्ष नागेश्वर यादव की तीसरी पुण्यतिथि बुधवार को उनके परिवार के सदस्यों ने धूमधाम से मनायी। इस अवसर पर उनके पुत्र और पौत्रों के साथ-साथ अन्य परिजनों ने उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर दिवंगत के पौत्र हरिहरगंज राजद छात्र प्रखंड अध्यक्ष दीपक कुमार यादव ने कहा कि हमारे परिवार के लिए यह दिन हमेशा खास रहेगा। क्योंकि हमारे दादा जी ने समाज और गांव के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए थे। उनकी मेहनत और लगन को कभी भुलाया नहीं जा सकता। हम सब आज उनके योगदान को याद करते हुए उनकी आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। वहीं कई अन्य ग्रामीणों और परिजनों ने भी अपने विचार व्यक्त किये और दिवंगत पैक्स अध्यक्ष के कार्यों की सराहना की। इस कार्यक्रम में बड़े पुत्र कृष्णा यादव, छोटे पुत्र शिवकुमार यादव, पौत्र कुंदन यादव, शैलेंद्र कुमार, लालेंद्र कुमार, हरेंद्र यादव, सोनू यादव, अरुण कुमार यादव, धीरेंद्र यादव, पप्पु यादव, जयप्रकाश यादव, मदन यादव, मंटू यादव, अर्जुन यादव, भाई कामेश्वर यादव, राजकेश यादव, दुखन यादव, सरयु यादव, ललन यादव और पीडीएस डीलर नतिनी सोनम कुमारी समेत परिवार के अन्य सदस्य शामिल थे।

स्वरोजगार से जुड़कर ही बेरोजगारी को ही दूर किया जा सकता है : अभिमन्यु

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू)। विश्रामपुर नप मुख्यालय में बस स्टैंड के पास बुधवार को विश्वकर्मा फर्नीचर का शुभारंभ हुआ। जिसका उद्घाटन वरीय समाजसेवी सह राजनेता अभिमन्यु सिंह उर्फ बबलू सिंह ने फीता काट कर किया। श्री सिंह ने कहा कि फर्नीचर का भव्य शोरूम खुलना बिश्रामपुर के विकास का परिचायक है। उन्होंने कहा कि कोई भी सरकार सभी को रोजगार मुहैया नहीं करा सकती। स्वरोजगार से जुड़कर ही बेरोजगारी को दूर किया जा सकता है। प्रतिष्ठान के प्रो श्याम बिहारी विश्वकर्मा ने बताया कि अत्याधुनिक डिजाइन के साथ उचित कीमत पर हर तरह का फर्नीचर यहां उपलब्ध है। मौके पर पूर्व नप उपाध्यक्ष अजय बक्स राय, पार्षद सलीमुद्दीन अंसारी, समाजसेवी ओम प्रकाश गुप्ता, राजेंद्र केशरी, राहुल दुबे सहित कई लोग मौजूद थे।

छठ पूजा की तैयारी को लेकर झील तालाब पूजा समिति की बैठक, तैयारी को लेकर बनी योजना

आजाद सिपाही संवाददाता

मधुपुर। छठ पूजा की तैयारी को लेकर बुधवार को झील तालाब पूजा समिति की एक बैठक तालाब परिसर में हुई। बैठक में कई विषयों पर चर्चा किया गया। समिति के अध्यक्ष सोनू गुप्ता ने कहा कि छठ पूजा को लेकर इस बार समिति कई महत्वपूर्ण कार्य करने जा रही है। जिसकी शुरूआत गुरुवार को झील तालाब से होगी। पुरोहित द्वारा विधि विधान के साथ सुल्तानगंज से लाया हुआ गंगा जल से झील तालाब का शुद्धिकरण किया जायेगा। उसके पश्चात पुरे गजे बाजे के साथ शहर के सभी घाटों में यह अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से इस अवसर में शामिल होने कि अपील की है। वहीं समिति के सचिव सुमन चौधरी ने बताया कि इस बार का छठ पूजा भव्य व ऐतिहासिक होगा। पुरे तालाब परिसर में पंडाल की बेरीकटिंग, आकर्षक लाईट से सजाया जा रहा है। उन्होंने बताया की बैठक में मुख्य बात सभी छठवर्ती व जिनके घरों में पर्व होता है, उनके लिए है। इस बार खरना के प्रसाद बनाने के लिए झील तालाब पर आम की लकड़ी की व्यवस्था पूजा समिति की ओर से निःशुल्क उपलब्ध कराई जायेगी। उन्होंने सभी से निवेदन किया है कि झील लटब पर आकर जरूरत के हिसाब से लकड़ी ले जाये। मौके पर समाजसेवी डॉ अरुण गुटगुटिया, संजय शरण, सचिन रवानी, हेमंत नारायण सिंह, संजय यादव, पप्पू चौधरी, अवनी भूषण, गोपी बर्मन, अमर शर्मा, अजीत दुबे, सोनी खंडेलवाल, दीपक मिश्रा, सरोज साव सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

छठ व्रतियों के बीच महान क्लब करेगा पूजा सामग्री का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

चैनपुर (पलामू)। चैनपुर बाजार के गुरुद्वारा स्थित महान क्लब के तत्वाधान में बुधवार को अगामी छठ महापर्व को लेकर छठ व्रतियों के बीच पूजा सामग्री वितरण करने के लिए क्लब ने लोगों के बीच निमंत्रण कार्ड का वितरण किया। मौके पर अध्यक्ष अमित सोनी ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महान क्लब के द्वारा छठ व्रतियों के बीच पूजा सामग्री का वितरण किया जायेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि 23 अक्टूबर को छठ व्रतियों के बीच सूप, गेहूं और 25 अक्टूबर को दाल, आम की लकड़ी और 26 को चावल दूध गुड एवं 27 को फल और 28 को छठ घाट पर पान सुपारी व दूध का वितरण किया जायेगा। निमंत्रण कार्ड वितरण में महामंत्री अमन मालाकार, मनोज दास, अंकित कुमार, रूपेश सोनी सहित महान क्लब के दर्जनों सदस्य शामिल थें।

छठ पर्व हमारी सांस्कृतिक धरोहर और लोक आस्था का प्रतीक: तपेंद्र कुमार

दक्ष पब्लिक स्कूल जपला में हर्षोल्लास के साथ छठ पूजा का आयोजन

प्राचार्य बीके सिंह ने कहा कि छठ-पूजा का पर्व प्रकृति से जुड़ा है

आजाद सिपाही संवाददाता

दक्ष पब्लिक स्कूल जपला में छठ पूजा करते बच्चे।

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद शहर के गांधी चौक के समीप दक्ष पब्लिक स्कूल में प्रकृति पर्व छठ-पूजा का आयोजन बडे ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। विद्यालय परिसर में प्रार्थना सभा के बाद कार्यक्रम का विधिवत आरंभ किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा छठ पूजा पर पारंपरिक रूप से भगवान सूर्य की उपासना एवं पूजा की सुंदर प्रस्तुति की गयी। बच्चों द्वारा पारंपरिक रूप से छठ-पूजा की तैयारियों के साथ भगवान सूर्यदेव की उपासना, सायंकालीन पूजन एवं प्रातःकालीन अर्घ्य देते हुए मनमोहक और हृदयहारी दृश्य प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक तपेंद्र कुमार और प्राचार्य बीके सिंह ने कहा कि छठ-पूजा का पर्व प्रकृति से जुड़ा है। यह बिहार एवं झारखंड की सभ्यता, संस्कृति और संस्कार से जुड़ा पर्व है, जिसकी छवि आज संपूर्ण विश्व में विख्यात हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमारी सांस्कृतिक धरोहर और लोक आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल बच्चों एवं उनके अभिभावकों तथा शिक्षिकाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए छठ -पूजा के पावन पर्व की शुभकामनायें दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षक राहुल, सुशील उज्जवल, अनिल कुमार, शिखा, नादरा, जोया, मुश्कान, शाहिना, सरिता, गुलनाज, सदफ, फलक, नेहा, सूफिया, खुशबू, छात्र रौशन, क्षितिज, माही सोनी, अंश, दिव्यांशु, छात्रा सोनाक्षी कुमारी, स्वाति, खुशी, शांभवी, पम्मी आदि का सराहनीय योगदान रहा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम को लेकर बैठक आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। नंदन पहाड़ स्थित सार्वजनिक चित्रगुप्त मंदिर में चित्रांश परिवार की ओर से भगवान चित्रगुप्त की विधिवत पूजा अर्चना की जायेगी। वहीं देर शाम आडिटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जायेगा। चित्रांश परिवार के बच्चों, युवा, युवती, महिलाएं और पुरुषों द्वारा गीत-संगीत, नृत्य का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही बिरादरी भोज का भी आयोजन किया गया है। चित्रांश परिवार की ओर से पूजा और कार्यक्रम की तमाम तैयारी पूरी कर ली गयी है। मंदिर को रंग-बिरंगी रोशनी व फूलों से सजाया गया है। पूजा उपरांत सभी लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया जायेगा। पूजा की तैयारी को लेकर सार्वजनिक चित्रगुप्त मंदिर के अध्यक्ष विनय कुमार सिन्हा, सचिव शशि भूषण निराला, कोषाध्यक्ष नंदन कुमार, निर्मल प्रकाश दीपक, सोना सिन्हा, राघवेंद्र सिन्हा, विल्सन सिन्हा, श्याम सहाय, राजेश प्रसाद सहित चित्रांश परिवार के तमाम सदस्य जुटे हैं।

बेटे से विवाद के बाद 71 वृद्ध ने की आत्महत्या, पुलिस ने शुरू की जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

बिशुनपुर। प्रखंड के सुदूरवर्ती मैलापाठ गांव में मंगलवार की रात बेटे से विवाद के बाद 71 वर्षीय वृद्ध ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी पहचान शनिचरवा उरांव के रूप में हुई है। इसकी सूचना पाकर बुधवार को मौके पर पहुंची बिशुनपुर पुलिस ने शनिचरवा उरांव का शव उनके ही घर से रस्सी के सहारे फंदे से झूलता बरामद किया। जानकारी के अनुसार मंगलवार की देर शाम शनिचरवा उरांव और उनके पुत्र पुसा उरांव के बीच किसी घरेलू बात को लेकर तीखी नोकझोंक हो गई थी। प्रत्यक्षदर्शियों और पारिवारिक सूत्रों की मानें तो विवाद काफी बढ़ गया, जिससे शनिचरवा उरांव मानसिक रूप से बेहद आहत हुए। विवाद के कुछ देर बाद दुखी शनिचरवा उरांव अपने कमरे में चले गए और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। देर रात जब परिवार के अन्य सदस्यों ने उन्हें ढूंढने का प्रयास किया, तो घटना का पता चला। उधर, घटना की सूचना पाकर बिशुनपुर थाना प्रभारी अर्जुन यादव दलबल के साथ मैलापाठ गांव पहुंच गये। पुलिस ने रस्सी के सहारे झूलते शव को नीचे उतरवाया। इस बाबत थाना प्रभारी अर्जुन यादव ने बताया कि मृतक शनिचरवा उरांव की मौत प्रथम दृष्टया में आत्महत्या का मामला लग रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस मामले को केवल आत्महत्या मानकर नहीं चल रही है, बल्कि हर संभावित पहलू की गहन जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि परिवार के सदस्यों और आस-पास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं इसके पीछे कोई और कारण तो नहीं है। हालांकि अंतिम निष्कर्ष पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पहुंचा जा सकता है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने फिलहाल यूडी केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

गुमला (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र के खोरा पंचायत अंतर्गत कठियाटोली निवासी घुड़ू उरांव की पत्नी मुन्नी देवी (48) ने मंगलवार की देर शाम अपने घर में साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना पाकर गुमला पुलिस मौके पर पहुंची और शव बरामद कर बुधवार को पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया। पता चला है कि जिस समय महिला ने घटना को अंजाम दिया, घर में उस समय कोई नहीं था। इसी का लाभ उठाकर मुन्नी देवी ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। जब परिजन घर पहुंचे तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

बोलेरो-बाइक की टक्कर में दो युवक घायल, हालत गंभीर

घाघरा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के पुटो शासन टोली गांव में बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी पहचान मकांदु, टोंगरिटोली निवासी नूरुला पवरिया और भंडरा अरको निवासी तोहिद पवरिया के रूप में हुई है। है। दोनों घायलों को ग्रामीणों और परिजनों के सहयोग से घाघरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए दोनों को गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार दोनों युवक अपने रिश्तेदार के घर पुटो गांव बाइक से आये थे। किसी काम को लेकर दोनों बाइक पर सवार होकर घाघरा जा रहे थे। जहां विपरीत दिशा से जा रहे बोलेरो से सीधे टक्कर हो गई। इस हादसे में दोनों घायल हो गए। उधर, घटना के बाद बोलेरो चालक वाहन सहित फरार हो गया। इसकी सूचना पाकर पुलिस घाघरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच कर घायलों का हाल चाल जाना और वारदात की जानकारी ली। इसके बाद मामला दर्ज कर जांच में जुट गयी है। इस बीच पता चला है कि बोलेरो पुटो गांव की ही है।

छठ पूजा को लेकर साफ-सफाई और पहुंच पथ बनाने में जुटे पूजा समिति के सदस्य

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र में सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा की तैयारियां जोर-शोर चल रही है। त्योहार को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है। प्रखंड मुख्यालय सहित संगवरिया, गोंदा, करकोमा, हासनदाग, बाना आदि गांव के विभिन्न छठ घाटों पर तैयारियों को अंतिम रूप देने में पूजा समिति के सदस्य जुटे हैं। मेराल मुख्यालय की हृदय स्थली प्रसिद्ध मां शायर देवी धाम के समीप प्राचीन शिव मंदिर तालाब छठ घाट को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। इसी तरह नेनुआ मोड़ छठ घाट तथा सभी पहुंच पथ की साफ सफाई सनराइज फैंस क्लब के सदस्यों द्वारा किया जा रहा है। साथ ही वर नदी शिव मंदिर छठ घाट, स्टेशन रोड शिव मंदिर तालाब छठ घाट एवं संगवरिया हॉस्पिटल चौक छठ पूजा समिति द्वारा छठ घाट की मरम्मती और साफ सफाई करायी जा रही है। इसकी जानकारी देते हुए छठ पूजा समिति के अध्यक्ष डॉ लाल बहादुर साह एवं वीरेंद्र प्रसाद ने कहा कि इस वर्ष भी छठ घाट को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। छठ पर कमलेश बिहारी एवं उनकी टीम द्वारा रात में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। इस मौके पर हरे राम साह, पंचानंद विश्वकर्मा, संजय साह, डॉ आयुष गुप्ता, डॉ पियूष गुप्ता, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, सुदामा चंद्रवंशी, आदर्श गुप्ता, सूरज गुप्ता, नवीन कुमार, पवन विश्वकर्मा, लक्ष्मण साव, ब्रजेश साह आदि उपस्थित रहे।

रंका में जेसीबी से करायी जा रही साफ-सफाई

रंका (आजाद सिपाही)। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर रंका अनुमंडल मुख्यालय स्थित स्थानीय पुल नदी छठ घाट परिसर में मां काली युवा संघ की ओर से जेसीबी के माध्यम से साफ सफाई कराई गई। मां काली युवा संघ की ओर से पूरे छठ घाट परिसर में साज सज्जा, साफ सफाई, सुरक्षा, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के द्वारा छठी मइया के गीतों का प्रसारण एवं प्रकाश की उचित व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया है। इस कार्य में रंकाकला के पूर्व मुखिया प्रतिनिधि सह समाजसेवी राजेश कुमार मद्धेशिया, मुखिया रणजीत सोनी, मां काली युवा संघ के अध्यक्ष रंजीत कुमार सौंडिक, कोषाध्यक्ष मोहित कुमार चौधरी, उपाध्यक्ष राजन गुप्ता, संयोजक अविनाश पटेल आदि सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

15 वर्षों से फरार पीएलएफआइ के पूर्व सदस्य सूरज को पुलिस ने दबोचा

हत्या, आगजनी और रंगदारी जैसे आपराधिक मामलों में रहा है लिप्त

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। विभिन्न घृणित आपराधिक मामलों में विगत 15 वर्षों से फरार चल रहे लाल वारंटी सूरज उर्फ सूरजन उर्फ रोहित उरांव को घाघरा पुलिस ने गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया है। वह भैंस बथान गांव का रहने वाला है। इस बाबत थानेदार पुनीत मिंज ने बताया कि सूरज उरांव पीएलएफआई का सदस्य रहते हुए कई जघन्य अपराधों में शामिल था। हत्या, रंगदारी, आगजनी और आर्म्स एक्ट जैसे कई मामले दर्ज है। थानेदार ने यह भी बताया कि मलगो ग्राम में बुद्धदेव उरांव और अनिल उरांव की जमीन विवाद में हत्या, भैंस बथान बॉक्साइट माइन्स में लेवी के लिए ट्रक जलाने, जिलिंगसिरा गांव में पुलिस बल पर फायरिंग में शामिल होने के अलावा देवाकी खपरा टोली स्थित पतरा में पुलिस राइफल बरामदगी में फरार, भैंस बथान माइंस मैनेजर रामप्रवेश यादव की गोली मारकर हत्या, ग्राम सारांगो पोखरा टोली में एतवा उरांव एवं तेम्बो उरांईन की धारदार हथियार से हत्या सहित गुमला और रायडीह थाना में दर्ज विभिन्न जघन्य कांडों में भी शामिल रह चुका है। पुलिस ने उसे मंगलवार की शाम भैंस बथान से गुप्त सूचना मिलने पर छापामारी कर गिरफ्तार किया गया।

घाघरा पुलिस की गिरफ्त में सूरज उर्फ सूरजन उर्फ रोहित उरांव।

युवती से दुष्कर्म के आरोपी को गुमला पुलिस ने आसनसोल से किया गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। थाना क्षेत्र में एक युवती को नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में गुमला पुलिस ने पश्चिम बंगाल के आसनसोल निवासी तपन कुमार घोष को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया। बातातें चलें कि पीड़िता ने इस मामले में गुमला थाना में तपन के खिलाफ दुष्कर्म करने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पीड़िता ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया कि उसके घर के बगल में रहने वाली एक महिला की शादी तपन घोष से हुई थी। जिसे वह 'जीजाजी' कहकर संबोधित करती थी। आरोपी अक्सर उसे पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रेरित करता था। ऐसा कर उसने उसका विश्वास भी जीत लिया। इसी बीच विगत छह अक्टूबर को आरोपी तपन घोष युवती के हॉस्टल के बाहर पहुंचा और फोन कर उसे बुलाया। इसके बाद उसने उसे अपनी बाइक पर बैठाकर शहर के बिंदेश होटल ले गया। वहां आरोपी ने पहले उसे खाना खिलाया और फिर कोल्ड ड्रिंक पिलाई। इसी बीच कोल्ड ड्रिंक पीते ही वह पीड़िता बेहोश हो गई। जब उसे होश आया, तो उसने खुद को होटल के कमरे में पाया और उसके साथ दुष्कर्म हो चुका था। सात अक्टूबर की सुबह आरोपी ने युवती को उसके हॉस्टल के पास छोड़ दिया और फरार हो गया। घटना के बाद पीड़िता ने साहस जुटाकर पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

खड़िया समाज के युवा सशक्त समाज निर्माण और शिक्षा पर दें जोर: विधायक

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। अखिल भारतीय खड़िया महाडोकलो यूथ का तीन दिवसीय सम्मेलन नवाटोली कोनवीर स्थित संत अन्ना चर्च परिसर में आयोजित हुआ। जिसका उद्घाटन अखिल भारतीय महा ढोकला के अध्यक्ष पी कुलकांत केरकेट्टा, रजत कुमार टेटे, रतिया खड़िया सहित समाज के प्रबुद्धजनों ने किया। कार्यक्रम के दूसरे दिन बुधवार को सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा, कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाडी, सिसई विधायक जिग्गा सुसारन होरो और जिप सदस्य जोसीमा खाखा विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान सभी ने खड़िया समाज के युवाओं को सशक्त समाज निर्माण और शिक्षा सहित समेकित विकास के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में खड़िया समाज से आने वाली जिला परिषद सदस्य बसंती डुंगडुंग ने समाज के युवाओं को आय सृजन करने के उद्देश्य से सरकार की ओर से चलाये जा रहे योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए उन्हें स्वरोजगार से जुड़ने का परामर्श दिया। वहीं, समाज के मंगला कुल्लू द्वारा परिवार से समाज तक महिलाओं के उत्थान और नेतृत्व क्षमता पर अपने विचार व्यक्त किया। खड़िया युवाओं के समाज के निर्माण में योगदान के संबंध में जेवियर कॉलेज सिमड़ेगा के प्रिंसिपल रहे प्रोफेसर डॉक्टर अफ्रेम बा, खड़िया युद्ध सम्मेलन की महत्ता के बारे में प्रोफेसर डॉ चंद्र किशोर केरकेट्टा, ग्लैडसन डुंगडुंग सहित खड़िया समाज के कई वक्ताओं ने समाज के विकास पर अपने विचार व्यक्त किये। इस मौके पर फादर सिप्रियन कुल्लू, लिबनुस टेटे, यूजीन कुल्लू, एरेनियुस केरकेट्टा, कुलभूषण डूंगडुंग, मतीयस कुल्लू, इसिदोर केरकेट्टा आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के प्रदेश अध्यक्ष का तीन दिवसीय बिहार दौरा तीन नवंबर से

गुमला (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार नीलेश आगामी एक नवंबर को धनबाद के प्रतिष्ठित होटल बालाजी भवन में बैठक करेंगें। इस दौरान जिले की कामकाजी बैठक में संगठन विस्तार एवं गरीब कन्या की सामूहिक विवाह जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा में भाग लेंगे। इसके अलावा दो नवंबर को बोकारो जिले के फुसरो-बेरमो में स्थित बेरमो किचन क्लासिक फैमिली रेस्टोरेंट होटल में सुबह 10 बजे राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन की द्वितीय प्रदेश स्तरीय कार्यसमिति की बैठक में भाग लेंगे। फुसरो में ही रात्रि-विश्राम करेंगे। वहां से तीन से छह नवंबर तक बिहार के चुनावी दौरा के क्रम में अरवल, बांकीपुर, सासाराम, मोरबा, समस्तीपुर, हसनपुर, जमुई, गोबिंदपुर और नवादा जैसे विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में अपने स्वजातीय बंधुओं को राष्ट्रहित में शतप्रतिशत मतदान कराने एवं पूरे राज्य में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में अपने स्वजातीय उम्मीदवारों की जीत का लक्ष्य सुनिश्चित करने की योजना को अंतिम रूप देंगे, ताकि अपने समाज का एक भी वोट छूटने न पाए। इसके बाद सात नवंबर 2025 को वापस रांची लौट आयेंगें। इसकी जानकारी राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष संजय कुमार साहू ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

एसडीओ और एसडीपीओ ने किया छठ घाटों का दौरा

छठ व्रतियों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे : एसडीओ

- लिया साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर बुधवार को अपराह्न तीन बजे सदर एसडीओ राजीव नीरज और एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव के नेतृत्व में प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने शहर के सभी प्रमुख छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने घाटों की सुरक्षा, स्वच्छता और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। छठ घाटों के निरीक्षण की शुरूआत नगाफेनी स्थित छठ घाट से की गई। जहां कुछ स्थानों को असुरक्षित पाते हुए बैरिकेडिंग लगाने का निर्देश दिया गया। इसके बाद टीम ने सिसई रोड स्थित छठ तालाब और वन तालाब सहित अन्य प्रमुख तालाबों का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने स्थानीय कर्मियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी घाटों पर सफाई कार्य तेज किया जाए। इस दौरान जलाशयों में ब्लिचिंग पाउडर का छिड़काव अवश्य करें। इस दौरान एसडीओ राजीव नीरज ने कहा कि प्रशासन छठ व्रतियों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो इसके लिए नगर परिषद, पुलिस प्रशासन और स्वच्छता कर्मियों को संयुक्त रूप से जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने कहा कि पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगी। घाटों पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और रात में अतिरिक्त लाइटिंग की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस मौके पर थाना प्रभारी महेंद्र करमाली सहित अन्य लोग मौजूद थे।

'भ्रष्टाचार विरोधी मंच' करेगा जिले में बनने वाली सड़क योजना में भ्रष्टाचार की निगरानी

गुमला (आजाद सिपाही)। ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट एवं झारखंड नवनिर्माण दल के नेतृत्व में चलने वाली भ्रष्टाचार विरोधी मंच जिले में विभिन्न सड़क निर्माण विभाग और संवेदक द्वारा बनाई जाने वाली सड़क की निगेहबानी करेगी। विदित हो कि जिले में खासकर सेरका से हारूप गांव होते हुए जालिम तक सड़क निर्माण के लिए झारखंड नवनिर्माण दल एवं बॉक्साइट माइन्स रैयत मजदूर समिति की ओर से ग्रामीणों से मिलकर एक सार्थक पहल की गई थी। जिस कारण सड़क निर्माण को स्वीकृति मिली और टेंडर होने के बाद सड़क का निर्माण कार्य किया जाएगा। जिले में सड़क निर्माण के नाम पर हो रही भारी गड़बड़ी एवं भ्रष्टाचार को देखते हुए पार्टी ने तय किया कि सड़क निर्माण में अनियमितता को रोकने के उद्देश्य से भ्रष्टाचार विरोधी मंच द्वारा निगरानी की जाएगी। अनियमितता बरते जाने पर सरकारी स्तर पर कार्रवाई के लिए शिकायत करते हुए आंदोलन भी चलाई जाएगी। जरूरत पड़ने पर चरम पर पहुंचे भ्रष्टाचार को रोकने के लिए हाईकोर्ट में जनहित याचिका भी दायर करने का फैसला लिया गया है। बताया गया कि जिले में सड़क निर्माण होते ही टूटने लगती है, जिससे लोकधन की लूट तो हो ही रही है, आम जनता को भी जर्जर सड़क में चलने से जान माल की क्षति होती है। इसी घटिया सड़क निर्माण को देखते हुए कड़ी कार्रवाई करने की दिशा में की जाने वाली पहल का एक हिस्सा है। बहुत जल्द भ्रष्टाचार विरोधी मंच का जिला स्तरीय बैठक की जाएगी, जिसके जरिए सभी सड़क निर्माण करने वाली विभाग से जानकारी प्राप्त करते हुए आगे की रणनीति बनाई जाएगी। उक्त जानकारी झारखंड नवनिर्माण दल मजदूर यूनियन के गुमला जिला प्रभारी शंकर उरांव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

बिशुनपुर के टिटही में सोहराय जतरा का शुभारंभ

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के टिटही गांव स्थित चड़री टोंगरी में बुधवार को पारंपरिक सोहराय जतरा का भव्य शुभारंभ हुआ। यह जतरा लगभग 30 वर्षों बाद दोबारा आयोजित हुआ है। जिससे पूरे क्षेत्र में उल्लास और उत्सव का माहौल है। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थाना प्रभारी अर्जुन कुमार यादव, बिशुनपुर विकास भारती के महेंद्र भगत, विजय कल्याण पदाधिकारी गणेश राम महतो, हेलता मुखिया सुशील मुंडा और उप प्रमुख चंदन कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान जतरा स्थल पर पारंपरिक उत्सव की झलक देखने को मिली। कुल 20 खोड़ा दलों ने अपने-अपने ढोल-नगाड़ों की गूंज और पारंपरिक नृत्य के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। प्रत्येक दल ने अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महिलाएं, पुरुष और बच्चे सभी रंग-बिरंगे परिधानों में नाच-गान में शामिल हुए। पूरे दिन वातावरण में ढोल की थाप, गीत और उत्सव की ऊर्जा बनी रही। अंत में सभी खोड़ा दलों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं, ग्रामीणों ने इस आयोजन को हर साल मनाने की मांग की, ताकि आदिवासी संस्कृति, एकता और परंपरा को निरंतर प्रोत्साहन मिल सके।

मिशन बदलाव के सदस्यों ने जरूरतमंदों के लिए रक्तदान कर दिखायी मानवता

गुमला (आजाद सिपाही)। मिशन बदलाव के सदस्यों ने जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए रक्तदान कर मानवता की मिशाल पेश की। संस्था के शुभम सिंह और रक्तदान प्रभारी सुशील इंदवार ने बताया की पालकोट (ढोलवीर) एवं गुमला के कालरा सोरेंग की महिला अनीता सेवा सदन अस्पताल में भर्ती हैं, जिनके बच्चेदानी का ऑपरेशन होना था। इसके लिए तीन यूनिट रक्त की जरूरत थी। परिजनों ने कई लोगों से खून देने की अपील की, लेकिन त्योहार होने के कारण किसी ने रक्तदान में रुचि नहीं दिखाई। ऐसी परिस्थिति में सुभम सिंह ने मानवता का परिचय देते हुए तुरंत अस्पताल जाकर रक्तदान किया। सुभम सिंह ने कहा कि उसके जीवन का सबसे बड़ा पर्व आज का दिन था, क्योंकि उसकी वजह से किसी की जान बच सकी और उसके चेहरे पर मुस्कान आयी। मिशन बदलाव के रक्तदान प्रभारी ने कहा कि टीबी मरीज को रक्त की अत्यंत आवश्यकता थी। जिसको ध्यान में रखते हुए तुरंत रक्तदान किया। सुशील ने अपील की कि युवाओं को नशा से बचना चाहिए और लोगों के जीवन को बचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए।

ट्रैक्टर पलटने से दबकर चालक की हुई मौत

गुमला (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र के जोराग रोड में ट्रैक्टर पलटने से उसके नीचे दबकर 22 वर्षीय एक युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान अभिनव कुजूर के रूप में हुई है। वह बरिसा के आनंदपुर का रहने वाला था। घटना बुधवार की शाम चार बजे की बतायी जा रही है। जानकारी के मुताबिक ट्रैक्टर चालक जोराग रोड की ओर किसी काम से जा रहा था तभी अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गड्ढे में पलट गया। इससे ट्रैक्टर का स्टेरिंग चालक की छाती में आकर दब गया जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से ट्रैक्टर को सीधा कर अभिनव को बाहर निकाला गया। लगे हाथ इसकी सूचना गुमला थाने को दी गयी। खबर पाते ही कुछ देर बाद पुलिस मौके पर पहुंच गयी। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने चालक को सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर असीम मिंज ने जांच के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक अभिनव पुग्गू निवासी चुयु नामक व्यक्ति का ट्रैक्टर चलाता था। उधर, घटना के बाद पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है। साथ ही मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 23 अक्टूबर, 2025
www.azadsipahi.in
11

सदर अस्पताल में गर्भाशय का सफल ऑपरेशन

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। सदर अस्पताल में डॉ संजीव कुमार प्रसाद, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ द्वारा बुधवार को 50 वर्षीय मिनहाज बीबी, पति नसीम खान, निवासी हुसैनाबाद, थाना जपला, जिला पलामू का बच्चेदानी निकालने का ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। इस संबंध में डॉ संजीव कुमार ने बताया कि मरीज पिछले एक वर्ष से बच्चेदानी बाहर आने की समस्या से अत्यंत परेशान थीं। उन्हें पेशाब करने में कठिनाई होती थी और कई जगह से उपचार की सलाह भी ली थी। सदर अस्पताल में बेहतर रुप से निःशुल्क ऑपरेशन की जानकारी मिलने के बाद अंततः वह अपने कलाली बगान में रहने वाले दामाद के सुझाव पर सदर अस्पताल पहुंचीं और डॉ संजीव कुमार से परामर्श लिया। जांच के उपरांत उन्हें ऑपरेशन की सलाह दी गयी तथा 22 अक्टूबर 2025 को उनका ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। ऑपरेशन टीम में निश्चेतक विशेषज्ञ डॉ राजकुमार सिंह, ओटी असिस्टेंट श्री मदुसूदन मरांडी तथा स्टाफ नर्स सिस्टर क्रिस्टीना क्लेप्सन का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। डॉ संजीव ने बताया कि ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति संपूर्ण रूप से सामान्य है और वे स्वास्थ्य लाभ की अवस्था में हैं। साथ ही बताया कि इस ऑपरेशन की यह एक सुरक्षित और प्रभावी प्रक्रिया है, जिससे गर्भाशय बाहर आने जैसी समस्या से महिलाओं को स्थायी राहत मिलती है।

सीआइएसएफ और पुलिस ने कोयला खदान के अवैध मुहाने को किया बंद

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। कोयला चोरी और अवैध खनन पर लगाम लगाने के उद्देश्य से बीसीसीएल एरिया 3 की सीआइएसएफ और स्थानीय पुलिस ने बुधवार को संयुक्त रूप से छापेमारी अभियान चला कर सोनारडीह ओपी क्षेत्र के भागा बस्ती के समीप एक सक्रिय अवैध कोयला मुहाने को चिन्हित कर बंद कराया।

सूत्रों के अनुसार, सीआइएसएफ को लंबे समय से इस क्षेत्र में अवैध खनन की सूचना मिल रही थी। इसलिए सीआइएसएफ और सोनारडीह पुलिस की टीम ने उक्त क्षेत्र में छापेमारी की और अवैध रूप से संचालित किये जा रहे कोयला मुहाने की पहचान की। तत्पश्चात खदान को पूरी तरह से मिट्टी और पत्थरों से भरकर बंद कर दिया गया। संयुक्त कार्रवाई से अवैध खनन में शामिल गिरोह के बीच हड़कंप मच गया है। इस कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में चर्चा है कि यदि इसी तरह की नियमित और सख्त कार्रवाई होती रही, तो अवैध कोयला कारोबार पर अंकुश लगाना संभव हो जायेगा।

बीएसएल प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए दे रहा है निःशुल्क कोचिंग सुविधा

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र अपने परिधीय क्षेत्रों के स्थानीय एवं विस्थापित समुदायों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करते हुए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत महेन्द्रा एजुकेशन प्रालि के साथ किये गये समझौते के अंतर्गत बोकारो के आसपास के क्षेत्रों के 300 युवाओं को बैंक, एसएससी, रेलवे सहित विभिन्न सरकारी सेवाओं एवं प्रतिष्ठित निजी संस्थानों में रोजगार प्राप्ति हेतु निःशुल्क कोचिंग प्रदान कर रहा है। अब तक इस कार्यक्रम के तहत तीन बैचों का संचालन प्रारंभ हो चुका है, जिनमें परिधीय क्षेत्रों के कुल 100 विद्यार्थी शामिल हैं। इनमें 24 महिला अभ्यर्थियों की सहभागिता इस पहल को और भी सशक्त बना रही है। आने वाले समय में और भी नये बैच प्रारंभ किये जाने हैं। यह कोचिंग पूरी तरह निःशुल्क है, जिसमें छह माह की अवधि में पाठ्यक्रम पूरा कराया जा रहा है। सप्ताह में छह दिन ऑफलाइन या ऑनलाइन मोड में कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। साथ ही, छात्रों को निःशुल्क अध्ययन सामग्री, वाई-फाई सुविधा से युक्त आधुनिक अध्ययन कक्ष, नियमित मॉक टेस्ट तथा मेंटॉरशिप सपोर्ट जैसी सभी आवश्यक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। बीएसएल का यह प्रयास विस्थापित युवाओं के लिए अत्यंत लाभकारी है, जो उन्हें जीवन में स्थिरता, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की दिशा में अग्रसर करने में सहायक है। गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और मार्गदर्शन के माध्यम से बोकारो इस्पात संयंत्र के परिधीय क्षेत्रों के युवा प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकेंगे। नामांकन से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं अन्य विवरण हेतु इच्छुक विद्यार्थी बीएसएल के सीएसआर विभाग अथवा महेन्द्रा एजुकेशन प्रालि की स्थानीय शाखा से संपर्क कर सकते हैं।

आंगनबाड़ी केंद्र में स्वास्थ्य और जागरूकता शिविर का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट और भारतीय स्टेट बैंक के संयुक्त प्रयास से बुधवार को नूतनडीह के आंगनबाड़ी केंद्र में बुधवार को एक विशेष स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य शहरी क्षेत्र से दूर रहने वाले बच्चों, युवाओं और परिवारों को स्वास्थ्य सेवाओं और जागरूकता से जोड़ना था। इस शिविर में लोगों के लिए फिजियोथेरेपी ऑक्युपेशनल थैरेपी क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट द्वारा परामर्श समेत अन्य स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करायी जायेगी। इस पहल के अंतर्गत गरीबी रेखा से नीचे परिवारों के लोगों को निःशुल्क इलाज और परामर्श दिया गया। अब धनबाद के लोगों को इलाज के लिए अन्य शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी–सारी सेवाएं धनबाद में ही उपलब्ध होंगी। इस शिविर में कई वरिष्ठ शिक्षकों, थैरेपिस्टों और हमारे सेवा भागीदार इंडियन थेरेपी सेंटर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और बच्चे शामिल हुए और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं थैरेपी सेवाओं का लाभ मिला। इस कार्यक्रम के माध्यम से धनबाद में स्वास्थ्य और जागरूकता की एक नयी लहर आयी है। यह पहल विशेष रूप से मध्यमवर्ग और गरीब परिवारों के लिए राहत लेकर आई है। यह शिविर नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट, एसबीआई और आईटीसी के संयुक्त प्रयास से समाज को स्वास्थ्य एवं जागरूकता के क्षेत्र में एक नयी दिशा देने का प्रयास है।

गोवर्धन पूजा महोत्सव में यदुवंशियों का महाजुटान

गोवर्धन पूजा प्रकृति और समाज के प्रति आस्था का प्रतीक : मनोज कुमार यादव

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। सेक्टर 4 एफ सूर्य मंदिर के समीप लालू मैदान में गोवर्धन पूजा के अवसर पर श्री कृष्णा गोवर्धन पूजा आयोजन समिति की ओर से भव्य महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें यदुवंशी समाज के लोगों ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि गोवर्धन पूजा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि यह प्रकृति और समाज के प्रति आस्था का प्रतीक है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की कथा हमें सामूहिकता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है। झामुमो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने कहा कि यह पर्व हमें धरती, जल और पर्यावरण संसाधनों के महत्व का स्मरण कराता है। वहीं, राजद जिला अध्यक्ष बुद्ध नारायण यादव ने कहा कि श्रीकृष्ण ने यह सिखाया कि सामाजिक एकजुटता ही समाज की असली ताकत है और हमें सामूहिक प्रयासों से अपनी रक्षा करनी चाहिए। इस अवसर पर गौ पूजा, दंगल और पशु समागम का आयोजन हुआ, जिसमें विजेताओं को मेडल, पीतल की बाल्टी और नगद पुरस्कार प्रदान किये गये। महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भक्ति और उत्साह का वातावरण बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बहादुर गोप ने और संचालन जितेंद्र यादव ने किया।

मौके पर योगेंद्र यादव, बुद्ध नारायण यादव, गजेंद्र प्रसाद हिमांशु, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष भरत यादव, सदानंद गोप, सविता गोप, अशोक यादव, अवधेश यादव, रामजीत यादव, राज विजय यादव, गोपेश्वर यादव, पूनम यादव, सुदामा यादव समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु, जनप्रतिनिधि और समाजसेवी मौजूद रहे।

डीसी, एसएसपी और झरिया विधायक ने ऐतिहासिक राजा तालाब का किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। लोक आस्था का महापर्व छठ पर्व को लेकर धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन, धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार ओर झरिया विधायक रागिनी सिंह ने झरिया के ऐतिहासिक राजा तालाब का निरीक्षण किया। धनबाद उपायुक्त ने सभी कर्मियों को निर्देश दिया कि हरहाल में पूजा से पहले साफ-सफाई, जमीन का समतलीकरण हो जाना चाहिए। जो भी कचरा नदी व तालाब में जमा होगा, उसे तुरंत हटायें। लाइटिंग की भी व्यवस्था दुरुस्त की जाये। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि आस्था का पर्व छठ पूजा है। इसलिए प्रत्येक छठ घाट का जायजा लिया जा रहा है। पर्व में कहीं कोई दिक्कत किसी व्रती को ना झेलना पड़े, इसका ख्याल रखा जा रहा है। सुरक्षा को लेकर धनबाद उपायुक्त से मांग की गयी है। छठ के दौरान राजा तालाब में पुल ओर गहरे पानी में बैरिकेडिंग की व्यवस्था श्रद्धालु, विशेषकर बच्चे, गहरे पानी में जाने से रोकने और किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए की गयी है, खासकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए। इसका मुख्य उद्देश्य डूबने से बचाव है, ताकि छठ पूजा के दौरान कोई हादसा न हो। निरीक्षण के दौरान धनबाद एसडीएम राजेश कुमार, सिंदरी डीएसपी आशुतोष कुमार सत्यम, जोरापोखर सर्किल इंस्पेक्टर आशुतोष कुमार, झरिया थाना प्रभारी शशि रंजन कुमार, बोरागढ़ ओपी प्रभारी निरंजन कुमार सिंह सहित पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

गिरिडीह में शुरू हुई सूर्यदेव की आराधना

गिरिडीह (आजाद सिपाही)। गिरिडीह में छठ पूजा की तैयारियां जोरों पर हैं। दिवाली के बाद से ही महिलाएं गेहूं धोने और चावल चुनने की परंपरा के साथ इस पर्व की विधिवत शुरूआत कर चुकी हैं। इस वर्ष छठ पूजा 25 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक मनायी जायेगी, जिसमें 36 घंटे का निर्जला व्रत रखा जायेगा। शालिनी बैसखियार के मेट्रोस गली स्थित आवासीय परिसर में सूर्यदेव की भव्य प्रतिमा स्थापित की जा रही है, जिसकी पूजा-अर्चना चार दिनों तक चलेगी और पारण के दिन शाम को विसर्जन किया जायेगा। छठ पूजा सूर्य देव और छठी माई को समर्पित है, जो परिवार के सुख-समृद्धि और संतानों की दीर्घायु के लिए किया जाता है। इस पर्व में महिलाएं पूरे उत्साह और भक्तिभाव के साथ व्रत की तैयारियां आरंभ करती हैं, और घर-आंगन में पवित्रता और भक्ति का वातावरण बना रहता है।

सीसीएस नियमावली एवं वार्षिक संपत्ति विवरण विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

धनबाद (आजाद सिपाही)। बुधवार को सीएसआइआर – सिंफर, बरवा रोड परिसर, धनबाद में सीसीएस (आचरण) नियमावली, 1964 सीसीएस (सीसीए) नियमावली, 1965 एवं वार्षिक संपत्ति विवरण विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सिद्धार्थ दे, प्रशासन नियंत्रक के नेतृत्व में चंद्रेश कुमार एवं श्री आमोद कुमार, अनुभाग अधिकारी द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक कुमार राहुल, उपसचिव, सीएसआईआर मुख्यालय, नयी दिल्ली ने विस्तृत रूप से उक्त विषय पर अपनी जानकारी प्रदान की। सीसीएस (आचरण) नियमावली, 1964 के तहत किन बातों पर विशेष ध्यान रखनी चाहिए एवं किन बातों से बचना चाहिए के संबंध में भी सरल शब्दों में उदाहरण सहित जानकारी प्रदान की गयी। सीसीएस (सीसीए) नियमावली, 1965 एवं वार्षिक संपत्ति विवरण से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर अपना ज्ञान कार्मिकों के बीच साझा किया। जिसमे उन्होनें अनुशासनात्मक कार्यवाही एवं वार्षिक संपत्ति विवरण के संबंध में विस्तार पूर्वक बताया। कार्यक्रम का संचालन सुनील कुमार, अनुभाग अधिकारी (सा.) द्वारा किया गया।

बाघमारा में अवैध जुआ का बोलबाला

बाघमारा (आजाद सिपाही)। बाघमारा थाना क्षेत्र के चर्चित छठ तालाब के समीप अवैध जुआ का कारोबार जोरों पर है। सूत्रों के अनुसार, यह गैरकानूनी गतिविधि पूर्व मुखिया और वर्तमान मुखिया प्रतिनिधि की देखरेख में संचालित हो रही है। '3 पत्ती' नामक इस जुआ गेम में रोजाना सिंडिकेट द्वारा लाखों रुपये की कमाई की जा रही है, जबकि दर्जनों स्थानीय लोग इसमें फंसकर अपनी जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि छठ तालाब के आसपास यह जुआ अड्डा पिछले कई दिनों से चल रहा है। रोजाना दर्जनों लोग यहां जुआ खेलने आते हैं, जहां 'नाल' (जुआ की एक शब्दावली) उठाने वाले सिंडिकेट सदस्य बड़े पैमाने पर पैसे ऐंठते हैं। कई परिवारों ने शिकायत की है कि उनके सदस्य जुआ की लत में पड़कर आर्थिक रूप से तबाह हो चुके हैं, जिससे घरेलू हिंसा और गरीबी की समस्या बढ़ गयी है।

छह साल से आवास के लिए भटक रही महिला

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। पूर्वी टुंडी प्रखंड के सिंगरायडीह गांव की पार्वती देवी की जिंदगी आज भी बुनियादी जरूरतों के लिए जद्दोजहद से भरी हुई है। छह साल पहले पति का निधन, विकलांग दो बच्चों की जिम्मेदारी और अब सिर पर छत तक नहीं–यह कहानी है उस महिला की, जो हर दिन अपने हौसले से जीवन की लड़ाई लड़ रही है। पार्वती देवी एक आदिवासी विधवा हैं, जो स्कूल में खाना बनाकर अपने तीन बच्चों का पेट पालती हैं। इनमें एक बेटा नेत्रहीन है और दूसरा बोलने और चलने में असमर्थ। उनके पास न रहने के लिए घर है, न ही पर्याप्त आमदनी। जिस झोपड़ी में वह कभी रहा करती थीं, वह अब पूरी तरह ढह चुकी है। बीते छह वर्षों से वह अपने भाई के घर में किसी तरह रह रही थीं, लेकिन अब वहां से भी निकलने को मजबूर कर दी गयी हैं।

हम कहां जाएं : पार्वती देवी की आंखें बार-बार यही सवाल करती हैं। वे कहती हैं, हमने कई बार सरकारी आवास के लिए आवेदन दिया, लेकिन हर बार बस आश्वासन ही मिला। बच्चों के साथ दर-दर भटकना अब असहनीय हो गया है। उन्होंने बताया कि उनके पति छोटका किस्कू की मौत के वक्त उनका नाम प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में दर्ज था, लेकिन आर्थिक तंगी और इलाज के खर्च के कारण वह उस समय योजना का लाभ नहीं ले सकीं। अब जब वे बार-बार ब्लॉक और जिले के कार्यालयों के चक्कर काट रही हैं, तब भी कोई ठोस समाधान नहीं मिला है। उनके बेटे हेमंत किस्कू, जो दिव्यांग हैं, बोल भी ठीक से नहीं पाते। वह बड़ी मासूमियत से कहते हैं, अगर हमें एक घर मिल जाये तो हम बहुत खुश होंगे।

राशन नहीं, छत नहीं—फिर कैसे जियें?

पार्वती देवी को आज तक सरकारी राशन नहीं मिला। उनका कहना है कि उनके बच्चों को कभी-कभी स्कूल से मिलने वाला अनाज ही उनका सहारा है। हालांकि, उन्हें विधवा पेंशन मिलती है, लेकिन उससे न तो घर बन सकता है और न ही बच्चों की जरूरी देखभाल हो सकती है। स्थानीय निवासी दामोदर किस्कू कहते हैं, ₹पार्वती की स्थिति बेहद खराब है। सरकार को इस पर तुरंत ध्यान देना चाहिए। उनके पास जमीन है, बस एक घर की जरूरत है। एक छत उनकी जिंदगी को थोड़ा सुकून दे सकती है।

प्रशासन ने दिया आश्वासन

पूर्वी टुंडी प्रखंड के प्रभारी बीडीओ विशाल कुमार पांडे ने कहा कि जब भी अगली बार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रक्रिया शुरू होगी, पार्वती देवी का नाम प्राथमिकता सूची में रखा जायेगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि एक-दो दिनों में उन्हें सरकारी राशन भी उपलब्ध कराया जायेगा। लेकिन सवाल यह है—क्या तब तक पार्वती देवी और उनके दिव्यांग बच्चे खुले आसमान तले यूं ही रातें बिताते रहेंगे? एक अपील, एक उम्मीद यह केवल एक महिला की कहानी नहीं, बल्कि उस तंत्र का आईना है, जहां जरूरतमंदों को सालों तक अपने हक के लिए लड़ना पड़ता है। पार्वती देवी को सिर्फ एक पक्की छत चाहिए—सरकार से, समाज से, व्यवस्था से। क्या यह बहुत बड़ी मांग है?

बोकारो में छठ महापर्व की तैयारियां अंतिम चरण में

दीपक कुमार

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में छठ महापर्व को लेकर आवश्यक तैयारियां अंतिम चरण में हैं। एक ओर जहां जिला प्रशासन और बोकारो स्टील प्रबंधन मिलकर घाटों की साफ-सफाई, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे रहे हैं। वहीं , दूसरी ओर व्रती एवं श्रद्धालु भी छठ व्रत को लेकर अपनी तैयारियों में लगे हुए हैं। महापर्व की शुरूआत 25 अक्टूबर को नहाय-खाय से होगी और यह 28 अक्टूबर को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य (उषा अर्घ्य) देने के साथ संपन्न होगा। इसे देखते हुए बोकारो स्टील प्रबंधन ने शहर के विभिन्न छठ घाटों की साफ-सफाई का काम शुरू कर दिया है। इसके अलावा जिला प्रशासन ने भी चास नगर निगम को छठ घाटों की सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। प्रशासन ने सुरक्षा के लिए कई इंतजाम किये हैं। घाटों पर पानी में रस्सी और बांस-बल्ले लगाकर खतरनाक इलाकों को चिह्नित किया जा रहा है, साथ ही गोताखोरों की तैनाती की भी योजना है। जानकारी के अनुसार छठ महाव्रत को लेकर बोकारो नगर, चास और चंदनक्यारी में कुल 48 छठ घाटों को मुख्य रूप से चिन्हित किया गया है। इनमें 7 ऐसे घाट हैं जहां गहरा पानी है या पानी का तेज बहाव है। इन घाटों पर गोताखोरों की टीम लगायी जायेगी। बाकी 41 छठ घाटों पर गोताखोर तो नहीं रहेंगे लेकिन दंडाधिकारी और पुलिसकर्मी अवश्य मौजूद होंगे। इन सब की निगरानी जिला नियंत्रण कक्ष से होगी। व्रतियों की सुविधा के लिए घाटों पर रोशनी का इंतजाम किया जा रहा है तथा स्थलों को समतल कर मोरम डालने का काम भी हो रहा है। इस कार्य में कई स्वयंसेवी संस्थाएं भी बढ़ चढकर आगे आ रही हैं। कई छठ घाटों पर मिट्टी और सीमेंट से पक्के घाट बनाने का काम चल रहा है, कुछ जगहों पर श्रद्धालु भी अपने-अपने घाट बना रहे हैं। महापर्व की तैयारियों की समीक्षा के लिए उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक द्वारा अधिकारियों के साथ बैठकें भी की गई हैं।

बोकारो डीसी ने बेरमो के छठ घाटों का किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बेरमो अनुमंडल क्षेत्र के हिन्दुस्तान पुल छठ घाट एवं करगली फिल्टर छठ घाट का बुधवार को उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि छठ पर्व नेम-निष्ठा, स्वच्छता और पवित्रता का प्रतीक है तथा प्रशासन का उद्देश्य है कि श्रद्धालुओं को इस पर्व के दौरान सुविधाजनक और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाये।

उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) एवं बीडीओ/ सीओ को निर्देश दिया कि दोनों प्रमुख घाटों पर स्थायी छठ घाट निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार कर जिला को भेजें। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष छठ पर्व से पूर्व घाट का स्थायी निर्माण कार्य सुनिश्चित किया जाये, जिससे व्रतियों और श्रद्धालुओं को दीर्घकालीन सुविधा प्राप्त हो। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि छठ पर्व से पूर्व घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं सजावट की पूरी तैयारी की जाये। उन्होंने कहा कि वॉलंटियर्स की प्रतिनियुक्ति, पुल और घाट क्षेत्र की रोशनी और सजावट तथा सुरक्षा की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित की जाये ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कहा कि छठ पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि लोक आस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आपकी भक्ति एवं श्रद्धा में हमारी आस्था है। प्रशासन पूर्ण निष्ठा के साथ यह सुनिश्चित करेगा कि श्रद्धालु स्वच्छ, सुरक्षित और पवित्र वातावरण में व्रत एवं पूजा-अर्चना संपन्न कर सकें। उन्होंने स्थानीय पब्लिक सेक्टर यूनिट एवं स्वयंसेवी संस्थाओं और पूजा समितियों से अपील की कि वे छठ पर्व की तैयारी में प्रशासन का सहयोग करें। उपायुक्त ने सभी पीएसयू - छठ पूजा समितियों को अपने क्षेत्र अंतर्गत प्रतिनियुक्ति वॉलिंटियर्स को परिचय पत्र देने का निर्देश दिया। वहीं, तेनुघाट डैम प्रमंडल पदाधिकारियों के साथ एसडीओ बेरमो को पानी छोड़ने वाले बिंदु पर बैठक करने का निर्देश दिया। मौके पर एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, बीडीओ बेरमो मुकेश कुमार, सीओ बेरमो संजीत कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सीसीएल करगली - ढ़ोरी के प्रतिनिधि समेत विभिन्न पूजा समितियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

देशव्यापी विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर हुआ मंथन

2026 में चुनाव होने वाले राज्यों में पहले होगा एसआइआर

- अगले वर्ष पश्चिम बंगाल, असम, केरल, पुडुचेरी और तमिलनाडु में होना है चुनाव

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। देशव्यापी विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात की है। इस बैठक में आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने और देशव्यापी एसआइआर पर योजना को अंतिम रूप देने पर मंथन हुआ।

एसआइआर का मुख्य उद्देश्य पुराने और गलत रिकॉर्ड हटाकर मतदाता सूची को अद्यतन करना है। इसमें खासतौर पर अवैध विदेशी प्रवासियों के नामों की पहचान और उन्हें सूची से हटाने पर जोर दिया जायेगा। आयोग इस बार यह अभियान चरणबद्ध तरीके से शुरू करने पर विचार कर रहा है।

किन राज्यों में पहले चलेगा अभियान : चुनाव आयोग की योजना है कि एसआइआर की शुरुआत उन राज्यों से की जाये जहां 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन राज्यों में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल शामिल है। इनके अलावा कुछ और राज्यों को भी पहले चरण में शामिल किया जा सकता है। वहीं जिन राज्यों में फिलहाल स्थानीय निकाय चुनाव चल रहे हैं या होने वाले हैं, वहां यह अभियान बाद में शुरू होगा ताकि स्थानीय चुनावी मशीनरी पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

पुरानी मतदाता सूची बनेगी आधार

हर राज्य में पिछली बार हुए एसआइआर के रिकॉर्ड को इस बार के अभियान का आधार बनाया जायेगा। जैसे, बिहार में आखिरी एसआइआर 2003 में हुआ था और हाल ही में वहां 7.42 करोड़ मतदाताओं की अंतिम सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की गयी। दिल्ली में आखिरी बार गहन पुनरीक्षण 2008 में हुआ था। जबकि उत्तराखंड में 2006 में। वहीं, ज्यादातर राज्यों में पिछली एसआइआर 2002 से 2004 के बीच करायी गयी थी। अब राज्यों ने मौजूदा मतदाताओं का मिलान उस पुरानी सूची से लगभग पूरा कर लिया है।

एआइ कंटेंट पर अब लगेगा लेबल

डीपफेक पर लगाम को लेकर आइटी नियमों में संशोधन का प्रस्ताव पेश

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने डीपफेक और एआइ-जेनरेटेड फर्जी कंटेंट से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए आइटी नियमों में बदलाव का प्रस्ताव पेश किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा तैयार किये गये इस मसौदे में कहा गया है कि अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को एआइ या सिंथेटिक कंटेंट को स्पष्ट रूप से चिन्हित करना होगा, ताकि यूजर असली और नकली सामग्री में फर्क कर सकें।

क्या हैं नये नियमों के प्रमुख प्रावधान

प्रस्तावित संशोधन के अनुसार, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स (पूर्व में ट्विटर) जैसे बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को यह सुनिश्चित करना होगा कि यदि कोई कंटेंट एआइ या कंप्यूटर-जनित है, तो उस पर लेबल या मार्कर लगाया जाये। यह लेबल विजुअल कंटेंट में कम से कम 10 फीसदी हिस्से पर दिखाई देना चाहिए, जबकि ऑडियो में शुरुआती 10 फीसदी अवधि तक सुनाई देना जरूरी होगा। साथ ही प्लेटफॉर्म को यह भी जांच करनी होगी कि यूजर द्वारा अपलोड किया गया कंटेंट असली है या सिंथेटिक। इसके लिए तकनीकी उपाय अपनाने और यूजर से डिक्लेरेशन लेना अनिवार्य होगा।

डीपफेक से बढ़ रहा खतरा

मंत्रालय ने कहा कि हाल के महीनों में डीपफेक ऑडियो और वीडियो तेजी से वायरल हुए हैं, जिनसे गलत जानकारी फैलाने, राजनीतिक छवि बिगाड़ने, धोखाधड़ी करने और लोगों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के मामले सामने आये हैं। वैश्विक स्तर पर भी डीपफेक तकनीक को लेकर चिंता बढ़ी है, क्योंकि यह तकनीक असली लगने वाले झूठे वीडियो और फोटो बनाकर समाज में भ्रम फैलाने में सक्षम है।

फीडबैक के लिए खुला है मसौदा

आइटी मंत्रालय ने इस ड्राफ्ट पर जनता और विशेषज्ञों से 6 नवंबर 2025 तक सुझाव और टिप्पणियां मांगी हैं। सरकार का कहना है कि इन बदलावों का उद्देश्य यूजरों को जागरूक बनाना, फेक कंटेंट पर अंकुश लगाना और साथ ही एआइ इनोवेशन के लिए एक सुरक्षित वातावरण तैयार करना है।

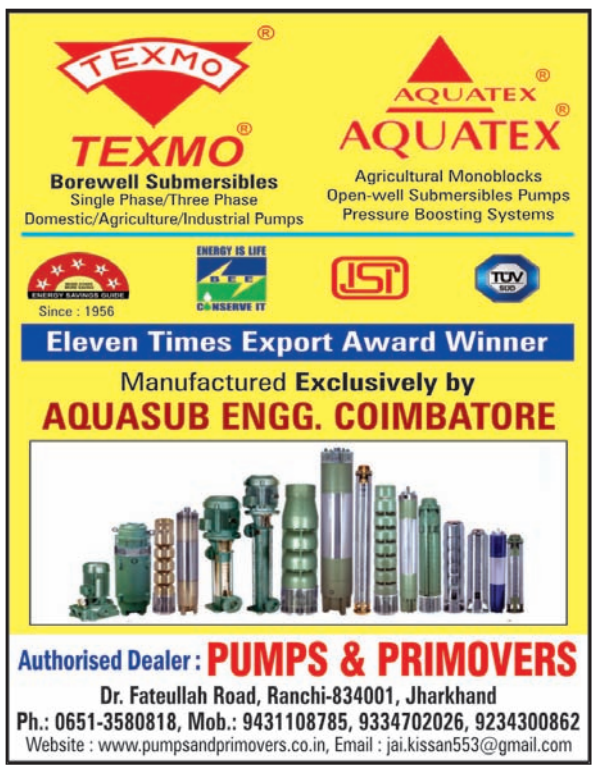

ट्रंप के साथ वार्ता स्थगित, पुतिन ने रूसी परमाणु बलों को दिया तैयारी का आदेश

एजेंसी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को देश की रणनीतिक परमाणु सेनाओं के बड़े युद्धाभ्यास का आदेश दिया है। इसमें मिसाइल प्रक्षेपण का अभ्यास भी शामिल है। यह कदम ऐसे समय पर आया, जब यूक्रेन पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ प्रस्तावित शिखर बैठक को टाल दिया गया।

तीनों विभागों ने किया परमाणु अभ्यास : क्रेमलिन के मुताबिक इस अभ्यास में रूस की संपूर्ण परमाणु त्रयी (थल, जल और वायु आधारित परमाणु क्षमता) शामिल रही। इसके अनुसार थल से- आरएस-24 यार्स अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल को रूस के उत्तर-पश्चिमी इलाके में स्थित प्लेसेत्स्क लांच केंद्र से दागा गया। जल से- आर -29आरएमयू सिनेवा आइसीबीएम को बारेंट्स सागर में तैनात पनडुब्बी से छोड़ा गया। आसमान से- टुपोलेव टीयू-95 बमवर्षक विमानों ने लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलें दागीं।

बैठक को लेकर पुतिन-ट्रंप का बयान : क्रेमलिन के बयान में कहा गया कि इस अभ्यास के जरिये सैन्य कमान की तैयारियों और परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की अनुमति की प्रक्रिया का परीक्षण किया गया। रूस के जनरल स्टाफ के प्रमुख जनरल वैलेरी गेरेसिमोव ने वीडियो लिंक के जरिये पुतिन को रिपोर्ट दी। पुतिन ने कहा कि यह अभ्यास पहले से तय था, लेकिन इसका समय ट्रंप के एलान के कुछ घंटों बाद आया। ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि वह हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में पुतिन से जल्दी बैठक नहीं करना चाहते क्योंकि यह समय की बर्बादी होगी।

मार्को रुबियो और सर्गेई लावरोव के बीच बातचीत : इससे पहले अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच बातचीत हुई थी। लावरोव ने साफ कर दिया था कि रूस यूक्रेन में तत्काल युद्धविराम के पक्ष में नहीं है।

शिखर बैठक के तैयारी जरूरी: क्रेमलिन

बुधवार को क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि दोनों देशों के बीच शिखर बैठक तभी होगी, जब पूरी तैयारी हो। उन्होंने कहा, कोई भी अपना समय व्यर्थ नहीं करना चाहता, न राष्ट्रपति ट्रंप और न ही राष्ट्रपति पुतिन। दोनों नेता प्रभावी ढंग से काम करने के आदी हैं और इसके लिए अच्छी तैयारी जरूरी होती है।

बंगाल में एसआइआर से पहले एक हजार बीएलओ को चुनाव आयोग के नोटिस

कोलकाता (आजाद सिपाही)। पश्चिम बंगाल में चुनाव संबंधी निर्देशों का पालन न करने के आरोप में करीब एक हजार बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को कारण बताओ नोटिस जारी किये गये हैं। यह कार्रवाई जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत की गयी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि संबंधित सभी बीएलओ ने निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (इआरओ) की बार-बार अपील के बावजूद इआरओ-नेट पोर्टल पर अपने नाम दर्ज नहीं कराये थे। इसी को आधार बनाते हुए नोटिस जारी किये गये हैं। अधिकारी ने कहा, नोटिस में कहा गया है कि ऐसा न करना जानबूझ कर की गयी लापरवाही और कर्तव्य की गंभीर उपेक्षा है, जो जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 32 के उल्लंघन के बराबर है। इस धारा के तहत निर्वाचन कार्य में नियुक्त सभी अधिकारियों को चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। अधिकारी ने बताया कि तय समय सीमा के भीतर जवाब न देने की स्थिति में यह माना जायेगा कि संबंधित अधिकारी के पास कोई वैध कारण नहीं है, और फिर विभागीय नियमों के तहत कार्रवाई की जायेगी।

मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण पर भारत ने कसी कमर

- बेल्जियम कोर्ट में आर्थर रोड जेल की तस्वीरें पेश कीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत ने बेल्जियम की अदालत में मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण मामले में आर्थर रोड जेल की बैरक 12 की विस्तृत वास्तुशिल्प तस्वीरें प्रस्तुत की हैं। ये चित्र नवीनीकृत इकाई की मानवीय हिरासत स्थितियों को दर्शाते हैं, जिसमें 46.5 वर्ग मीटर का क्षेत्र, आधुनिक सुविधाएं, सीसीटीवी निगरानी और अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुपालन शामिल है, ताकि भारत में जेल की खराब स्थितियों संबंधी चिंताओं को दूर किया जा सके। मुंबई की उच्च सुरक्षा वाली आर्थर रोड जेल, जहां भगोड़े व्यवसायी मेहुल चोकसी को प्रत्यर्पित किये जाने पर रखा जायेगा, के विस्तृत वास्तुशिल्प चित्र और आंतरिक चित्र, मानवीय हिरासत स्थितियों का आश्वासन देने वाले भारत के हलफनामे के हिस्से के रूप में बेल्जियम की एक अदालत के समक्ष प्रस्तुत किये गये हैं। ये चित्र, 'जेल की स्थितियां बैरक 12, आर्थर रोड जेल, मुंबई' शीर्षक वाले छह तकनीकी पत्रों के एक सेट का हिस्सा हैं, जिन्हें केंद्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार किया गया था और भारतीय अधिकारियों द्वारा जेल सुविधाओं की पर्याप्तता और सुरक्षा को प्रदर्शित करने के लिए दायर किया गया था।

चित्रों के अनुसार बैरक संख्या 12, जिसे चोकसी के लिए इकाई के रूप में नामित किया गया है, लगभग 46.5 वर्ग मीटर (लगभग 500 वर्ग फुट) में फैला है, जिसमें एक मुख्य कमरा, मार्ग, धुलाई क्षेत्र और शौचालय शामिल हैं। यह सुविधा हवादार खिड़कियों, मच्छरदानी, सुरक्षा के लिए ग्रिल वाले दरवाजों, सीसीटीवी निगरानी, सीलिंग फैन और ट्यूबलाइट से सुसज्जित है। इसमें वॉश बेसिन और बहते पानी के साथ शॉवर, साथ ही बेहतर स्वच्छता के लिए पीवीसी फर्श और दीवार टाइलें भी हैं। बीम स्तर पर एक मोबाइल जैमर लगाया गया है और निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने के लिए वेंटिलेटर के पास एक सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है। हलफनामे में इस बात पर जोर दिया गया है कि इस इकाई का हाल ही में नवीनीकरण किया गया है और यह अंतरराष्ट्रीय हिरासत मानकों का अनुपालन करती है। यह प्रस्तुतिकरण भारत सरकार द्वारा बेल्जियम की अदालत में दिये गये एक आधिकारिक हलफनामे का हिस्सा है, जहां मेहुल चोकसी ने अपने प्रत्यर्पण का विरोध करते हुए अपनी जान को कथित खतरे और भारत में जेल की स्थिति को लेकर चिंताओं का हवाला दिया है।

पीएम मोदी का बिहार दौरा आज, रैलियों को सफल बनाने के लिए भाजपा रेस

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल 23 अक्तूबर से बिहार में चुनावी जनसभाओं की शुरुआत करेंगे। पीएम मोदी भाजपा के सबसे बड़े नेता हैं और उनकी चुनावी रैलियों से पूरी चुनावी हवा बदलती रही है। इसे देखते हुए भाजपा ने पीएम की रैलियों को सफल बनाने में पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी के चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ बिहार भाजपा की टीम ने इन जनसभाओं को सफल बनाने की जिम्मेदारी संभाली है। पीएम की हर जनसभा से आसपास की लगभग एक दर्जन विधानसभा सीटों पर असर पड़ने की संभावना है। लिहाजा हर रैली में आसपास के इलाकों से लोगों को लाकर जनसभाओं को सफल बनाने की रणनीति अपनायी गयी है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार पीएम की रैलियों को लगाने में दो अहम कारकों पर ध्यान दिया गया है। पहला पार्टी जिन क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति में है, उनमें पीएम की जनसभाएं कराकर पार्टी की पकड़ मजबूत करने की कोशिश की जा रही है। लेकिन इसके साथ-साथ जिन क्षेत्रों में पार्टी की पकड़ बेहतर है, वहां पीएम की जनसभाओं से आम जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने की योजना है। पीएम की रैलियों में भारी संख्या में लोगों के पहुंचने के लिए पूरा इंतजाम किया गया है। पार्टी ने हर जनसभा के लिए सैकड़ों की संख्या में बसें लगाकर लोगों को रैली स्थल तक पहुंचाने की योजना बनायी है। जिस क्षेत्र में पीएम की रैली होगी, उनके आसपास के प्रत्याशी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मंच पर उपस्थित रह सकते हैं। पीएम जनता से उन प्रत्याशियों को जिताने की अपील करेंगे। ऐसे में इन सभी प्रत्याशियों के विधानसभा क्षेत्रों से भारी संख्या में लोगों को लाकर जनसभाओं को सफल बनाने की रणनीति अपनायी गयी है।

दूसरे नेता संभालेंगे ये जिम्मेदारी

पीएम मोदी के साथ-साथ भाजपा ने जिन 40 स्टार प्रचारकों की सूची चुनाव आयोग को सौंपी है, उनमें दूसरे नेता भी अपने-अपने कार्यक्रमों के अनुसार चुनाव प्रचार में उतरेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हेमंत बिस्वा सरमा, देवेंद्र फडणवीस और रेखा गुप्ता की रैलियों को उन इलाकों में लगाया जायेगा, जहां वे पार्टी के लिए प्रभावी हो सकते हैं। इसके अलावा गायक मनोज तिवारी और निरहुआ के कार्यक्रम लगाकर जनता को एनडीए गठबंधन के पक्ष में मतदान कराने की अपील की जायेगी।

पीएम की रैलियों का पूरा कार्यक्रम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार में पहली जनसभा 23 अक्तूबर को करेंगे। इस दिन वे सासाराम, गया और भागलपुर में तीन जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इसके बाद 28 अक्तूबर को भी वे दरभंगा, मुजफ्फरपुर और पटना में तीन रैलियों को संबोधित करेंगे। इसी तरह एक नवंबर को छपरा, पूर्वी चंपारण, समस्तीपुर में और तीन नवंबर को पश्चिमी चंपारण, सहरसा और अररिया में मोदी जनता को संबोधित करेंगे।

अमित शाह भी मैदान में

पीएम की तरह गृह मंत्री अमित शाह भी इस दौरान बिहार में चुनावी दौरे पर होंगे। हालांकि, वे लगातार बिहार में चुनावी कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। लेकिन 23 अक्तूबर को वे एक बार फिर बिहार पहुंचेंगे और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं-कार्यकर्ताओं से राज्य के चुनावी हालात पर बातचीत करेंगे। 24 अक्तूबर को वे सीवान और बक्सर में जनसभा करेंगे। 25 अक्तूबर को गृह मंत्री शाह नालंदा, मुंगेर और खगड़िया में तीन जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड से मुद्रित। **संस्थापक प्रधान संपादक :** स्व. हरिनारायण सिंह, **संपादक :** राकेश सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**